फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी 12:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

गुरुवार, 12 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 173, पृष्ठ 16 ▪ मूल्य 5 रुपये

यूपी बजट 2026-27

9.12 लाख करोड़ कुल बजट | **19.5%** पूंजीगत व्यय | **12.4%** शिक्षा आवंटन | **6%** स्वास्थ्य आवंटन | **9%** कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र

23.1% ऋण-जीएसडीपी अनुपात लक्ष्य

योगी का बाहुबली बजट

नव निर्माण के 9 वर्ष

अहम बातें

₹18,290 करोड़ से सिंचाई परियोजना

2100 नए राजकीय नलकूप

₹3,04,321 करोड़ से अधिक का गन्ना भुगतान

₹14,997 करोड़ चिकित्सा शिक्षा विभाग

₹37,956 करोड़ चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाएं। (आयुष्मान टॉप-अप 500 करोड़)

₹5,000 करोड़ से औद्योगिक विस्तार

₹3,822 करोड़ एमएसएमई के लिए

₹27,103 करोड़ अवसंरचना मद में

₹22,676 करोड़ नमामि गंगे/ग्रामीण जल मिशन

200 करोड़ एमओयू रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर के लिए

65,926 करोड़ ऊर्जा क्षेत्र को

सुरेश कुमार खन्ना
वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश

बजटीय सौगात

49.86 लाख टैबलेट/स्मार्टफोन

₹400 करोड़ से मेधावी बेटियों को स्कूटी

10,00,000 युवाओं को रोजगार

₹1374 करोड़ से पुलिस भवन निर्माण

₹200 करोड़ फायर स्टेशन के लिए

₹25 करोड़ से महिला बीट कर्मियों के लिए वाहन

₹34,468 करोड़ सड़क-सेतु के लिए

₹225 करोड़ से एआई मिशन की शुरुआत

यूपी अब अनलिमिटेड पोटेंशियल के साथ बना राजस्व सरप्लस राज्य

9 साल में कोई नया टैक्स नहीं, तीन गुना बढ़ा बजट : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया, फिर भी बजट का आकार तीन गुना से अधिक बढ़कर 9.12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब "अनलिमिटेड पोटेंशियल स्टेट" के रूप में उभरा है और यह बजट उसी आत्मविश्वास का दस्तावेज है।

विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत होने के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह उनके नेतृत्व में सरकार का दसवां बजट है। उन्होंने बताया कि 43,565 करोड़ रुपये नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित किए गए हैं, जबकि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के लिए रखी गई है। उनका कहना था कि परिसंपत्तियों के निर्माण और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से ही रोजगार सृजन को गति मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में प्रदेश में ऋण-जीएसडीपी अनुपात 30 प्रतिशत से अधिक था, जिसे घटाकर 27 प्रतिशत तक लाया गया। इस वित्तीय वर्ष में इसे 23 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की 30 प्रतिशत सीमा के भीतर रहते हुए उत्तर प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन का उदाहरण प्रस्तुत किया है और आज प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है।

स्टेट डेटा अथॉरिटी का होगा गठन

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में बेरोजगारी दर घटकर 2.24 प्रतिशत रह गई है। एमएसएमई, स्टार्टअप, ओडीओपी और स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के तहत एआई मिशन और डेटा सेंटर क्लस्टर की स्थापना का प्रावधान किया गया है। स्टेट डेटा अथॉरिटी गठित की जाएगी, जो रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग के जरिए नीति निर्माण में मदद करेगी।

निवेश और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्रदेश में आए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में यूपी दूसरे स्थान पर पहुंचकर 'चीफ अचीवर स्टेट' बना है। डिजिटल इंटरप्रेन्योरशिप योजना को आगे बढ़ाया जाएगा और सिटी इकॉनमिक जोन विकसित किए जाएंगे।

कृषि और ग्रामीण विकास पर फोकस

योगी ने कहा कि 23 लाख डीजल ट्यूबवेल को सोलर से जोड़ने की घोषणा की गई है। एससी-एसटी, महिला और लघु सीमांत किसानों को 90 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। दो लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य। गन्ना, दलहन-तिलहन, मत्स्य और पशुपालन क्षेत्र में विशेष प्रावधान किए गए हैं। पशुधन बीमा योजना में 85 प्रतिशत तक प्रीमियम सरकार वहन करेगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल हब

सीएम ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे के विस्तार, पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे और नए औद्योगिक क्लस्टर के लिए बजट में प्रावधान। हर जिले में स्किल डेवलपमेंट हब स्थापित किए जाएंगे। सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान और हर हाथ को काम इस बजट की मूल भावना है, जो उत्तर प्रदेश को देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है।

मेगा बजट

स्वच्छताकर्मियों को सीधे अकाउंट में मिलेंगे 16 से 20 हजार रुपये बजट में किया गया प्रावधान

बजट 2026-27 में पूंजीगत व्यय, शिक्षा-स्वास्थ्य और कृषि पर योगी सरकार का विशेष फोकस

नव निर्माण के नौ वर्ष की थीम पर 43,565 करोड़ की नई योजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। अमृत विचार : विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए "नव निर्माण के नौ वर्ष" थीम के तहत 43,565 .33 करोड़ रुपये की नई योजनाओं का एलान किया। कुल बजट आकार 9,12,696 .35 करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष से लगभग 12 .9 % अधिक। सरकार का कहना है कि यह बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी का संतुलित खाका है। एलान किया कि स्वच्छताकर्मियों को सीधे अकाउंट में 16 से 20 हजार रुपये मिलेंगे, इसका बजट में प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन को बताया कि यह बजट राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता, निवेश के अनुकूल माहौल और सुदृढ़ राजकोषीय प्रबंधन का परिणाम है। यह बजट न केवल राज्य की आर्थिक मजबूती को दर्शाता है, बल्कि दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है। बजट 2026-27 सरकार की उस सोच को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें विकास, वित्तीय अनुशासन और भविष्य की तैयारी तीनों को समान महत्व दिया गया है। इस बजट में अन्नदाता किसान, युवा, महिला, छात्र-छात्राओं समेत हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि को प्राथमिकता

वित्त मंत्री ने बताया कि बजट में 19 .5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी-ग्रामीण अधोसंरचना को नई गति देगा। पूंजीगत निवेश से रोजगार सृजन होगा और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। योगी सरकार ने सामाजिक क्षेत्रों को बजट में प्रमुख स्थान दिया है। इसके अंतर्गत शिक्षा के लिए कुल बजट का 12 .4 प्रतिशत, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के लिए 6 प्रतिशत और कृषि एवं सम्बद्ध सेवाओं के लिए 9 प्रतिशत का आवंटन किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार मानव संसाधन विकास और किसानों की आय बढ़ाने को विकास की धुरी मानकर चल रही है।

19.5

प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान

राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत की सीमा में

उन्होंने बताया कि 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटे की सीमा 3 प्रतिशत निर्धारित की गई है, जो वर्ष 2030-31 तक लागू रहेगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि वह राजकोषीय अनुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा 1,18,480 .59 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो राज्य के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 2 .98 प्रतिशत है। यह 3 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के भीतर है और वित्तीय अनुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। समग्र परिप्रेक्ष्य में, बजट 2026-27 में एक ओर जहां विकासोन्मुख नई योजनाओं का विस्तार है, वहीं दूसरी ओर राजस्व बचत और नियंत्रित राजकोषीय घाटे के माध्यम से वित्तीय स्थिरता बनाए रखने का स्पष्ट प्रयास किया गया है।

शिक्षकों और कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के कार्मिकों तथा पीएम पोषण योजना की रसोइयों एवं उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए 357 .84 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए 89 .25 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निशुल्क सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्कूल उपस्थिति में सुधार की उम्मीद है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत मेधावी छात्रों के शिक्षा ऋण पर अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी के लिए 30 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं।

सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना

वाराणसी रीजन चयनित

केंद्रीय बजट 2026-27 के अंतर्गत सिटी इकोनॉमिक रीजन योजना में 7 रीजन की पहचान की गई है, जिनमें वाराणसी रीजन भी शामिल है। नीति आयोग की जनवरी 2026 की रिपोर्ट में काशी-विन्ध्य क्षेत्र को 'इकोनॉमिक हब' के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है, जिसमें 34 प्राथमिकता परियोजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल, पर्यटन, विनिर्माण, ऊर्जा और आवास क्षेत्रों में समेकित विकास किया जाएगा।

यूपी एआई मिशन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के तहत 'उत्तर प्रदेश एआई मिशन' (यूपीएआई मिशन) शुरू किया जाएगा, जिसके अंतर्गत अगले तीन वर्षों में लगभग 2000 करोड़ रुपये के कार्यक्रम चरणबद्ध रूप से लागू किए जाएंगे। इसके लिए 225 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। स्टेट डाटा सेंटर 2 .0 के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके साथ नियोजन विभाग के अंतर्गत स्टेट डाटा अथॉरिटी की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 53 विभागों में 'जन विश्वास सिद्धांत' लागू किया जाएगा। इसके लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

एमएसएमई और रोजगार को बढ़ावा

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के तहत सरदार वल्लभभाई पटेल इंप्लॉइमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना के लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के लिए 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जिससे स्थानीय खाद्य उत्पादों को पहचान और बाजार मिलेगा। इसके साथ ही, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अंतर्गत इंटरनेशनल फिल्म सिटी परियोजना को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे प्रदेश में फिल्म उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

बजट में पूंजीगत निवेश को विशेष प्राथमिकता

राज्य सरकार ने कुल 9,12,696 .35 करोड़ रुपये के व्यय का प्रस्ताव रखा है, जिसमें पूंजीगत निवेश को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसमें से 6,64,470 .55 करोड़ रुपये राजस्व लेखा व्यय तथा 2,48,225 .81 करोड़ रुपये पूंजी लेखा व्यय के रूप में निर्धारित किए गए हैं। पूंजीगत व्यय का यह उच्च स्तर राज्य में दीर्घकालिक परिसंपत्तियों के निर्माण, आधारभूत संरचना के विस्तार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्त मंत्री ने बताया कि समेकित निधि की प्राप्तियों में से कुल व्यय घटाने पर 64,463 .17 करोड़ रुपये का घाटा अनुमानित है। वहीं लोक लेखे से 9,500 करोड़ रुपये की शुद्ध प्राप्तियां अनुमानित की गई हैं। इन दोनों को समायोजित करने पर समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 54,963 .17 करोड़ रुपये ऋणात्मक आंका गया है, जो वित्तीय प्रबंधन के संतुलन की आवश्यकता को इंगित करता है। वित्त मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक शेष 96 .41 करोड़ रुपये ऋणात्मक को जोड़ने पर अंतिम शेष 55,059 .58 करोड़ रुपये ऋणात्मक अनुमानित है। एक सकारात्मक संकेत यह भी है कि राजस्व बचत 64,457 .57 करोड़ रुपये अनुमानित की गई है, जो दर्शाता है कि राज्य की नियमित आय उसके नियमित व्यय से अधिक है और राजकोषीय संतुलन को बनाए रखने में सहायता कर रही है।

डीजल से सोलर की ओर बड़ा कदम

बजट में विशेष रूप से कृषि विभाग के अंतर्गत डीजल पंप सेट को सोलर पंप में परिवर्तित करने की महत्वाकांक्षी योजना के लिए 637 .84 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों की डीजल पर निर्भरता कम होगी, लागत घटेगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम कृषि क्षेत्र में हरित ऊर्जा संक्रमण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूपी बजट 2026-27 विधानसभा में पेश करने जाते मुख्यमंत्री योगी तथा वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष और एफपीओ को मजबूती

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के मद्देनजर सरकार ने किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए रिवॉल्विंग फंड योजना के अंतर्गत 150 करोड़ रुपये का कोष नाबार्ड की सहभागी संस्था 'नैब किसान' के साथ मिलकर स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसमें सरकार 75 करोड़ रुपये का अंशदान देगी। प्रत्येक पात्र एफपीओ को अधिकतम 50 लाख रुपये तक की ऋण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, यूपी एग्रीज के अंतर्गत प्रदेश में एग्री एक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिए 245 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना और किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत 38 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। साथ ही प्रदेश में 2 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त खाद्यान्न भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, बजट में स्वच्छताकर्मियों को बड़ा तोहफा देते हुए उनके अकाउंट में सीधे 16 से 20 हजार रुपये भेजने का भी प्राविधान किया गया है। इसके लिए सारी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। जल्द ही स्कीम का फायदा स्वच्छताकर्मियों को मिलेगा।

ऋण प्रबंधन में योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि

वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2016-17 में राज्य को 29 .3 प्रतिशत ऋण-जीएसडीपी की अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, जिसे 2019-20 तक घटाकर 27 .9 प्रतिशत कर दिया गया। हालांकि कोविड-19 महामारी के कारण यह अनुपात वर्ष 2021-22 में बढ़कर 33 .4 प्रतिशत हो गया था, लेकिन सुनियोजित राजकोषीय प्रबंधन के चलते वर्ष 2024-25 में इसे पुन: 27 प्रतिशत से नीचे लाया गया है। सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में ऋण-जीएसडीपी अनुपात को 23 .1 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य तय किया है। इतना ही नहीं, बजट के साथ प्रस्तुत मध्यकालीन राजकोषीय नीति में इसे चरणबद्ध रूप से 20 प्रतिशत से नीचे लाने का संकल्प भी दोहराया गया है। इसका उद्देश्य राज्य की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और सतत विकास सुनिश्चित करना है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर

यूपी बजट में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को उद्यमी बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से महिलाओं को आसान, ब्याज-मुक्त एवं चरणबद्ध पूंजी उपलब्ध कराकर 'लखपति दीदी' लक्ष्य को गति दी जाएगी। वहीं महिला उद्यमियों द्वारा उत्पादित सामान की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इस योजना के तहत रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट और बड़े बाजारों में महिलाओं द्वारा संचालित शोरूम व दुकानों की व्यवस्था की जाएगी, जिनका किराया शुरुआती तीन वर्षों तक राज्य सरकार वहन करेगी।

नई योजनाओं और सुदृढ़ वित्तीय संरचना की दिशा में बड़ा कदम

प्रदेश सरकार ने अपने बजट में 43,565 .33 करोड़ रुपये की नई योजनाओं को शामिल किया है, जिनका उद्देश्य अधोसंरचना विकास, सामाजिक क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण और उत्पादक निवेश को गति देना है। यह प्रावधान राज्य की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य की कुल प्राप्तियां 8,48,233 .18 करोड़ रुपये अनुमानित की गई हैं। इसमें से राजस्व प्राप्तियां 7,28,928 .12 करोड़ रुपये तथा पूंजीगत प्राप्तियां 1,19,305 .06 करोड़ रुपये निर्धारित हैं। राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का बड़ा हिस्सा 6,03,401 .76 करोड़ रुपये है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 3,34,491 करोड़ रुपये तथा केंद्रीय करों में राज्य का अंश 2,68,910 .76 करोड़ रुपये शामिल है। यह वित्तीय संरचना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि राज्य की आय में स्वयं के संसाधनों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है, जिससे राज्य आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर और सशक्त बनता जा रहा है।

विधान सभा में यूपी बजट 2026-27 की प्रस्तुति का दृश्य।

श्रमजीवी महिला छात्रावास के लिए 80 करोड़ रुपये का बजट

मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास योजना के अंतर्गत गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और लखनऊ में निर्माण कार्य चल रहा है। अन्य जनपदों (अयोध्या, बरेली, अलीगढ़, मिर्जापुर, सहारनपुर एवं मुरादाबाद) में विस्तार के लिए 80 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है। जनमानस के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एसजीपीजीआई में क्वाटर्नरी हेल्थ केयर सुविधा प्रारंभ करने के लिए 359 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही कैंसर मिशन के अंतर्गत हब एवं स्पोक मॉडल पर राज्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभागों तथा निजी क्षेत्र के समन्वय से कैंसर उपचार व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

यूपी बजट 2026-27 : चुनावी वर्ष में विकास का संतुलित संदेश

विशेष टिप्पणी

● राजेश श्रीनेत

उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले 9.12 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश कर सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह चुनावी माहौल में भी विकास के एजेंडे को केंद्र में रखना चाहती है। विधान सभा में पेश यह बजट आकार में पिछले साल से लगभग 12.2 प्रतिशत बड़ा है और पूंजीगत व्यय को 19.5 प्रतिशत तक बनाए रखते हुए दीर्घकालिक आधारभूत संरचना निर्माण पर जोर देता है। राजनीति के नजरिये से देखें तो यह केवल आय व्यय का ब्यौरा नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं और चुनावी रणनीति का संकेत भी है।

चुनावी वर्ष के बजट अक्सर तात्कालिक राहत और लोकलुभावन घोषणाओं के लिए जाने जाते हैं, किंतु इस बजट में राजकोषीय घाटे को तीन प्रतिशत की सीमा में रखने की प्रतिबद्धता वित्तीय अनुशासन का संदेश देती है। इससे लगता है कि सरकार विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखना चाहती है। निवेशकों के लिए यह संकेत महत्वपूर्ण है कि राज्य की वित्तीय सेहत नियंत्रित दायरे में है और बड़े बुनियादी प्रकल्पों के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में किए गए प्रावधान भी चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। चिकित्सा शिक्षा के लिए उल्लेखनीय आवंटन, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना और स्वास्थ्य बजट में वृद्धि ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का प्रयास है। यह उन मतदाताओं के लिए संदेश है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में सुधार की अपेक्षा रखते हैं। युवा मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एआई मिशन के लिए अलग से प्रावधान किए गए हैं। डिजिटल कौशल, स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देना यह दर्शाता है कि सरकार नई पीढ़ी को अवसरों से जोड़ना चाहती है। टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण जैसी योजनाएं राजनीतिक दृष्टि से भी संवाद का माध्यम बनती हैं। हालांकि, युवाओं की अपेक्षाएं अब केवल उपकरणों से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और स्थायी रोजगार के अवसरों पर केंद्रित हैं। इस दिशा में घोषित निवेश और संभावित रोजगार के आंकड़ों का धरातल पर क्रियान्वयन ही वास्तविक कसौटी होगा।

औद्योगिक विकास के क्षेत्र में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एमएसएमई प्रोत्साहन और निवेश नीति के लिए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार राज्य को विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहती है। बड़े निवेश के समझौते और संभावित रोजगार सृजन के अनुमान चुनावी विमर्श में विकास आधारित राजनीति को बल देते हैं। फिर भी यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इन परियोजनाओं का लाभ स्थानीय युवाओं और छोटे उद्यमियों तक कितनी तेजी से पहुंचता है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई विस्तार, फसल सघनता में वृद्धि और उत्पादन में बढ़ोतरी के आंकड़े ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती को रेखांकित करते हैं। ऊर्जा क्षेत्र में उत्पादन क्षमता में वृद्धि और सौर परियोजनाओं का विस्तार राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संकेत है।

हालांकि आलोचनात्मक दृष्टि से यह भी कहा जा सकता है कि चुनावी वर्ष में घोषित योजनाओं के क्रियान्वयन की गति और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देना होगा। बड़े बजट का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देगा जब योजनाएं समयबद्ध ढंग से पूरी हों और लाभ लक्षित वर्गों तक पहुंचे। समग्र रूप से देखें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकास, निवेश और वित्तीय अनुशासन के संतुलन का प्रयास है। इसमें चुनावी संदर्भ की झलक अवश्य है, परंतु अत्यधिक लोकलुभावन रुख से बचते हुए दीर्घकालिक दृष्टि को सामने रखा गया है। मतदाता इस बात का मूल्यांकन करेंगे कि घोषित योजनाएं जमीन पर कितनी प्रभावी सिद्ध होती हैं। फिलहाल यह बजट विकास और विश्वास के संदेश के साथ चुनावी वर्ष की राजनीतिक पृष्ठभूमि को आकार देता हुआ दिखाई देता है।

केंद्रीय करों के हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया : सीतारमण -12

भारत-अमेरिका समझौते में संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित : वाणिज्य सचिव -12

चीन ने कहा- आपसी मतभेदों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखे भारत -13

दक्षिण अफ्रीका की अफगानिस्तान पर दूसरे सुपर ओवर में रोमांचक जीत -14

आज का मौसम
27.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.48
सूर्यास्त 05.58

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी 12:22 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 12 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 173, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 5 रुपये

न्यूज ब्रीफ

उज्ज्वल निकम को नामित किए जाने पर याचिका दायर की

नई दिल्ली। कई हत्याओं के आरोपी गैंगस्टर विजय पलांडे ने बुधवार को अपने मामले में वकील उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नामित किए जाने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की। अपनी याचिका में पलांडे ने दलील दी कि राज्यसभा सदस्य के रूप में नामित होने के कारण निकम इस मामले में एसपीपी नहीं रह सकते, क्योंकि यह लाभ के पद पर आसीन होने के बराबर होगा। निकम ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उन्हें कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ से 16,000 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय सेना से मिजोरम की साझेदारी, स्थानीय स्तर पर बढ़ेगी भर्ती

आइजोल। मिजोरम युवा आयोग (एमवाईसी) ने भारतीय सशस्त्र बलों में राज्य के युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। एक अधिकारी ने बताया कि यहां एआरओ मुख्यालय में 'यंग मिजो एसोसिएशन' के अध्यक्ष मालसॉमजुआला राल्ते और एआरओ निदेशक कर्नल प्रकाश कुमार सिंह के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद इस सहयोग को अंतिम रूप दिया गया।

26 मामलों के आरोपी को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद हिरासत में लिया

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अमेरिका से प्रत्यर्पित कर लाये गये सोमबीर मोटा को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि सोमबीर के संबंध लॉरेंस बिश्नोई-काला जठेड़ी गिरोह से हैं और उसके खिलाफ 26 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, सोमबीर मोटा कुख्यात गैंगस्टर अनिल छुप्पी का भाई है और मुख्य रूप से हरियाणा के रोहतक, सोनीपत, झज्जर, बहादुरगढ़ और गुरुग्राम के अलावा दिल्ली एवं राजस्थान के कुछ हिस्सों में सक्रिय था।

योगी ने 10वीं बार बजट पेश करने वाले इकलौते मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड अपने नाम किया

प्रदेश का बजट-2026 पेश करने जाते मुख्यमंत्री योगी, साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

महाबजट @9.12 लाख करोड़

- विकास और वित्तीय अनुशासन का संतुलन निवेश, रोजगार और कल्याण पर फोकस
- उच्च शिक्षा की मेधावी बेटियों को मिलेगी स्कूटी सिंचाई, बीमा एवं मुफ्त बिजली पर भी जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकलुभावन घोषणाओं के महाबजट के साथ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी ने लगातार 10वीं बार बजट पेश कर इकलौते मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड भी अपने नाम कर लिए। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट का कुल आकार 9,12,696.35 करोड़ रुपये रखा गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। इसमें विकास और वित्तीय अनुशासन का संतुलन दिखा। 10 लाख युवाओं को रोजगार, लड़कियों की शादी के लिए एक लाख रुपये समेत मेधावी बेटियों को स्कूटी के एलान से युवा मतदाताओं और सिंचाई, बीमा व मुफ्त बिजली से किसानों को साधने की कोशिश हुई है।

योगी सरकार ने बुधवार को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अब तक का सबसे बड़ा 912696 करोड़ का बजट पेश किया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 13 प्रतिशत अधिक है। पूंजीगत व्यय 19.5 प्रतिशत रखा गया है, जिससे साफ है कि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर और दीर्घकालिक विकास पर बड़ा दांव खेल रही है। राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत की सीमा में रखने और ऋण-जीएसडीपी अनुपात 23.1 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य वित्तीय अनुशासन का संकेत देता है। शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, कौशल विकास और महिला सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट पेश भाषण में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, लड़कियों की शादी के लिए एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा भी की गई है। बजट में नौकरीपेशा, कामगार, व्यापारी-उद्यमी समेत सबके लिए राहत और तरक्की का पिटारा है। यह बजट चुनावी वर्ष से पहले सरकार का विकास और रोजगार केंद्रित रोडमैप माना जा रहा है, जिसमें निवेश और सामाजिक योजनाओं के संतुलन के जरिए व्यापक मतदाता वर्ग को साधने की कोशिश दिखती है। फोकस सेक्टर इंफ्रास्ट्रक्चर, सिंचाई, मेडिकल शिक्षा, एमएसएमई, ऊर्जा, डिजिटल एवं एआई मिशन है। इसका विकसित यूपी @-2047 से तालमेल है।

महिलाओं के लिए अलग प्रशिक्षण केंद्र

बजट भाषण में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार ने युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए मिशन मोड में कौशल संवर्धन अभियान चलाने की घोषणा की है। पीपीपी मोड में कौशल संवर्धन और जॉब प्लेसमेंट केंद्र विभिन्न जनपदों में स्थापित किए जाएंगे। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अलग प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाएंगे। कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता बढ़ाई जाएगी और नए केंद्र खोले जाएंगे। निजी क्षेत्र की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि जिस व्यक्ति के पास कौशल है, वह कभी बेरोजगार नहीं रह सकता। इसलिए युवाओं को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एग्री-एक्सपोर्ट हब किए जाएंगे स्थापित

बजट में डिजिटल इंटरप्रेन्योरशिप योजना लागू करने की घोषणा की गई है। खन्ना कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अगले चरण में जनविश्वास सिद्धांत के आधार पर पंजीकरण और लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को और सरल बनाया जाएगा। विश्व बैंक सहायतित यूपी एग्रीज परियोजना के अंतर्गत एग्री-एक्सपोर्ट हब स्थापित किए जाएंगे। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग 29वें स्थान से सुधरकर 18वें स्थान पर पहुंच चुकी है। फरवरी 2024 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए, जिनसे 10 लाख रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 16 हजार से अधिक परियोजनाओं के ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह हो चुके हैं।

कनाडा में स्कूल में गोलीबारी, 10 की गई जान

वैंकूवर, एजेंसी

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल और एक मकान में हुई गोलीबारी की घटना में हमलावर सहित 10 लोगों की मौत हो गई। कनाडाई प्राधिकारियों ने बताया कि 25 से अधिक लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। लगभग 2,400 लोगों की आबादी वाला टंबलर रिज शहर वैंकूवर से 1,000 किलोमीटर उत्तर में अल्बर्टा की सीमा के पास स्थित है।

प्रांतीय सरकार की वेबसाइट के अनुसार, टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल में सातवीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के 175 छात्र पढ़ते हैं। अधीक्षक केन फ्लॉयड ने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमलावर की पहचान कर ली है, लेकिन उसका नाम जारी नहीं किया। न ही यह स्पष्ट है कि आरोपी ने इस घटना को अंजाम क्यों दिया। फ्लॉयड ने कहा, हम अभी इस बात को समझने की स्थिति में नहीं हैं कि इस त्रासदी का कारण क्या था। उन्होंने ने कहा कि पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि पीड़ितों व आरोपी के बीच क्या संबंध थे। तलाशी के दौरान अधिकारियों को कई पीड़ित मिले।

- ब्रिटिश कोलंबिया में वारदात, 25 से अधिक लोग घायल, दो गंभीर

संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया

संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया, जिसके शरीर पर खुद को चोट पहुंचाने के निशान दिखायी दे रहे थे। बयान में कहा गया है, संदिग्ध को छोड़कर छह अन्य व्यक्तियों को स्कूल के भीतर मृत पाया गया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया है। तीसरे व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गयी। पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने मंगलवार को कहा कि सेकेंडरी स्कूल और टंबलर रिज एलिमेंटरी स्कूल दोनों में 'लॉकडाउन' लागू किया गया है यानी किसी को अंदर जाने या बाहर निकलने की अनुमति नहीं है।

राहुल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में एक मंत्री के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए हैं इसलिए सरकार ने उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने का फैसला किया है। रीजीजू ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी का भाषण झूठ से भरा था और सत्तारूढ़ गठबंधन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा किये गए झूठे दावों को सदन की कार्यवाही से हटाए जाने का अनुरोध करेगा।

केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान राहुल के भाषण के तुरंत बाद, रीजीजू ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य आसन को एक नोटिस देंगे, जिसमें नेता प्रतिपक्ष द्वारा बोले गए किसी भी कथन के प्रमाणीकरण की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने जो भी झूठ बोला है, हम उसे रिकॉर्ड से हटाए जाने की मांग करेंगे। हालांकि, राहुल गांधी ने अपने बयानों को प्रमाणित करने का वादा किया है, लेकिन मंत्री ने कहा, मुझे पता है कि वह उन्हें प्रमाणित नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने सदन में झूठ बोला है। रीजीजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अक्सर जानबूझकर झूठ बोलते हैं और फिर संबंधित मंत्री का जवाब सुनने के बजाय सदन छोड़कर चले जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के पास लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पद के योग्य गंभीर स्वभाव वाला कोई व्यक्ति नहीं है। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी का रुख यह है कि हम राहुल गांधी के झूठ का जवाब सदन के बाहर देंगे, लेकिन सदन के अंदर नोटिस जारी किया जाएगा। रीजीजू ने कहा कि राहुल गांधी ने बिना नोटिस दिये पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर एक गंभीर आरोप लगाया है, जो विशेषाधिकार हनन है।

उन्होंने कहा, हम आसन को आवश्यक सूचना देंगे। नेता प्रतिपक्ष ने बजट पर चर्चा में कोई उपयोगी और ठोस योगदान नहीं दिया, बल्कि केवल कुछ बेबुनियाद आरोप लगाए। संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को उस समय सदन में उपस्थित रहने के लिए कहा है, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पर चर्चा का जवाब देंगी। उन्होंने कहा, भाषण देने के बाद वह (राहुल) तुरंत सदन से बाहर चले गए, जबकि नियम यह है कि एक बार कोई सदस्य अपना भाषण दे दे, तो वह तुरंत सदन नहीं छोड़ सकता।

- राहुल गांधी के झूठे बयानों को सदन की कार्यवाही से हटाने का अनुरोध करेंगे : रीजीजू

विपक्ष के नोटिस में कमियां पाई गईं

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी विपक्ष के नोटिस में कमियां पाई गईं थी, जिसके बाद खुद बिरला ने इसमें सुधार करवा के कार्यवाही करने का निर्देश अपने सचिवालय को दिया। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि नोटिस में कुछ घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए चार जगहों पर वर्ष 2026 के बजाय 2025 लिखा गया था और इस आधार पर नोटिस को खारिज भी किया जा सकता था। सूत्रों ने बताया, विपक्षी सांसदों द्वारा मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के लिए दिए गए नोटिस में कमियां पाई गईं। घटनाओं का उल्लेख करते हुए चार बार फरवरी, 2025 लिखा गया है जिसके आधार पर नियमानुसार नोटिस को खारिज किया जा सकता था।

रामपुर सीआरपीएफ शिविर पर आतंकी हमला मामले में सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें 2007 के रामपुर सीआरपीएफ शिविर आतंकी हमले के मामले में चार आरोपियों को दी गई मौत की सजा और एक अन्य को दी गई आजीवन कारावास की सजा निरस्त कर दी गई थी। रामपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर 31 दिसंबर 2007 की रात को हुए हमले में सीआरपीएफ के आठ जवान मारे गए थे और पांच घायल हो गए थे।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार की याचिका पर आरोपियों को नोटिस जारी किये और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की। पांचों आरोपियों की ओर से अधिवक्ता एम एस खान पेश हुए। राज्य सरकार ने पिछले साल 29 अक्टूबर को उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें इस मामले में चार लोगों को मृत्युदंड और एक अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय ने मोहम्मद शरीफ, सबाउद्दीन, इमरान शहजाद, मोहम्मद फारूक और जंग बहादुर खान को हत्या एवं अन्य गंभीर आरोपों से यह कहकर बरी कर दिया था कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मुख्य अपराध के मामले को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। हालांकि, इसने जंग बहादुर खान समेत पांचों को शस्त्र अधिनियम की धारा 25 (1-ए) के तहत दोषी पाया और उन्हें 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। जंग बहादुर खान को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय ने कहा था, मामले का निस्तारण करने से पहले, हम निश्चित रूप से यह उल्लेख करना चाहेंगे कि यदि जांच और अभियोजन अधिक प्रशिक्षित पुलिस द्वारा किया गया होता तो इस मामले का परिणाम अलग होता।

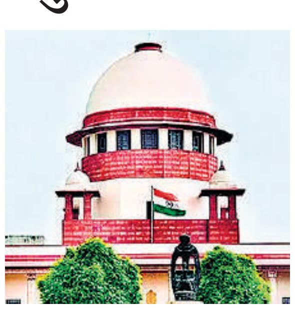
- उत्तर प्रदेश सरकार की हाईकोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई को हुई सहमत
- 2007 के आतंकी हमले में चार आरोपियों को दी गई मौत की सजा कर दी गई थी निरस्त

समुद्र में क्रैश लैंडिंग

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में समुद्र में एक यात्री विमान की क्रैश लैंडिंग होने से हड़कंप मच गया है। एडेन अब्दुले हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद विमान में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण पायलट को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी।

नरवणे की किताब पर जांच में शामिल होने के लिए पेंगुइन को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया को नोटिस जारी कर पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक को सोशल मीडिया पर उपलब्ध कराने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। यह नोटिस ऐसे समय में जारी किया गया जब पुस्तक की स्थिति और अनधिकृत संस्करणों के कथित अवैध प्रसार के विरोध में दावे किए जा रहे हैं जिससे प्रकाशक, पूर्व सेना प्रमुख और वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियां एक व्यापक सार्वजनिक विवाद में शामिल हो गई हैं। पुलिस के अनुसार, विशेष प्रकोष्ठ ने नोटिस के माध्यम से प्रकाशक से औपचारिक रूप से संपर्क कर कई सवाल पूछे हैं।

निर्देश | गृह मंत्रालय ने पहली बार राष्ट्रगीत गायन को लेकर प्रोटोकॉल तय किए

राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रगीत के सभी छह छंद गाना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि जब भी राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' एक साथ गाए या बजाए जाएं तो बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए राष्ट्रगीत के सभी छह छंद पहले गाए जाएं। आदेश में मंत्रालय ने पहली बार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के गायन को लेकर प्रोटोकॉल तय किए हैं।

जिसके तहत राष्ट्रपति के आगमन, तिरंगा फहराए जाने और राज्यपालों के भाषण जैसे आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के सभी छह छंद (कुल अवधि तीन मिनट 10 सेकंड) गाए जाएंगे। यह आदेश 28 जनवरी को जारी किया गया। आदेश में कहा गया, जब भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान गाए या बजाए जाएं, तो राष्ट्रगीत पहले गाया या बजाया जाएगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जहां राष्ट्रगीत गाया जाएगा, वहां उपस्थित सभी लोगों को सावधान की मुद्रा में खड़ा होना होगा। इसमें कहा गया, जब भी राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण गाया या बजाया जाए, तो वहां मौजूद सभी लोगों को सावधान मुद्रा में खड़ा होना होगा लेकिन अगर किसी समाचार रील या वृत्तचित्र के दौरान राष्ट्रगीत फिल्म के हिस्से के रूप में बजाया जाए, तो दर्शकों से खड़े होने की अपेक्षा नहीं है क्योंकि इससे फिल्म दिखाने में रुकावट आएगी और सम्मान के बजाय अव्यवस्था एवं भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। मंत्रालय ने कहा कि विद्यालयों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से की जानी चाहिए। केंद्र सरकार 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

- जब भी राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान गाया या बजाया जाएं तो राष्ट्रगीत पहले हो

छात्रों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के निर्देश

आदेश के अनुसार, राष्ट्रध्वज फहराने, सांस्कृतिक एवं औपचारिक कार्यक्रमों (परेड को छोड़कर), तथा किसी सरकारी या सार्वजनिक समारोह में राष्ट्रपति के आगमन जैसे अवसरों पर राष्ट्रगीत का आधिकारिक संस्करण सामूहिक गायन के साथ गाया या बजाया जाएगा। राष्ट्रगीत ऐसे अवसरों पर भी गाया जा सकता है, जो भले ही पूरी तरह औपचारिक समारोह न हों, लेकिन मंत्रियों आदि की मौजूदगी के कारण महत्वपूर्ण हों। ऐसे मौकों पर (वाद्य यंत्रों के साथ या बिना) राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन वांछनीय है। यह भी कहा कि उन सभी अवसरों की पूरी सूची देना संभव नहीं है, जहां राष्ट्रगीत का गायन किया जा सकता है लेकिन यदि मातृभूमि को सम्मान देने और उचित मर्यादा बनाए रखने के साथ राष्ट्रगीत गाया जाता है, तो इस पर कोई आपत्ति नहीं है। आदेश में विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे छात्रों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करें।

यूपी बजट 2026-27

दुग्ध विकास को बढ़ावा

- मथुरा में 30 हजार लीटर क्षमता की प्रस्तावित परियोजना को संशोधित कर 1 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता का नया डेयरी प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसके लिए 23 करोड़ का प्रावधान है। 220 नई दुग्ध समितियों के गठन और 450 के पुनर्गठन के लिए 107 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

पशुधन संरक्षण

- प्रदेश के 7,497 गो-आश्रय स्थलों में 12.38 लाख गोवंश संरक्षित हैं। छुट्टा गोवंश के रखरखाव के लिए 2,000 करोड़ तथा वृहद गो-संरक्षण केंद्रों के लिए 100 करोड़ प्रस्तावित हैं। पशु रोग नियंत्रण हेतु 253 करोड़ और पशु चिकित्सालय सुदृढ़ीकरण के लिए 155 करोड़ रखे गए हैं।

मत्स्य क्षेत्र में विस्तार

- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 195 करोड़ (पुरुष घटक) और 115 करोड़ (महिला घटक) का प्रावधान है। एकीकृत एक्वा पार्क हेतु 190 करोड़ तथा अत्याधुनिक मत्स्य थोक बाजार व प्रसंस्करण केंद्र के लिए 100 करोड़ प्रस्तावित हैं।

खाद्य एवं रसद

- खाद्य एवं रसद विभाग की योजनाओं के लिए 20,124 करोड़ का प्रावधान है। अन्नपूर्ति योजना हेतु 15,480 करोड़, नि:शुल्क एलपीजी रिफिलिंग योजना के लिए 1,500 करोड़ और अन्नपूर्णा भवन निर्माण के लिए 500 करोड़ रखे गए हैं।

उद्यान व खाद्य प्रसंस्करण

- उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए 2,832 करोड़ का प्रावधान है। राष्ट्रीय औद्यानिक मिशन के लिए 715 करोड़, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना हेतु 478 करोड़ और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2022 के क्रियान्वयन के लिए 300 करोड़ रखे गए हैं।

प्रमुख प्रावधान

2,400 करोड़ रुपये निजी नलकूपों को निर्बाध बिजली के लिए

2,832 करोड़ रुपये उद्यान व खाद्य प्रसंस्करण के लिए

100 करोड़ रुपये मत्स्य थोक बाजार/एक्वा पार्क/प्रसंस्करण के लिए

2,000 छुट्टा गोवंश रखरखाव के लिए || **20,124** करोड़ रुपये खाद्य एवं रसद योजनाओं के लिए

किसानों पर मेहरबानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि कृषि, मत्स्य, उद्यान, दुग्ध विकास, खाद्य-रसद पर खास फोकस है।

बजट में कृषि योजनाओं के लिए 10,888 करोड़ रुपय का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20% अधिक है। सरकार ने 2026-27 में 753.55 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न और 48.18 लाख मीट्रिक टन तिलहन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कृषकों के डीजल पंप सेट को सोलर पम्प में परिवर्तित करने के लिए 637.84 करोड़ रुपये खर्च करने का एलान किया गया।

637.84 करोड़ रुपये कृषकों के डीजल पंप सेट को सोलर पम्प में परिवर्तित करने के लिए

डीजल पंप से सोलर की ओर

- किसानों के डीजल पंप सेट को सोलर पंप में बदलने के लिए 637.84 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के लिए 298 करोड़ रखे गए हैं। निजी नलकूपों को निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु 2,400 करोड़ प्रस्तावित हैं।

एग्री-एक्सपोर्ट और यूपी एग्रीज

- यूपी एग्रीज परियोजना के तहत एग्री-एक्सपोर्ट हब की स्थापना के लिए 245 करोड़ तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए 75 करोड़ का रिवॉल्विंग फंड प्रस्तावित है। एक्वा कल्चर अवसंरचना के अंतर्गत विश्वस्तरीय हैचरी व प्रशिक्षण केंद्र के लिए 155 करोड़ की बाह्य सहायता परियोजना भी शामिल है।

51.82 लाख परिवारों को 100 दिन काम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : निवर्तमान योजना महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने गांवों में जरूरतमंद श्रमिकों को रोजगार देने के साथ उनका शहर की तरफ पलायन रोका है। प्रतिवर्ष महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। लखनऊ की बात करें तो मनरेगा का दायरा छोटा है। फिर भी इस वर्ष 11 फरवरी तक 16 हजार परिवारों ने काम करके 6.15 लाख मानव दिवस सृजित किए हैं। 370 परिवार ने गारंटी के 100 दिन काम किए हैं।

वहीं, प्रदेश के आंकड़ों पर गौर करें तो वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11 फरवरी तक प्रदेश में 21 करोड़ 92 लाख 17 हजार मानव दिवस सृजित हुए हैं। इनमें 51.82 लाख परिवार ने काम किया है। 1,60,152 परिवार को लगातार 100 दिन तक काम मिला है। इसमें महिलाओं की 41.31 फीसद भागीदारी है। अभी फरवरी और मार्च तक रोजगार का आंकड़ा और बढ़ेगा। पिछले वर्ष 2024-25 में मार्च तक 33 करोड़ 63 लाख 89 हजार मानव दिवस सृजित हुए थे, जबकि 65.26 लाख परिवारों ने काम किया था। उस समय महिलाओं की 41.87 फीसद भागीदारी रही है। जबकि 100 दिन गांरटी के 65.26 लाख परिवार ने काम किया था। अब वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना विकसित भारत - जी राम जी ने नाम से संचालित होकर श्रमिकों को और सशक्त बनाएगी। इसमें पहले से अधिक बजट और 125 दिन काम के साथ कई प्राविधान किए गए हैं।

41.36 फीसद महिला श्रमिकों की रही भागीदारी वित्तीय वर्ष में

21.92 लाख मानव दिवस हुए सृजित प्रदेश में 11 फरवरी तक

यूं बढ़ीं महिला श्रमिक

2021	2022	30.96
2022	2023	31.75
2023	2024	42.46

- गांव में काम मांगने पर मिला है। भुगतान भी समय से खाते में आता है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भरोसा भी बढ़ा है। जी राम जी में अधिक फायदा है।

  – **सुरेश चंद्र**, श्रमिक, टिकारी बीकेटी

- मनरेगा में काम मिलने पर गांव के बाहर नहीं गए। इसके साथ खेतीबाड़ी भी करते हैं। सही से भरण-पोषण हो जाता है। आगे और अधिक फायदे मिलेंगे।

  – **प्रेमलाल**, श्रमिक, रामपुर देवरई बीकेटी

महिलाओं को सस्ती दर पर ऋण, आवास के साथ सामाजिक सुरक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में महिला सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के बजट में 11 प्रतिशत वृद्धि करते हुए कुल 18,620 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। सरकार का लक्ष्य महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और वित्तीय भागीदारी को नई ऊंचाई देना है।

सरकार ने महिलाओं को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा की है, ताकि वे स्वरोजगार और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों को प्राथमिकता दी जाएगी। बजट में सफाई कर्मियों और निर्माण श्रमिकों को आवास उपलब्ध कराने की पहल भी शामिल है। इससे शहरी क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिक महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास सुविधा मिलेगी। बजट 2026-27 में महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं का विस्तार करते हुए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा के दायरे को व्यापक बनाने की स्पष्ट रणनीति पेश की है। यह बजट महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ा

- निराश्रित महिला पेंशन योजना के लिए 3,500 करोड़ का प्रावधान।
- 2016-17 में लाभार्थी : 17.32 लाख
- 2025-26 में लाभार्थी : 38.58 लाख से अधिक
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए 400 करोड़ की व्यवस्था।
- कामकाजी महिलाओं के छात्रावास निर्माण हेतु 100 करोड़।
- मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास निर्माण योजना के लिए 35 करोड़।

बच्चों के संरक्षण और पोषण पर जोर

- उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लिए 252 करोड़।
- मुख्यमंत्री बाल आश्रय योजना के तहत भवन निर्माण हेतु 80 करोड़।
- अनुपूरक पुष्टाहार कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 1.57 करोड़ लाभार्थियों को पोषण सहायता।

तकनीकी महाशक्ति की दिशा में कदम

वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में उत्तर प्रदेश सरकार ने आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को विकास की नई धुरी बनाया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इस सेक्टर के लिए 2,059 करोड़ का प्रावधान किया है, जो वर्ष 2025-26 की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक है। बजट में एआई मिशन के लिए 225 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

30,000 करोड़ निवेश का लक्ष्य डाटा सेंटर में

30,000 करोड़ के अनुमानित निवेश से 8 डाटा सेंटर पार्क स्थापित करने और 900 मेगावाट क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 8 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं, जिनमें 6 डाटा सेंटर पार्क और 2 डाटा सेंटर इकाइयां शामिल हैं। इनसे लगभग 21,342 करोड़ का निवेश और 644 मेगावाट क्षमता अर्जित की जा चुकी है।

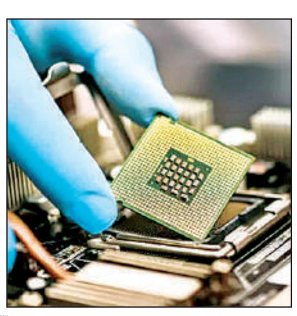

साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता

साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र की स्थापना को 95.16 करोड़ का दिए गए हैं। पहले से संचालित 'एआई प्रज्ञा' कार्यक्रम के तहत माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, इंटेल, आईबीएम और वन एम वन बी जैसी कंपनियों के सहयोग से किसानों, स्वयं सहायता समूहों, विद्यार्थियों, चिकित्सकों और सरकारी कर्मियो को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में अग्रणी

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है। देश के कुल मोबाइल उत्पादन का 65 प्रतिशत उत्पादन प्रदेश में होता है। भारत की 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयां भी यहीं स्थित हैं। प्रदेश का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बढ़कर 44,744 करोड़ तक पहुंच गया है।

बढ़ेगी शिक्षा की गुणवत्ता

अमृत विचार, लखनऊ : वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योगी सरकार ने शिक्षा को विकास की केंद्रीय धुरी बनाते हुए व्यापक प्रावधान किए हैं।

बेसिक से लेकर उच्च, प्राविधिक और कौशल विकास तक हर स्तर पर उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर प्रदेश को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। शिक्षा, कौशल और तकनीकी प्रशिक्षण पर अभूतपूर्व निवेश कर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि नया उत्तर प्रदेश ज्ञान, नवाचार और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के मजबूत आधार पर ही निर्मित होगा।

- **बजट 2026-27 में ज्ञान और कौशल पर सबसे बड़ा निवेश**

पढ़ाएंगे और बढ़ाएंगे

बेसिक शिक्षा

- बेसिक शिक्षा के लिए 77,622 करोड़ का प्रावधान किया गया है।
  कक्षा 1–8 के विद्यार्थियों को नि:शुल्क यूनिफॉर्म, बैग, जूते, मोजे व स्टेशनरी हेतु 650 करोड़।
- 75 जनपदों में 2-2 मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय।
  आवासीय बालिका विद्यालय विस्तार के लिए 580 करोड़।
- कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा : 358 करोड़।
  स्मार्ट स्कूल योजना : 300 करोड़।
- सहायता प्राप्त विद्यालयों के अनुरक्षण हेतु 300 करोड़।

उच्च शिक्षा

- उच्च शिक्षा के लिए 6,591 करोड़ (7% वृद्धि)।
- रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना : 400 करोड़
- मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन : 40 करोड़

नए विश्वविद्यालयों हेतु आवंटन

- मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर– 50 करोड़
- गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद– 50 करोड़
- मां पटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर– 50 करोड़
- स्वामी शुकदेवानन्द विश्वविद्यालय शाहजहांपुर– 21 करोड़
- काशी नरेश विवि भदोही – 21 करोड़
- मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण : 14.5 करोड़।
- एआई प्रमाणन शुल्क प्रतिपूर्ति :10 करोड़
- मुख्यमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना : 30 करोड़

माध्यमिक शिक्षा

- माध्यमिक शिक्षा के लिए 22,167 करोड़ (15% वृद्धि)।
- राजकीय विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु 520 करोड़।
- सहायता प्राप्त विद्यालयों के लिए 10 करोड़।
- संस्कृत पाठशालाओं की छात्रवृत्ति : 20 करोड़।
- ड्रीम स्किल लैब क्लस्टर : 150 करोड़।
- शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा : 89.25 करोड़।
- छात्राओं हेतु नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन : 300 करोड़।
- गोरखपुर में दूसरे सैनिक स्कूल का संचालन आरंभ।

व्यावसायिक शिक्षा

- व्यावसायिक शिक्षा बजट में 88% वृद्धि, कुल 3,349 करोड़। शिक्षा बजट में 72% वृद्धि, कुल 2,365 करोड़।
- 286 राजकीय आईटीआई 1.90 लाख सीटें।
- 2,963 निजी आईटीआई 4.58 लाख सीटें।
- 47 आईटीआई में महिला शाखाएं 12 महिला आईटीआई स्वतंत्र।
- टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से 149 आईटीआई उन्नत 62 और प्रगति पर।
- कौशल विकास मिशन प्रशिक्षण व्यय : 1,000 करोड़।
- दस्तकार प्रशिक्षण योजना : 836 करोड़
- प्रोजेक्ट प्रवीण : 500 करोड़।
- मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रशिक्षण : 20 करोड़

प्राविधिक शिक्षा

- प्राविधिक शिक्षा बजट में 72% वृद्धि, कुल 2,365 करोड़।
- 195 डिप्लोमा संस्थान संचालित
- 23 नए पॉलिटेक्निक निर्माणाधीन।
- उत्कृष्टता केंद्र व उन्नयन : 714 करोड़।
- स्मार्ट कक्षाएं (251 स्थापित, 143 प्रक्रियाधीन)।
- अवसंरचना विकास : 254 करोड़।
  नए पॉलिटेक्निक : 50 करोड़।

हरियाली पर जोर

सामाजिक वानिकी व रोपण

- सामाजिक वानिकी योजना : 800 करोड़
- पौधशाला प्रबंधन योजना : 220 करोड़
- राज्य प्रतिकारात्मक वन रोपण योजना : 189 करोड़

रानीपुर बांध फाउंडेशन

- रानीपुर बांध से जुड़े रानीपुर बांध फाउंडेशन, चित्रकूट के कॉर्पस फंड गठन के लिए 50 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

स्वच्छ वायु

- उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट (2025-26 से 2030-31) : 194 करोड़
- यह विश्व बैंक सहायतित बहु-क्षेत्रीय योजना है।

अपशिष्ट निस्तारण

- सामूहिक जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण सुविधा
- ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग एवं उपचार सुविधा की स्थापना की कार्यवाही

प्रतिक्रियाएं | विशेषज्ञ बोले- डिजिटल कक्षाएं, आवासीय व्यवस्था और कैशलेस चिकित्सा से प्राथमिक शिक्षा का होगा कायाकल्प

ज्ञान, विज्ञान और नवाचार को मिलेगी उड़ान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश का बजट 2026-27 में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के बजट में पिछले वर्षो की तुलना में बढोत्तरी की गई है, जिसका शिक्षाविदों और अर्थशास्त्र के जानकारों ने स्वागत किया है। बजट में प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष फोकस किया गया है।

बजट प्रस्तावों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा के ढांचे में व्यापक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी के साथ प्राविधिक और औद्योगिक शिक्षा में सरकार के नए प्रयोग, नवाचार और इंडिया एआई मिशन युवाओं को समर्पित है।

अर्थव्यवस्था को गति देगा यह बजट

- बजट राज्य की अर्थव्यवस्था को गति को देने वाला विकासोन्मुखी बजट है। युवाओं के कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण योजनाओं, एवं प्रोत्साहन योजनाओं से उनकी सामाजिक आर्थिक भागीदारी मजबूत होगी, जिससे निसंदेह कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी। साथ ही कार्यरत महिलाओं के लिए हॉस्टल सुविधाएं महिला सुरक्षा की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम हैं। पूंजीगत व्यय में वृद्धि से निवेश बढ़ेगा, जो रोजगार सृजन में सहायक होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति की नई योजना एक अच्छी पहल है जिससे ड्राप आउट रेट भी कम होगा।

  -प्रो. पूनम वर्मा, अर्थशास्त्र विभाग, नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय

'सप्लाई-साइड इकोनॉमिक्स' की ओर झुकाव

- बजट केवल व्यय का ब्योरा मात्र नहीं है, बल्कि 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक 'मैक्रो-इकोनॉमिक रोडमैप' है। यह बजट स्पष्ट रूप से 'सप्लाई-साइड इकोनॉमिक्स' की ओर झुकाव दर्शाता है, जहां सरकार का प्राथमिक दर्शन 'इंफ्रास्ट्रक्चर से एम्प्लॉयमेंट' के बहुआयामी प्रभाव पर आधारित है। पूंजीगत व्यय और ढांचागत प्रोत्साहन बजट का लगभग 19.5% हिस्सा आवंटित करना एक साहसिक आर्थिक निर्णय है। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयों में 55% की राष्ट्रीय हिस्सेदारी एक रणनीतिक कदम है। बजट में कौशल विकास के लिए पीपीपी मॉडल का प्रस्ताव 'ह्यूमन कैपिटल फॉर्मेशन' की आवश्यकता को रेखांकित करता है। औद्योगिक इकाइयों में महिलाओं की भागीदारी प्रगतिशील पहल है।

  -डॉ. अनामिका चौधरी, अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

संतुलित और स्वागत योग्य बजट

- प्रस्तुत बजट आम लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप है। शिक्षा के प्रत्येक मद में वृद्धि की गई है। इससे उत्तरप्रदेश का युवा अधिक ज्ञान और कौशल सम्पन्न होगा जिससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ वह सम्मन्न भी होगा। महिलाओं के कौशल विकास केंद्रों को विकसित करना आगामी चुनाव को देखते हुए घोषणा है। यह बजट सभी क्षेत्र की जरुरतों को पूरा करने वाला संतुलित बजट है।

  -डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ

विकसित उत्तर प्रदेश का बजट है यह

- पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में यह लगभग 12.9 प्रतिशत अधिक है। यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए 'विकसित उत्तर प्रदेश' पर फोकस करता है। बजट में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सीएम युवा उद्यमी योजना हेतु 1000 करोड़ रूपये की धनराशि आवंटित की गई है। साथ ही 40 लाख युवाओं को टैबलेट बांटने का भी प्रावधान है। जिसके लिए 575 करोड़ रूपये आवंटित किए गए हैं। रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ओडीओसी (एक जिला एक व्यंजन) योजना लागू की गई है। राजकोषीय-जीएसडीपी अनुपात को अनुकूलतम 3 प्रतिशत पर रखा गया है।

  -प्रो. भारती पाण्डेय, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, श्रीजयनारायण पीजी कॉलेज

धुआं न शोर, इको फ्रेंडली ई-बसें बढ़ाने पर जोर

पर्यावरण की 'मित्र' इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी, बस स्टेशनों पर बनेंगे चार्जिंग प्वाइंट

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: न धुआं होगा और न ही शोर, इको फ्रेंडली ई-बसों के बढ़ाने पर इस बार सरकार का जोर। प्रदेश सरकार ने प्रदूषण पर गंभीर पहल करते हुए पर्यावरण के 'मित्र' इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार को और बढ़ाने का अपना विजन साफ कर दिया है। बजट में तात्कालिक लाभ से इतर दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम को 550 करोड़ का बजट आवंटित कर दिया है। इससे न केवल इलेक्ट्रिक बसों का कुनबा बढ़ेगा, बल्कि उनके करंट का भी ठोस इंतजाम करने पर अपनी मुहर लगा दी है। ई-बसों और ई-वाहनों को भविष्य मानते हुए सरकार न केवल गाड़ी के पंजीकरण में छूट बल्कि क्रय सब्सिडी तक में रियायत दे रही है। इसकी समय सीमा तक बढ़ा दी गई है। और तो और प्रदेश में ई-वाहनों की निर्माता कंपनियों के लिए भी विशेष तरह के छूट के पैकेज जारी किए जा चुके हैं।

400 करोड़ से खरीदी जाएंगी ई-बस

परिवहन निगम के बेड़े के सुदृढ़ीकरण के लिए बजट में 400 करोड़ रुपये मिले हैं। इस आवंटित धनराशि से इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की जाएगी। इसका प्रयोग अन्यत्र नहीं किया जा सकेगा। सिर्फ ई-बसें की कुनबे में शामिल की जाएंगी।

रोडवेज बेड़े में अभी 220 ई-बसें

परिवहन निगम के पास अब तक 220 ई-बसें आ गई हैं। यह बसें करीब 9 स्थानों पर चल रही हैं। इनमें प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, बाराबंकी, गोरखपुर, आगरा, मुरादाबाद, साहिबाबाद, नोएडा आदि शहरों में चल रही हैं। नई मिली धनराशि से ई-बसों की फ्लीट मजबूत और बड़ी होगी।

बस स्टेशनों पर 150 करोड़ से बनेंगे चार्जिंग स्टेशन

बजटीय प्रावधान में इन बसों के ईंधन यानी ई-करंट की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया है। बस स्टेशन निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इनसे रोडवेज प्रबंधन बस अड्डों पर ई-चार्जिंग स्टेशन की स्थापना करेगा। यही नहीं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनमें से 50 करोड़ का आवंटन जीरो फैटलिटी के लिए उपलब्ध कराया गया है। "मुख्यमंत्री सड़क सुरक्षा विजन योजना" के अंतर्गत दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं दुर्घटना के पश्चात त्वरित कार्रवाई के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रदेश बजट में परिवहन विभाग के प्रावधानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित, आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार जताया है।

-दयाशंकर सिंह, परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

बजट में नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने, बस अड्डों के निर्माण एवं चार्जिंग स्टेशन की स्थापना के लिए दिए गए 600 करोड़ के लिए संगठन राज्य सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करता है। इलेक्ट्रिक बसें बढ़ने से परिवहन निगम की रफ्तार और तेज होगी। संगठन का कहना है कि परिवहन निगम में दशकों से कार्यरत संविदा चालकों-परिचालकों व आउटसोर्स कर्मियों के चरणबद्ध नियमितीकरण पर भी निर्णय कराने की कृपा करें। **-गिरीश चंद्र मिश्र, महामंत्री रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद, उप्र.**

महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड से आधी आबादी को संबल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट 2026-27 की प्रमुख उपलब्धियां बताते हुए कहा कि यह बजट महिलाओं, युवाओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, पर्यटन और दिव्यांगजन कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में मजबूत कदम है। मुख्यमंत्री ने बताया कि महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से महिलाओं को ब्याज-मुक्त पूंजी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे छोटे उद्यम शुरू कर सकें। इसके साथ ही महिला उद्यमी उत्पाद विपणन योजना लागू की जाएगी, जो केंद्रीय स्तर की सी-मार्ट अवधारणा की तर्ज पर कार्य करेगी। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमियों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना है। प्रत्येक जिले में श्रमजीवी महिला छात्रावास के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है, जिससे कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास मिल सके।

दिव्यांग छात्राओं के लिए ई-ट्राइसाइकिल, डीडीआरसी केंद्र, कृत्रिम अंग वितरण केंद्र तथा 3-7 वर्ष के दिव्यांग बच्चों के लिए डे-केयर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, झांसी, मेरठ और आगरा में विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित होंगे।

पीपीपी मॉडल पर 1 लाख अतिरिक्त होटल कक्ष

- प्रदेश में 2024-25 में 122 करोड़ पर्यटकों के आगमन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने पीपीपी मॉडल पर 1 लाख अतिरिक्त होटल कक्ष और 50,000 होम-स्टे विकसित करने की घोषणा की। महिला गाइडों के लिए लाइसेंस शुल्क माफ किया जाएगा।

खेल के लिए ऐतिहासिक पहल

- "वन डिस्ट्रिक्ट, वन कमिश्नरी, वन डिविजनल मुख्यालय, वन स्पोर्ट्स कॉलेज" की परिकल्पना के तहत 18 मंडल मुख्यालयों पर स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। स्पोर्ट्स कालेज मेरठ अप्रैल-मई तक पूर्ण रूप से संचालित होगी। इन कॉलेजों को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक की तैयारी के दृष्टिकोण से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

श्रमिकों की उन्नति पर जोर

रोजगार मिशन को 200 करोड़ का प्रावधान

- अमृत विचार, लखनऊ: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योगी सरकार ने श्रमिकों और असंगठित कामगारों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सदन में बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन समिति के गठन और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के श्रमिकों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। बजट 2026-27 में रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से श्रमिक परिवारों को सशक्त बनाने का स्पष्ट रोडमैप दिखाई देता है, जो प्रदेश में श्रम आधारित विकास मॉडल को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक कदम है। सरकार ने घर से दूर शहरों में कार्यरत मजदूरों के लिए लेबर अड्डों के निर्माण की घोषणा की है, ताकि उन्हें सुरक्षित, संगठित और सुविधायुक्त कार्यस्थल मिल सके। इसे प्रवासी श्रमिकों के श्रम प्रबंधन और सुविधा विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य से सशक्तिकरण

- श्रमिक परिवारों के सामाजिक उत्थान के लिए अटल आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक नि:शुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में इन विद्यालयों में 10,876 श्रमिक बच्चों का नामांकन है। इस योजना के लिए 70 करोड़ की व्यवस्था की गई है। निर्माण श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए पहली बार मोबाइल हेल्थ वैन पायलट परियोजना के रूप में संचालित की गई है। एक्स-ग्रेशिया अनुदान के तहत पंजीकृत असंगठित श्रमिकों की दुर्घटना में मृत्यु या पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में 2 लाख तथा आंशिक दिव्यांगता पर 1 लाख की सहायता का प्रावधान जारी रखा गया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मिला बूस्टर डोज

55,820 करोड़ से सुदृढ़ होगा इंफ्रास्ट्रक्चर, चिकित्सा शिक्षा का मिलेगा विस्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: वर्ष 2026-27 के बजट में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 55,820 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो राज्य के कुल बजट का लगभग 6.1 प्रतिशत है। इसे अब तक का सबसे बड़ा स्वास्थ्य आवंटन माना जा रहा है। इसमें आयुष सेवाओं में आयुर्वेद, यूनानी व होम्योपैथी के विस्तार के लिए 2,867 करोड़ रूपए की व्यवस्था की गई है।

राज्य सरकार का फोकस स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ करने, चिकित्सा शिक्षा का विस्तार करने और ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने पर है। बजट में चिकित्सा शिक्षा के लिए करीब 14,997 करोड़ रूप्ए की व्यवस्था की गई है। इसमें 14 नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए 1,023 करोड़ रूपए तथा लखनऊ स्थित कैंसर इंस्टीट्यूट जैसे विशेष संस्थानों के लिए 315 रूपए करोड़ प्रस्तावित हैं। इसके अलावा चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग को 37,956 करोड़ रूपए का प्रावधान है, इनमें ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के तहत 8,641 करोड़ रुपये और आयुष्मान भारत योजना के लिए 2,000 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। बजट में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव, टीकाकरण, मानसिक स्वास्थ्य, रोग नियंत्रण और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। प्रदेश में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम प्रभावी रूप से लागू है, जिसके तहत गर्भवती महिलाओं को कैशलेस प्रसव सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का लक्ष्य मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाना है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में दो मेडिकल टीमें तैनात हैं, जो आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं। इससे जन्मजात बीमारियों, कुपोषण और अन्य रोगों की समय रहते पहचान संभव हो रही है।

टीकाकरण और रोग नियंत्रण में प्रगति

- 8 दिसंबर 2024 से संचालित पल्स पोलियो अभियान के तहत अब तक 3.28 करोड़ से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा चुकी है। जापानी इंसेफेलाइटिस से बचाव के लिए 42 संवेदनशील जनपदों में नियमित टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। पूर्वांचल और तराई क्षेत्रों में विशेष स्वास्थ्य शिविरों और निगरानी की व्यवस्था की गई है। संक्रामक रोगों की निगरानी के लिए एकीकृत डिजीज सर्विलांस पोर्टल को और मजबूत किया गया है, जहां 16 संक्रामक रोगों और 6 टीकाकरण योग्य बीमारियों की नियमित रिपोर्टिंग हो रही है।

आयुष्मान और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूती

- गरीब और मध्यम वर्ग को महंगे इलाज से राहत देने के लिए आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी संचालन हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 49.22 लाख लाभार्थी परिवार इस योजना से जुड़े हैं। साथ ही राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सभी 75 जनपदों में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। बजट में इसे और प्रभावी बनाने का प्रावधान किया गया है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और उपचार सुविधाएं सुलभ हो सकें।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बल

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 8,641 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन के लिए 2,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जिससे दूरदराज और पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार होगा।

हर मंडल में खेल महाविद्यालय

2032-36 ओलंपिक में चमकने का लक्ष्य

- अमृत विचार, लखनऊ: वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में प्रदेश के खेल ढांचे को नई दिशा देने की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रत्येक मंडल में एक खेल महाविद्यालय स्थापित कर उसे उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि वर्ष 2032 और 2036 ओलंपिक को लक्ष्य बनाकर खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके। इसके लिए प्रारंभिक तौर पर 80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के 403 विधानसभा क्षेत्रों में प्रति विधानसभा 3 लाख रुपये और 80 संसदीय क्षेत्रों में प्रति क्षेत्र 10 लाख रुपये की दर से सांसद/विधायक खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। मेजर ध्यानचंद राज्य खेल विश्वविद्यालय, मेरठ के नवीन भवन निर्माण एवं विकास कार्य के लिए 80 करोड़ रुपये, पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए 30 करोड़ रुपये तथा शैक्षणिक व खेल गतिविधियों के संचालन के लिए 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार कुल 170 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान नई मांग के माध्यम से किया जा रहा है। कानपुर स्थित ग्रीनपार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के उच्चीकरण और आधुनिकीकरण के लिए 45 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित है, जिससे स्टेडियम का पुनर्विकास कर उसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराएं और उत्तर प्रदेश खेल प्रतिभा का नया केंद्र बने। वर्तमान में गोरखपुर में वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज और सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज हैं।

दोगुनी आय और घटती बेरोजगारी का किया दावा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट अनुमानों पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सर्वांगीण विकास को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार के पिछले और वर्तमान कार्यकाल में कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण से लेकर अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार, औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के कौशल संवर्धन, किसानों की खुशहाली और गरीबी उन्मूलन तक व्यापक बदलाव दर्ज किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर है। वर्ष 2024-2025 (त्वरित

वित्त मंत्री का बजट भाषण

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

अनुमान) में राज्य की जीएसडीपी 30.25 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,09,844 रुपये आंकी गई है, जो वर्ष 2016-2017 की 54,564 रुपये प्रति व्यक्ति आय के मुकाबले दोगुने से अधिक है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि वर्ष 2025-2026 में प्रति व्यक्ति आय 1,20,000 रुपये होने का अनुमान है। सरकार ने लगभग छह करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है, जबकि बेरोजगारी दर घटकर 2.24 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने दावा किया कि आर्थिक वृद्धि, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार और निवेश-आधारित विकास मॉडल के चलते उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

निवेश, निर्यात और नवाचार

अमृत विचार, लखनऊ: वित्तीय वर्ष 2026-2027 के बजट अनुमानों पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग वर्ष 2018-2019 में 29वें स्थान पर थी, जो बेहतर होकर वर्ष 2023-2024 में 18वें स्थान पर पहुंच गई है। वित्त मंत्री ने बताया कि फरवरी 2024 में आयोजित चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट ने निवेश के नए कीर्तिमान स्थापित किए। अब तक लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हो चुके हैं, जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से करीब 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 16 हजार से अधिक परियोजनाओं के चार ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह संपन्न हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत का सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन चुका है। देश के कुल मोबाइल फोन उत्पादन का 65 प्रतिशत हिस्सा प्रदेश में निर्मित होता है। साथ ही, भारत की 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट इकाइयां भी प्रदेश में स्थित हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 44,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि उद्योग और तकनीक में निवेश के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप रैंकिंग में "लीडर श्रेणी" का दर्जा प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि निवेश, विनिर्माण और नवाचार के इस त्रिकोणीय मॉडल ने प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं की कतार में खड़ा कर दिया है।

भाजपा सरकार का आखिरी और विदाई बजट : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि यह भाजपा सरकार का आखिरी और विदाई बजट है। भाजपा जनता से किये वादों को भूल गयी। भाजपा जनता की भावनाओं से खेलती है। बजट में गरीबों, किसानों, युवाओं के लिए कुछ नहीं है। बजट का आकार बड़ा है, मगर न तो मंहगाई कम हुई और न ही बेरोजगारी खत्म हुई। सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार में बैठे लोग अयोग्य है, सरकार बजट खर्च नहीं कर पाती है। अभी तक पिछले बजट का 50 फीसदी भी नहीं खर्च कर पाई है। सरकार वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना दिखाती है। उन्होंने कहा कि ट्रिलियन डालर इकोनामी के लिए जीएसडीपी 90 लाख करोड़ की होनी चाहिए और ग्रोथ रेट 30 फीसदी होनी चाहिए। जब आखिरी बजट पेश कर दिया तो 90 लाख करोड़ की जीएसटडीपी कहां से बनाएंगे।

बजट का आकार और तुलना

- कुल बजट : 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ 35 लाख रुपये
- कुल प्राप्तियां: 8.48 लाख करोड़
- राजस्व प्राप्तियां: 7.29 लाख करोड़
- कुल व्यय: 9.13 लाख करोड़
- राजस्व व्यय: 6.64 लाख करोड़
- पूंजीगत व्यय: 2.48 लाख करोड़

नई योजनाओं की भरमार

- सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन
- बायोप्लास्टिक औद्योगिक नीति-2024
- वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति
- मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना
- महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड योजना
- पशुधन बीमा एवं जोखिम प्रबंधन योजना
- सहकारी चीनी मिलों का आधुनिकीकरण
- ड्रीम स्किल लैब
- नए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय
- छात्राओं के लिए प्रत्येक जनपद में छात्रावास
- टेक युवा-समर्थ युवा योजना
- चार सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (पीपीपी मोड)
- ट्रॉमा सेंटर लेवल-2
- चिकित्सा महाविद्यालयों में छात्रावास
- उत्तर प्रदेश एआई मिशन
- स्टेट डेटा सेंटर
- डेटा सेंटर क्लस्टर
- यू-हब की स्थापना
- 'ग्रीन' और 'पिंक' बजट पर फोकस

बजट विकसित भारत की संकल्पनाओं को समर्पित

अमृत विचार, लखनऊ : विधान परिषद में बजट सत्र के तीसरे दिन बुधवार को उप मुख्यमंत्री व नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश के 2026-27 के बजट प्रावधानों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत की संकल्पनाओं को समर्पित बजट है। जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। इसमें नारीशक्ति, किसानों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों का खयाल रखा गया है। उप मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को आवंटित बजट का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है। अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाये गये हैं। युवाओं को रोजगार देने, किसानों व आम जनता की खुशहाली के लिये संतुलित बजट है। बजट में ग्राम्य विकास विभाग की योजनाओं के लिए 25,550 करोड़ रुपये, इनमें मनरेगा तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए क्रमशः 5,544 करोड़ रुपये एवं 4580 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है।

विशेष टिप्पणी | लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. मनोज अग्रवाल ने बजट को बताया संतुलित

प्रदेश के समग्र विकास का प्रगतिगामी बजट

यह बजट चुनावी बजट होते हुए भी प्रगति का बजट है और दीर्घकालीन रणनीति वाला बजट है। सबसे बड़ी बात की इसमें संतुलन रखा गया है। बजट घाटे को सीमित दायरे में रखा गया है, 2.98 प्रतिशत जो 3 प्रतिशत से नीचे है। इसके अलावा राजस्व व्यय को सीमित रखते हुए राजस्व आय बढ़ाने के उपाय किए गए हैं। जिसके कारण हमारा पूंजीगत परिव्यय राज्य आय का 4.5 प्रतिशत हो गया है। यह आज से 9 साल पहले 3 प्रतिशत से काफी कम था। इसका लाभ यह हो रहा है कि जब विधि व्यवस्था दुरुस्त हो गई है, डिजिटल चीजें अच्छी होने के साथ गर्वनेंस में सुधार हुआ है। इसके अलावा इज ऑफ डूइंग बिजनेस अच्छा हुआ है। सरकारी निवेश और आधारभूत संरचना बढ़ने से विदेशी निवेश के साथ घरेलू निवेश तेजी से बढ़ा है। जो इंवेस्टर समिट में दिखाई भी दिया।

प्रो. मनोज अग्रवाल, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

दूसरा, यह बजट युवाओं की संभावना वाला और महिलाओं के विकास वाला है। व्यावसायिक शिक्षा और तकनीकी शिक्षा का बजट काफी बढ़ाया गया है, इसी के साथ आईटी सेक्टर और इलेक्ट्रानिक का बजट बढ़ाया गया है। दोनों का तालमेल करके लैब बनाया जाना है, एआई का लैब, डेटा सेंटर के लिए 30 हजार करोड़ के 6 प्रस्ताव स्वीकृत हुआ है। यह सारी चीजें उत्तर प्रदेश को काफी आगे ले जाएंगी। कृषि में 20 प्रतिशत, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण पर 30 प्रतिशत बजट बढ़ा है, इसी प्रकार पंचायती राज में बहुत ज्यादा बजट बढ़ाया गया है। खेती को आधुनिक करने के लिए डीजल पम्पिंग सेट की जगह सोलर पम्पिंग सेट को बढ़ावा देना, सड़क बनाना, पुलिया आदि के अवस्थापना के लिए पर्याप्त बजट है। केंद्र सरकार के साथ यूरोपियन यूनियन और अमेरिका से जो प्रस्ताव पास हुआ है। जिससे हमारा टैक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री मित्र टैक्सटाइल पार्क योजना के तहत पार्क बनेगा। जिसका लाभ उठाते हुए हथकरघा और वस्त्र उद्योग का बजट 5 गुना कर दिया गया है, जिससे टैक्सटाइल सेक्टर में हमारा निर्यात बढ़ सके। इसी तरह एमएसएमई सेक्टर, अवस्थापना, उद्योग जगत का बजट भी बढ़ाया गया है। माइक्रो यूनिट में एक लाख लोगों को गारंटीमुक्त व ब्याज मुक्त ऋण देने की बात है, जिससे वह अपना व्यवसाय लगा सकें। युवाओं के प्रशिक्षण पर, मेडिकल एजुकेशन पर या मेडिकल सीट में जो बढ़ोत्तरी हुई है। उससे युवाओं के कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उनके रोजगार की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही है। यह सारी चीजें प्रगतिगामी हैं।

• अमृत विचार

विभागीय आवंटन में प्राथमिकताएं

सबसे अधिक आवंटन प्राथमिक शिक्षा (80,997 करोड़), ऊर्जा (65,926 करोड़), गृह (44,145 करोड़) और लोक निर्माण विभाग (33,740 करोड़) को मिला है।

बुनियादी ढांचा और निवेश

- सात संचालित एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट शीघ्र शुरू
- 16,000 स्टार्टअप, 8 यूनिकॉर्न
- 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्ताव

पर्यटन और धार्मिक अर्थव्यवस्था

- महाकुंभ 2025 में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु
- 234 गांव पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित
- लखनऊ 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी'

न्यूज ब्रीफ

कैंप में मारपीट करने पर एफआईआर दर्ज

रसूलाबाद। विद्युत विभाग के टीजी-2 ने 10 फरवरी को बिजली बिल राहत योजना के तहत गदाईपुर में लगाए गए कैंप में गदाईपुर निवासी दो सगे भाइयों और एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। टीजी 2 फुरकान ने बताया कि 10 फरवरी को बिजली बिल राहत योजना के तहत ग्राम गदाईपुर में विभाग द्वारा कैंप लगाया गया था। इसमें गदाईपुर निवासी मनोज कुमार, उसके सगे भाई विनोद कुमार व एक अज्ञात व्यक्ति ने विभाग के संविदा कर्मचारियों के साथ अपशब्द कहते हुए मारपीट कर सरकारी काम में बाधा डाली। इस पर वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आए। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है।

मधुमक्खियों के हमले से बुजुर्ग गंभीर घायल

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के लंगड़ेपुर गांव में बुधवार को मधुमक्खियों के हमले से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया गया है। लंगड़ेपुर गांव निवासी रंजीत सिंह ने बताया कि बुधवार को उनके पिता विश्वंभर सिंह गांव के पास खेतों में जानवर चराने गए थे। इसी दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला बोल दिया। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने विश्वंभर सिंह को मधुमक्खियों से बचाया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। उन्हें उपचार के लिए पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया। वहां उनका उपचार चालू हुआ।

ट्रक चालक के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

रसूलाबाद। कानपुर के आवास विकास कल्याणपुर निवासी एक व्यक्ति ने ट्रक चालक के विरुद्ध लापरवाही से ट्रक चलाते हुए उसके भाई को घायल करने और ई रिक्शा में टक्कर मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर देने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। जगत नारायण अवस्थी ने बताया की ट्रक चालक नाम पता अज्ञात ने लापरवाही से चलाते हुए उसके भाई विजय नारायण अवस्थी को टक्कर मार कर घायल कर दिया था। समीप में ही खड़े ई रिक्शा चालक प्रमोद गुप्ता के ई-रिक्शा में टक्कर मार दी जिससे ई रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया। वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आया है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले के रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। इसकी विवेचना नार खुर्द चौकी इंचार्ज शिव बहादुर सिंह करेंगे।

छत से गिरने पर वृद्धा और युवक घायल

रसूलाबाद। अलग-अलग गांव में एक वृद्धा व युवक छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को परिजन सीएचसी ले गए वहां इलाज के बाद रेफर किया गया। चौबेनिवादा असालतगंज निवासी रामआसरे की पत्नी रामवती 70वर्ष व गहिलू निवासी उदयवीर 35 पुत्र लालाराम अपने-अपने घरों की छत से गिरकर घायल हो गए। दोनों को परिजन आनन फानन सीएचसी ले गए। वहां ईएमओ डॉक्टर नरेश चंद्रा ने इलाज के बाद दोनों की हालत चिंताजनक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

एसडीएम और सीओ ने जांचीं व्यवस्थाएं

कानपुर देहात। महाशिवरात्रि पर्व पर रूरा थाना क्षेत्र के बनीपारा में लगने वाले मेले में शांति व्यवस्था को लेकर एसडीएम और सीओ ने मेला परिसर का निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारी डेरापुर सुरभि शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी अकबरपुर संजय सिंह ने मेले के संपूर्ण परिसर, मन्दिर के मुख्य द्वार, परिक्रमा पथ, भीड़ संचालन वाले मार्गों, अस्थायी दुकानों, पार्किंग व्यवस्था, आपातकालीन निकास द्वारों का बारीकी से जायजा लिया। रूरा थानाध्यक्ष सुधीर भारद्वाज के साथ पुलिस बल, मंदिर समिति के पदाधिकारियों, मेले के आयोजक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

24 कुंडीय यज्ञ से पूर्व निकाली कलश यात्रा

कानपुर देहात। श्री गायत्री शक्तिपीठ के तत्वावधान में गुरुवार से अकबरपुर में यज्ञ का शुभारंभ होगा। इसके पहले बुधवार को प्रख्यात पुरोहितों उपस्थिति में कलश यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। 24 कुंडीय यज्ञ के शुभारंभ से पहले आस्था के प्रमुख केंद्र मां कालिका देवी मंदिर से शुरू हुई कलश यात्रा व्यापक सुरक्षा इंतजामों के बीच शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। इस दौरान घरों की छतों से पुष्प वर्षा करते हुए लोगों ने अपनी भाव भंगिमा प्रकट की। गगन भेदी जयकारों से माहौल पूरी तरह भक्ति मय नजर आया। रामजी मिश्रा, विपिन चंद्र दीक्षित, सुरेंद्र पाल शर्मा, टोनी श्रीवास्तव, विमलेश सविता, दीपक राणा आदि मौजूद रहे।

लोडर की टक्कर से युवक की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

भंगापुरवा के पास हुआ हादसा, जन्मदिन समारोह में शामिल होने जा रहे थे दंपति

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः रामगंगा नहर पटरी मार्ग पर भंगापुरवा गांव के पास तेज रफ्तार लोडर और बाइक में सीधी भिड़ंत के बाद बाइक चालक की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने दोनों को शिवली अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने बाइक चालक को मृत घोषित कर दिया। पत्नी को प्राथमिक उपचार के बाद हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया है। युवक की मौत से उसके परिजनों के बीच मातम छा गया है।

हादसे में घायल पत्नी को संभालती परिवार की महिलाएं। अमृत विचार

कानपुर नगर के गुजैनी थाना क्षेत्र के मेहरबान सिंह पुरवा निवासी ओम प्रकाश यादव (35) बुधवार की दोपहर रसूलाबाद थाना क्षेत्र के साहिल गांव में जन्मदिन समारोह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक पर अपनी पत्नी साधना के साथ जा रहा था। वह शिवली कोतवाली क्षेत्र में रामगंगा नहर पटरी मार्ग पर भंगापुरवा गांव के पास आगे चल रहे डंपर को ओवरटेक कर रहा था, तभी सामने से तेज रफ्तार लोडर अचानक आ गया, जिससे दोनों के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर मारने के बाद तेज रफ्तार लोडर ने बाइक चालक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही अपराध निरीक्षक शैलेंद्र सिंह यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए, और एंबुलेंस द्वारा दोनों को शिवली अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टर सिंधुजा ने ओम प्रकाश यादव को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल उसकी पत्नी को कानपुर हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। बाइक चालक की मौत की खबर लगते ही उसके परिजनों के बीच कोहराम मच गया। कुछ ही देर में ग्रामीणों के साथ परिजन अस्पताल पहुंच गए। भाई उमेश यादव, बहन नीतू, मां श्रीधीश्री का रो-रो कर बुरा हाल था। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से मोपेड सवार बुजुर्ग की गई जान

संवाददाता, मंगलपुर

- मंगलपुर के एक गेस्ट हाउस से अपने गांव लौट रहा था बुजुर्ग
- बाइक चालक व एक साथी को पुलिस ने हिरासत में लिया

अमृत विचारः मंगलपुर थाना क्षेत्र के चंदकुरा गांव के पास कल देर शाम हुए सड़क हादसे में घायल 65 वर्षीय बुजुर्ग ने उपचार के दौरान घर लौटने के बाद दम तोड़ दिया। बुधवार को परिजनों ने मृतक का पोस्टमार्टम कराने और आरोपी बाइक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी।

अनंतपुर धौकल गांव निवासी रामप्रताप सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई फूल सिंह (65 वर्ष) 10 फरवरी की शाम करीब सात बजे मंगलपुर स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम के बाद वह विक्की (मोपेड) से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह चंदकुरा गांव के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे अपाचे मोटरसाइकिल के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाते हुए उनकी मोपेड में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से फूल सिंह मोपेड सहित सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस से उन्हें झींझक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

वहां भी स्थिति में सुधार नहीं होने पर उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उन्हें घर ले आए, जहां बुधवार सुबह करीब 10 बजे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक का शव घर पर रखा गया। परिजनों ने पुलिस से पोस्टमार्टम कराकर दोषी बाइक चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में एसएचओ कमलेश यादव ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। साथ ही बाइक चालक के साथ मौजूद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। इस मामले में अन्य विधिक कार्रवाई और जांच पड़ताल की जा रही है।

बाइक फिसलने से युवक गंभीर रूप से घायल

रसूलाबाद। बाइक अनियंत्रित होकर फिसलने के कारण एक युवा किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत चिंताजनक देखते हुए डॉक्टर ने कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। जूझानिवादा निवासी राकेश 45 पुत्र शिव शंकर बाइक से असालतगंज की तरफ जा रहे थे तभी इटैली रोड पर बाइक अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। हादसे में राकेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची एंबुलेंस इलाज के लिए सीएचसी ले गई वहां डॉक्टर नरेश चंद्रा ने इलाज के बाद हैलट रेफर कर दिया।

साइबर ठगी में दिल्ली पुलिस ने 3 को उठाया

संवाददाता, रसूलाबाद

- छापे में आधा सैकड़ा पैन कार्ड थंब स्कैनर और मुहर बरामद
- पश्चिम बंगाल के साइबर ठगों से तार जुड़े होने के सबूत मिले

अमृत विचारः दिल्ली पुलिस ने सलेमपुर मेहरा गांव निवासी दो युवकों समेत तीन लोगों को साइबर ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास करीब 50 से अधिक पैन कार्ड, थंब स्कैनर मशीन, मुहर और भुगतान स्वीकार करने वाले क्यूआर बरामद हुए। सूत्रों की मानें तो गिरफ्तार आरोपियों के तार पश्चिम बंगाल से जुड़े हैं।

बुधवार को दिल्ली पुलिस के साइबर शाखा हरीनगर नई दिल्ली के उप निरीक्षक अनिल कुमार मय हमराह पुलिस टीम के साथ रसूलाबाद थाने पहुंचे। इसके बाद रसूलाबाद थाने की पुलिस की मदद से लाखों रुपये की साइबर ठगी के मामले में सलेमपुर मेहरा गांव के रहने वाले आदिल, इमरान और भवनपुर गांव निवासी हिमांशु उर्फ अनिल को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आदिल और इमरान के पास से काफी संख्या में पैन कार्ड, थंब स्कैनर मशीन, कई मुहर और भुगतान प्राप्त करने वाले करीब 50 से अधिक क्यूआर कोड बरामद किए।

दिल्ली पुलिस की टीम के साथ दबिश के दौरान मौजूद रहे चौकी इंचार्ज शिवबहादुर सिंह ने बताया कि आरोपी आदिल और इमरान के तार पश्चिम बंगाल में बैठे साइबर अपराधियों से जुड़े हैं। उन्हीं के इशारे पर दोनों आरोपी गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को बातों में बहला कर अंगूठा स्कैन मशीन से बैंक खाता खोलते थे। इस दौरान उन्होंने करीब 500 से अधिक बैंक खाता खुलवाकर साइबर ठगी में इस्तेमाल किए। दिल्ली पुलिस के उपनिरीक्षक अनिल कुमार ने उक्त साइबर ठगी के मामले में तीन लोगों को हिरासत में ले जाने की पुष्टि की है।

खाईं में मिला युवक का शव

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः रतनपुर पनकी से अपने गांव भवानीपुर सुनासी जा रहे बाइक सवार युवक का शव बुधवार की सुबह शिवली रूरा मार्ग पर मरहमताबाद गांव के पास गहरी खाई में कीचड़ से सना मिला। उसे देख ग्रामीणों के बीच सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस युवक को लेकर अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

धीरेंद्र कुमार।

मरहमताबाद गांव के पास शव मिलने पर पहुंची पुलिस और परिजन। अमृत विचार

रसूलाबाद थाना क्षेत्र के भवानीपुर सुनासी गांव निवासी धीरेंद्र कुमार (27) पुत्र रामचंद्र बाथम अपने बड़े भाई बृजेंद्र बाथम के साथ रतनपुर पनकी में रहता था। उसी के साथ पावर प्लांट में काम करता था। सोमवार को धीरेंद्र कुमार अपने गांव में था, तभी खेत में खाद डालने को लेकर बड़े भाई बृजेंद्र कुमार से फोन पर कहासुनी हुई थी। कहासुनी होने पर मंगलवार की शाम धीरेंद्र कुमार अपने बड़े भाई के यहां रतनपुर पनकी चला गया। वहां से अपने कपड़े आदि सामान लेकर बाइक द्वारा वापस घर के लिए निकला था। बुधवार की सुबह शिवली रूरा मार्ग पर मरहमताबाद कड़री गांव के बीच स्थित मोड पर सड़क के किनारे स्थित गहरी खाई में धीरेंद्र कुमार कीचड़ से सना हुआ पड़ा मिला।

पास में उसकी बाइक भी पड़ी थी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों द्वारा आशंका व्यक्त की जा रही है कि तेज रफ्तार बाइक होने की वजह से अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे खाई में चली गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस युवक को शिवली अस्पताल लेकर पहुंची जहां पर मौजूद डॉक्टर सिंधुजा ने उसको मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की जानकारी मिलने पर उसके परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मृतक के भाई अजय कुमार बृजेंद्र कुमार मां उर्मिला देवी बहन मीना देवी का रो रो कर बुरा हाल था। कोतवाल प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा की परखी व्यवस्था

संवाददाता, रसूलाबाद

- महाशिवरात्रि पर्व को लेकर अधिकारियों ने की बैठक
- मंदिर और मार्गों पर सफाई अभियान चलाने के निर्देश

अमृत विचारः महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नगर पंचायत, विद्युत एवं संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। इसके साथ ही सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

यह बात एसडीएम सर्वेश सिंह ने आगामी महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना परिसर में हुई एक बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। हिंदुओं के आस्था के उक्त पर्व को मनाने के लिए स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया है। एसडीएम के साथ-साथ सीओ आलोक चौधरी की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं पर हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में नायब तहसीलदार दिव्य दर्शन सिंह, एसडीओ विद्युत शहादत सलीम, नगर पंचायत प्रतिनिधि प्रत्यूष राजपूत, धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल के पदाधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने आगामी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, चिकित्सा टीम की उपलब्धता, एंबुलेंस सेवा, पेयजल आपूर्ति, निर्बाध विद्युत व्यवस्था, मोबाइल शौचालय और पानी के टैंकर की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर परिसर और मार्गों पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने तथा अनावश्यक कबाड़ हटाने पर भी जोर दिया। संभावित भीड़ को देखते हुए पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने, बैरिकेडिंग लगाने, यातायात को सुचारु रखने और ढीले विद्युत तारों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। सुरक्षा की दृष्टि से हेल्प डेस्क की स्थापना और फायर ब्रिगेड वाहन की तैनाती भी सुनिश्चित की जाएगी।

इस बैठक के बाद अधिकारियों ने संयुक्त रूप से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर, धर्मगढ़ बाबा सत्संग मंडल के पदाधिकारी संजय मिश्रा, महेंद्र यादव, रामू गुप्ता, बउवन चौरसिया, उमेश गुप्ता, गोपाल मिश्रा, रामू मिश्रा, सोनू पांडेय, घनश्याम शुक्ला, रामदर्शन पांडेय, प्रहलाद बाबू गुप्ता, अम्बर सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

भूमि पूजन के साथ सत्संग हाल का निर्माण कार्य शुरू

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बुधवार को कहिंजरी भीखदेव स्थित महाकालेश्वर सिद्ध आश्रम में भूमि पूजन के साथ सत्संग हॉल के निर्माण का कार्य शुरू हुआ। मंदिर के पुजारी पंडित चंद्र भूषण अग्निहोत्री द्वारा विधि-विधान से पूजन अर्चन व मंत्रोच्चार के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया।

सत्संग हाल के निर्माण के लिए पुजारी ने कराया भूमि पूजन।

मंदिर के महंत पंडित नरेश दीक्षित ने बताया कि मंदिर प्रांगण में सत्संग हाल की अत्यंत आवश्यकता थी। सत्संग हाल न बना होने के कारण श्रीमद् भागवत के समय व बाहर से दर्शन करने आने जाने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था नहीं हो पाती थी।

श्रावण माह में श्रीमद् भागवत कथा के दौरान बारिश के समय श्रोताओं को बैठने में असुविधा होती थी। इस वजह से सत्संग हाल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सत्संग हाल का निर्माण भक्तों के सहयोग से किया जाएगा। इस मौके पर ओम प्रकाश बाजपेयी, कृष्ण गोपाल गुप्ता दउवा, रमन त्रिपाठी, गोपाल बाजपेयी, बाबू अग्निहोत्री सहित अन्य भक्त मौजूद रहे।

जिले में 83 केंद्रों पर 50 हजार से अधिक बच्चे देंगे परीक्षा

यूपी बोर्ड

05 केंद्र अतिसंवेदनशील श्रेणी में शामिल

10 जोन में बांटा गया समूचा जनपद

संवाददाता, कानपुर देहात

- सभी परीक्षा केंद्रों पर एक्टिव रहेंगे सीसीटीवी कैमरे
- परीक्षा केंद्रों की निगरानी के लिए 6 उड़नदस्ते गठित

अमृत विचारः जिले के 83 परीक्षा केंद्रों पर यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं कराई जाएंगी। परीक्षाएं नकलविहीन तथा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिले को 10 जोन और 12 सेक्टर में बांटा गया है। परीक्षाएं नकल विहीन में कराई जाएंगी। इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे एक्टिव रहेंगे। कुल परीक्षा केंद्रों में से पांच केंद्र अति संवेदनशील श्रेणी के हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष की परीक्षा के लिए हाईस्कूल के 25053 और इंटरमीडिएट के 24557 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इस प्रकार कुल लगभग 50,610 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा की निगरानी के लिए छह विशेष उड़नदस्ता टीमें गठित की गई हैं। इनमें से एक टीम को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए रिजर्व में रखा गया है।

प्रत्येक सेक्टर मजिस्ट्रेट को 10 से 11 केंद्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परीक्षा के दौरान जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट लगातार केंद्रों का भ्रमण करेंगे। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से लाइव निगरानी, स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती और पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहेगा। डीआईओएस ने बताया कि संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। पांच केंद्रों को अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जहां विशेष निगरानी व्यवस्था लागू होगी।

यू0पी0 प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लि0
कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, निर्माण इकाई-10, कानपुर (केन्द्रीय भण्डार)
(उ0प्र0 शासन का सार्वजनिक उपक्रम)
उद्योग कुंज रोड नियर हलुआखाड़ा (रजवाहा)
नौरैया खेड़ा (नहर कोठी), दादा नगर, कानपुर-208022
CIN : U15209UP1976SGC004285

पत्रांकः 2777 / पी.सी.एल. / पी.एम.-10 / कानपुर दिनांकः 11.02.2026

अल्पकालीन ऑफलाइन निविदा सूचना

Proposed LMO to Manifold MGPS Works at Government Medical College, Auraiya हेतु इस कार्यालय की निविदा सूचना सं0-22/PM-10/UPPCL/2025-26 दिनांक 11.02.2026 द्वारा ऑफलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा इकाई कार्यालय में दिनांक 13.02.2026 से दिनांक 20.02.2026 के अपराह्न 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है।

ऑफलाइन निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण, नियम एवं शर्तें कारपोरेशन की इकाई कार्यालय में दिनांक 13.02.2026 से प्राप्त की जा सकती है।

(सत्य प्रिय)
परियोजना प्रबन्धक
निर्माण इकाई-10, कानपुर

समर्पण दिवस मना | एकात्मवाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर जिला भाजपा कार्यालय में हुई गोष्ठी

सादगी और सिद्धांत का प्रतीक रहा पं. उपाध्याय का जीवन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः पं दीन दयाल की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में बुधवार को भाजपा के जिला कार्यालय में समर्पण दिवस मनाया गया। गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश संयोजक प्रबुद्ध वर्ग प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने पंडित दीनदयाल के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि भारतीय जनसंघ या भारतीय जनता पार्टी भारत को प्राचीन एवं सनातन राष्ट्र मानती है। पंडित दीनदयाल का सिद्धांत भाजपा के कार्यकर्ता के रग-रग में बसा है। उन्होंने भारतीय चिंतन को राजनीति की धारा से जोड़ा और एकात्म मानववाद के माध्यम से विकास को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय और सांस्कृतिक मूल्यों से संपृक्त करने का मार्ग दिखाया। उनका अंत्योदय का मंत्र समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक अवसर और सम्मान पहुंचाना आज भी हमारी नीतियों की आत्मा है। जिला प्रभारी अशोक राजपूत ने कहा कि पं उपाध्याय का जीवन सादगी, सिद्धांत और राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक रहा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यालय में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते अतिथि। अमृत विचार

उन्होंने हमें सिखाया कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, बल्कि सेवा है; और प्रगति का अर्थ केवल वृद्धि नहीं, बल्कि समावेश है। जिला अध्यक्ष रेणुका सचान ने पंडित दीनदयाल के जीवन पर प्रकाश डाला पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी राष्ट्रीय सेवक संघ के चिंतक और संगठनकर्ता थे वह भारतीय जन संघ के अध्यक्ष भी रहे उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को समय के अनुकूल प्रस्तुत करते हुए एकात्मानवाद नमक विचारधारा दी वह एक मजबूत और सशक्त भारत चाहते थे जिन्होंने भारत को एक सूत्र में पिरोने के सिद्धांत को प्रतिपादित किया। पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी, पूर्व विधायक विनोद कटियार डॉक्टर सतीश शुक्ला, मलखान सिंह चौहान, रामजी मिश्रा, स्वतंत्र पासवान, विकास मिश्र जिला मीडिया प्रभारी आदि रहे।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पोस्ट आफिस के खाता में आरती देवी लिखा जोकि मेरे आधार कार्ड में विमला देवी लिखा है जोकि दोनो नाम एक व्यक्ति के है। **विमला देवी पत्नी आलोक कुमार निवासी ग्राम पूरे भवन शाह मजरे ताला गोपालपुर जिला रायबरेली**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राममिलन पुत्र लक्ष्मी प्रसाद निवासी भटरी तहसील राजापुर जनपद चित्रकूट द्वारा अपने पुत्र दौलत राम का चाल चलन व चरित्र ठीक न होने के कारण मैं अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करने की घोषणा करता हूं आज दिनांक 11/02/26 से मेरी संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा। **प्रार्थी - राममिलन पुत्र लक्ष्मी प्रसाद, निवासी भटरी तहसील राजापुर जनपद चित्रकूट**

सूचना
मैं **राजू पुत्र सुखनन्दन निवासी पूरे सुबेदार पो. रोखा जिला रायबरेली** का निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा की पालिसी संख्या 214974086 में नाम राजूलाल पुत्र औसान यादव दर्ज है, जबकि आधार कार्ड व अन्य कागजात में नाम राजू पुत्र सुखनन्दन अंकित है। उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। मुझे और मेरे पिता को उक्त नामों से जाना और पहचाना जाता है।

सूचना
मैने अपना नाम JAHEEN HAYDAR से बदलकर ZAHEEN HAIDER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MAZHAR HAYDAR ADD-22/435 SECTOR -12 HAIDER HOUSE INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P.)

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

जरीबचौकी, शुक्लागंज व ट्रांसगंगा पुलों का काम तेज होगा

आउटर रिंग रोड के पैकेज समय से पूरे करने में नहीं आएगी धन की कमी, स्मार्ट सिटी मिशन में पैसा मिलने से सुधरेंगे ट्रैफिक सिग्नल और लाइटें

प्रदेश का बजट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। योगी सरकार ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपने अंतिम पूर्ण बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी ढांचे के लिए आवंटित किया है। इससे सड़कों, फ्लाईओवर, एक्सप्रेसवे, मुख्य राजमार्ग, बाईपास, रिंग रोड के चल रहे कामों को समय से पूरा करने में मदद मिलेगी और नए निर्माण कार्य तेजी से शुरू किए जा सकेंगे। इसे देखते हुए उम्मीद लगाई जा रही है कि आउटर रिंग रोड का काम निर्बाध गति से आगे बढ़ता रहेगा। जरीब चौकी पर यातायात जाम की समस्या खत्म करने के लिए पुल निर्माण का कार्य शुरू होगा। ट्रांस गंगा सिटी पुल के लिए बजट मिलने से काम इसी साल आरंभ हो सकता है, जबकि शुक्लागंज के टूटे पुल के समानांतर नए पुल के निर्माण कार्य की गति और तेज हो सकती है।

इसी तरह बजट में स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल 10 शहरों में अपना कानपुर भी है। इससे उम्मीद जताई जा रही है कि शहर में सड़कें, स्ट्रीट लाइटें सुधरेंगी, सफाई और कूड़ा प्रबंधन सेवा स्मार्ट बनेगी। ट्रैफिक कंट्रोल और सिग्नल सिस्टम प्रभावी होगा तथा कचहरी के समीप निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग के साथ ही कुछ और ऐसी ही पार्किंग बनाई जा सकेंगी।

जरीब चौकी क्रासिंग पुल

लंबाई	1769 मीटर
चौड़ाई	04 लेन
लागत	360 करोड़
धन मिल चुका	48 करोड़

(यूटिलिटी ट्रांसफर के लिए)

शुक्लागंज गंगा पुल

लंबाई	1700 मीटर
चौड़ाई	04 लेन
लागत	235 करोड़
धन मिल चुका	82 करोड़

ट्रांसगंगा सिटी पुल

लंबाई	4000 मीटर
चौड़ाई	04 लेन
लागत	730 करोड़

हर छठे आदमी को नहीं थी योगी के बजट की जानकारी

कानपुर। शहर की तस्वीर बदलने के साथ प्रदेश के विकास को लेकर अधिकतर लोगों की निगाहें जहां योगी सरकार के बजट में क्या कुछ है, यह जानने के लिए बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे से टीवी और मोबाइल पर लगी थीं, वहीं अमृत विचार की टीम लोगों की प्रदेश के बजट को लेकर जागरूकता जानने निकली तो लगभग हर छठे आदमी को योगी सरकार आज बजट पेश कर रही है, इसकी कोई जानकारी ही नहीं थी। 132 लोगों से बजट के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में सामने आई तस्वीर कुछ ऐसी रही...

- **16%** लोगों को योगी के बजट की जानकारी ही नहीं
- **45%** लोगों को शहर और प्रदेश के विकास की चिंता
- **8%** लोगों का मानना बजट घोषणाओं का आडिट हो
- **19%** लोग बोले, सरकारी योजनाएं और विजन मिलता
- **12%** क्या फायदा हुआ यह जानने की इच्छा रहती है

शहर के लिए बजट कैसा

अमृत विचार की टीम ने बजट पेश होने के बाद शाम को मोतीझील, जवाहर नगर, मालरोड, काकादेव और गोविंद नगर इलाके में 178 लोगों से बजट में कानपुर को क्या सौगात मिली, सवाल का जवाब पूछा तो लोगों की राय कुछ इस तरह सामने आई...

शानदार	07%
मध्यम	19%
साधारण	52%
अनुपयोगी	22%

न्यू कानपुर सिटी में नहीं देर चमकेंगी और योजनाएं भी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **केडीए को शहरी विकास और अवस्थापना सुविधा मद में मिलेंगे करीब 300 करोड़ रुपये**

अमृत विचार। न्यू कानपुर सिटी योजना को धरातल पर उतरने में अब और देर नहीं लगेगी। केडीए योजना में विकास कार्य शुरू करने की पहले ही तैयारी कर चुका है, अब योगी सरकार ने बजट अनुमान के मुताबिक केडीए को शहरी विकास और अवस्थापना सुविधाओं की मद में करीब 300 करोड़ रुपये आवंटित करने का फैसला लिया है। केडीए ने इस धन का इस्तेमाल न्यू कानपुर सिटी योजना में करने की योजना पहले ही बना रखी है। बजट में मिलने वाले धन से केडीए अपनी अन्य योजनाओं में भी सड़कों और पार्क के काम करा सकता है। इस्पात नगर की अपनी योजना में केडीए ने 37 करोड़ रुपये से विकास कार्य अगले वित्तीय वर्ष में शुरू करने का खाका पहले ही खींच रखा है।

प्राधिकरण अफसरों ने न्यू कानपुर सिटी योजना में लोगों को 1500 से अधिक भूखंड मुहैया कराने की तैयारी कर रखी है। इनमें आवासीय, व्यावसायिक समेत सभी प्रकार के भूखंड होंगे, जो न्यूनतम 112 वर्गमीटर से लेकर अधिकतम 300 वर्गमीटर से अधिक तक के होंगे। बजट में शहरी विकास और आवास के लिए 7,705 करोड़ रुपये रखे गए हैं। शहर में इसका फायदा नई कॉलोनी/हाउसिंग प्रोजेक्ट्स, नगर निगम क्षेत्र में विकास और पुराने इलाकों में री-डेवलपमेंट के कामों के रूप में मिल सकता है।

लोग बोले

"उत्तर प्रदेश सरकार का बजट सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाला बजट है। चिकित्सा शिक्षा रोजगार सभी पर विकास के पद पर दौड़ने वाला बजट है।

-अभिषेक पांडे, महामंत्री कानपुर दक्षिण उद्योगव्यापार मंडल

"इस बजट में युवा, महिला, उद्यमी व व्यापारियों को खास जगह दी गई है। बजट को इस तरह से तैयार किया गया है कि उसके प्रावधान प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से हर वर्ग को सहायता देंगे।

-अभिनव तिवारी, पदाधिकारी फीटा

"बजट में उद्योग को संजीवनी प्रदान करने के लिए कई प्रावधान हैं। खासतौर पर एमएसएमई सेक्टर को बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उद्यमियों को संजीवनी हासिल हो सकेगी।

-अब्दुल अली, उद्यमी

"बजट में महिला उद्यमियों के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। उद्यमियों के अलावा आम महिलाओं को भी स्किल सुधारने के साथ ही नया उद्यम शुरु करने के लिए सहयोग यह बजट दे रहा है।

- सुभाषनी खन्ना, उद्यमी

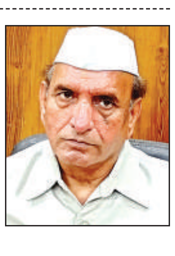

"9.12 लाख करोड़ के बजट में सिर्फ लगभग 43,000 करोड़ ही नई योजनाओं के लिए हैं, यह बहुत निराशाजनक है। बजट में आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। धरातल पर शून्य है और आंकड़ों के साथ छेड़छाड़ जैसा है। पवन गुप्ता, अध्यक्ष कानपुर महानगर कांग्रेस

निखरेगा कौशल, बेहतर होगी शिक्षा और बढ़ेगा रोजगार भी

बजट में कौशल विकास व तकनीकी शिक्षा के लिए स्मार्ट कक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश के बजट में युवाओं को फोकस करते हुए खास प्रावधान किए गए हैं। इस पर युवाओं का मानना है कि इससे उनका कौशल तो बेहतर होगा ही, उच्च शिक्षा में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीक से वे पढ़ाई कर सकेंगे। इसके अलावा पॉलिटेक्निक में स्मार्ट कक्षाओं से युवा अपने कौशल को औधिक धार दे सकेंगे। युवाओं का मानना है कि बजट में हर स्तर की शिक्षा व कौशल को को बढ़ाने के लिए प्राथमिकता दी गई है। इससे युवा बेहतर शिक्षा हासिल कर सकेंगे।

"यह बजट युवाओं को बेहतर शिक्षा देने वाला बजट है। बजट में शिक्षा से जुड़े प्रावधान से विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे। जिससे युवाओं को पढ़ाई में लाभ हासिल हो सकेगा।

-मिताली सिंह, छात्रा

"बजट में हर वर्ग के छात्रों का खास ख्याल रखा गया है। खासतौर पर तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास पर युवाओं को कुशल बनाए जाने के लिए किए गए प्रावधान सकारात्मक हैं। हर वर्ग के छात्रों के लिए बजट में कुछ न कुछ है।

-हरिओम तिवारी, छात्र

"उच्च शिक्षा में एआई और तकनीकी शिक्षा में स्मार्ट कक्षाओं के प्रावधान ने शिक्षा को तकनीकी से जोड़े जाने पर बल दिया है। यह बजट युवाओं को बेहतर रोजगार दिए जाने की तैयारी के रूप में भी है। युवाओं को इससे लाभ होगा।

-रिषभ गौर, छात्र

"युवाओं को कक्षाओं में बेहतर व रोजगार परक शिक्षा हासिल हो सके इसके लिए सरकार ने बजट में कई प्रावधान किए हैं। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार में सहायता होगी।

-रितिका गुप्ता, छात्रा

अब सोलर सिटी से कार्बन उत्सर्जन घट सकेगा

कानपुर। प्रदेश के बजट में जिन नगर निगमों को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का फैसला लिया गया है, उनमें कानपुर भी शामिल है। वैसे भी शहर में घरों की छतें बिजली उत्पादन का नया केंद्र बन चुकी हैं। शहर में में सोलर रूफटॉप सिस्टम की क्षमता 64 मेगावाट पहुंच चुकी है। इसका मतलब है कि सालाना करीब 9.6 करोड़ यूनिट स्वच्छ बिजली बन रही है। सौर ऊर्जा प्रदूषण मुक्त होने के कारण अनुमान लगाया गया है कि हर साल लगभग इस बिजली उत्पादन से 80 हजार टन कार्बन डाइआक्साइड का उत्सर्जन कम हो रहा है।

उत्तर प्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपी नेडा) के आंकड़ों के अनुसार शहर में करीब 21 हजार सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाए जा चुके हैं। इनकी वजह से घरों की छतों से भी स्वच्छ बिजली बनने लगी है। इस उपलब्धि के चलते सोलर रूफटॉप स्थापना मामले में कानपुर प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। ऐसे में सोलर सिटी के रूप में विकसित किए जाने से शहर का पर्यावरण भी सुधरेगा। उधर, घाटमपुर के काटर गांव में 200 करोड़ रुपये से 35 मेगावाट बिजली क्षमता का सोलर पार्क भी बनना शुरू होने वाला है।

लखनऊ कैंसर संस्थान को मिले 326 करोड़ और कानपुर को जीरो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जेके कैंसर संस्थान बदहाल पड़ा है। फाइल फोटो।

200 से 250 मरीज इलाज के लिए आते रोज

1000 मरीज रोज आते थे पहले इलाज के लिए

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के बजट में राजधानी लखनऊ के कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर संस्थान को 326 करोड़ की सौगात दी गई, लेकिन बदहाली की मार झेल रहे कानपुर के जेके कैंसर संस्थान को कुछ नहीं मिला। बजट में जेके कैंसर संस्थान को एक रुपये तक नहीं दिया गया, जबकि वर्तमान में यहां पर मशीनों का संचालन बड़ी मुश्किल से किया जा रहा है। कैंसर की जरूरी जांच और इलाज के लिए मरीजों को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज व निजी अस्पतालों में जाना पड़ रहा है।

रावतपुर स्थित जेके कैंसर संस्थान में अब प्रतिदिन 200 से 250 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, जबकि कभी यह संख्या एक हजार के आसपास होती थी। इसकी मुख्य वजह संस्थान में वक्त के हिसाब से आधुनिक उपकरण व जरूरतों का पूरा न होना है। सरकार की बेरूखी की वजह से जेके कैंसर संस्थान में कैंसर के ऑपरेशन तक नहीं हो पा रहे हैं। सिर्फ कुछ मरीजों की माइनर सर्जरी ही की जा रही है। यहां पर मरीजों को कैंसर की जरूरी जांचों की सुविधा नहीं मिल पा रही है। जबकि जेके कैंसर की बदहाली का मुद्दा विधानसभा में कई बार गूंजा चुका है। विधानसभा से गठित टीम ने तत्कालीन प्रमुख सचिव डॉ.पार्थ सारथी सेन के साथ निरीक्षण कर चुकी है, जिसमे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी शामिल हुए थे। तब इसको हाइटेक कैंसर संस्थान बनाने के सपने दिखाए गए थे। बुधवार को जारी होने वाले बजट में जेके कैंसर संस्थान को कुछ बजट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने जेके कैंसर संस्थान पर कोई कृपा नहीं बख्शी। बल्कि लखनऊ के कल्याण सिंह सुपर कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर संस्थान को सरकार ने 326 करोड़ की सौगात दी। इस बजट से लखनऊ में 40 करोड़ का लीनियर एक्सलरेटर, 30 करोड़ का बिग बोर सीटी सिमुलेटर, 30 करोड़ का रोबोट और 18 करोड़ का इंट्रा ऑपरेटिव रेडियोथेरेपी इक्विपमेंट खरीदा जाएगा। जबकि वर्तमान स्थिति को देखते हुए इन सभी उपकरणों की बेहद जरूरत जेके कैंसर संस्थान को भी है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

राहत | अब तक 10 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव तैयार, बजट में एमएसएमई सेक्टर को बढ़ाने के प्रस्ताव

निवेश से मिलेगा एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा, उद्यमी खुश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बजट में हुए प्रावधानों को उद्यमी शहर के एमएसएमई सेक्टर के लिए बेहतर संकेत मान रहे हैं। डिफेंस सेक्टर के निवेश के साथ ही लगभग तीन हजार करोड़ की घोषणा के बाद माना जा रहा है कि एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा मिल सकेगा। इसके अलावा शहर में लगभग 10 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव पर काम चल रहा है। उसका भी असर प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से एमएसएमई सेक्टर पर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

शहर में लगभग सवा लाख एमएमएसएमई सेक्टर की इकाइयां हैं। इनमें लगभग 94 हजार इकाइयां सक्रिय रूप से कार्य कर रहीं हैं। इनमें 95 फीसदी इकाइयां सीधेतौर पर शहर के उद्योग से जुड़ी हुई हैं। इनमें 45 फीसदी इकाइयां सिर्फ निर्यात कारोबार से सीधेतौर पर शामिल हैं। माना जा रहा है कि बजट में हुए प्रावधान से इस सेक्टर में आने वाले समय में 10 फीसदी ग्रोथ संभव हो सकती है। उद्यमियों ने इसे एमएसएमई सेक्टर के लिए मुफीद बताया है। खासतौर पर पैकेजिंग, कैमिकल, मैन्युफैक्चरिंग सहित अन्य इकाइयों को सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

- **1.5** लाख एमएसएमई सेक्टर की इकाइयां शहर में हैं
- **95%** इकाइयां सीधे तौर पर उद्योगों से जुड़ीं
- **94** हजार इकाइयां सक्रिय रूप से कार्य कर रहीं
- **10 %** ग्रोथ संभव हो सकती भविष्य में

इन्फ्रास्ट्रक्चर में किया जाए सुधार

- बजट आने के बाद उद्यमियों ने एमएसएमई सेक्टर के ग्रोथ की तो बात की है, इसके साथ ही उन्होंने इन्फ्रास्ट्रक्चर में जल्द सुधार की भी बात की है। कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर किए जाने की तत्काल जरूरत है। बेहतर कार्यदायी संस्था को भी शमिल किए जाने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि इससे इस सेक्टर के साथ ही उन्य बड़ी औद्योगिक इकाइयों को लाभ होगा, जिसका असर भी छोटी इकाइयों पर पड़ेगा।

"बजट में हुए प्रावधान में सीधेतौर पर एमएसएमई सेक्टर को लाभ मिलेगा। इससे शहर के उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। औद्योगिक इकाइयों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर करने की जरूरत है। -सुनील वैश्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईआईए

"अब तक लगभग 2 सौ करोड़ रुपये के रक्षा उद्योग की स्थापना के लिए एमओयू हस्तांतरित हो चुके हैं। इसका लाभ भी शहर को होगा। समयसीमा भी तय करने की जरूरत है।

-सुशील शर्मा, इंडस्ट्री चेयरमैन, मर्चेंट चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश

"बजट में गांव का खास ख्याल रखा गया है। इससे प्रोसेस्ड युनिट्स को लाभ होगा। छोटे उद्योगों को भीसीधा लाभ होगा।

-अतुल सेठ, पीआईए

"यह बजट उद्योग को बढ़ावा देने वाला है। निवेश, मूलभूत सुविधाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर छोटे बड़े उद्योगों को गति प्रदान करेंगे

-कार्तिक कपूर, अध्यक्ष, यूपीएससीए

कल्याणपुर से अटल घाट तक आरसीसी ड्रेन बनेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **207.27 करोड़ रुपये की परियोजना है**
- **6.99 किमी लंबी आरसीसी ड्रेन बनेगी**

अमृत विचार। डीपीएस कल्याणपुर से अटल घाट तक 6.99 किलोमीटर लंबी आरसीसी ड्रेन का निर्माण होगा। प्रदेश सरकार के बजट में भी इस प्रोजेक्ट लिए धन मिल गया है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए भारी भरकम बजट दिया है। ऐसे में यह परियोजना भी अब आसानी से मूर्त रूप लेगी। इसके मूर्त रूप लेने से शहर को जलभराव एवं बाढ़ से निजात दिलाने में आसानी होगी।

वर्षा जल को कलेक्शन वेल एवं पम्पिंग सिस्टम द्वारा गंगा नदी में प्रवाहित किया जाएगा। इस परियोजना की स्वीकृत लागत 207.27 करोड़ रुपये है। परियोजना को पांच वर्ष की रिटर्न पीरियड क्षमता के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इसका कैचमेंट एरिया 26.42 वर्ग किलोमीटर है, जिससे नारामऊ, कल्याणपुर नॉर्थ, विनायकपुर, ख्योरा, नवाबगंज, विष्णुपुरी, गीता नगर एवं ओल्ड कानपुर क्षेत्र लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही किदवई नगर बाईपास से पांडु नदी तक प्रस्तावित सीओडी ड्रेन निर्माण परियोजना के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत 6.20 किलोमीटर लंबी आरसीसी ड्रेन का निर्माण भी करने का प्लान है। यह प्रोजेक्ट भी अब आसानी से मूर्त रूप ले सकेगा। वर्षा जल मौजूदा नालों से होते हुए पांडुनदी में प्रवाहित किया जाएगा। परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 199.49 करोड़ रुपये है। कैचमेंट एरिया 18.88 वर्ग किलोमीटर है।

सिटी ब्रीफ

महिला से किया बैडटच, रिपोर्ट

कानपुर। सीसामऊ में महिला ने दुकानदार पर छेड़खानी का आरोप लगाते मुकदमा कराया है। गुजैनी की रहने वाली महिला के अनुसार वह नर्सिंग का काम जानती है। पीरोड में कॉस्मेटिक की दुकान करने वाले अभिषेक गुप्ता बीते माह से फोन कर गर्भवती महिला की देखरेख की बात कह रहा था। इसके बाद आठ फरवरी की रात फिर कॉल की। इस पर विश्वास में आकर उसकी दुकान पहुंच गई। वहां गर्भवती महिला नहीं थी। आरोप है कि दूसरे फ्लोर पर बहाने से ले जाकर अभिषेक ने उससे बैडटच किया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पत्नी को पीटकर दिया तीन तलाक

कानपुर। कर्नलगंज में पति ने तीन तलाक दे दिया। आरोप है कि बेटी होने के बाद पति व ससुरालीजन परेशान करने लगे थे। महिला माविया फैसल के अनुसार दिसंबर 2022 में उनका निकाह विष्णुपुरी निवासी मो. इमरान अंसारी से हुआ था। शादी के कुछ दिनों बाद दहेज को लेकर पति व ससुरालीजन उसे परेशान करने लगे। सितंबर 2024 में बेटी के होने के बाद तानें देने लगे। आरोप है कि बीते साल अक्टूबर में गर्भवती होने पर सास के कहने पर पति ने पेट में लात मार दी। इससे गर्भपात हो गया। पुलिस से शिकायत करने पर पति घर आया और तीन तलाक देने के साथ धमकी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर पति, सास-ससुर समेत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

निरालानगर मैदान के पास युवक से मारपीट

कानपुर। गोविंदनगर के निरालानगर ग्राउंड के पास कार सवार युवक से मारपीट का मामला सामने आया है। यशोदानगर के-ब्लॉक निवासी संजय शुक्ला के बेटे अभय मंगलवार शाम मोतीझील जा रहे थे। रास्ते में निराला नगर ग्राउंड के पास कार रोकी। आरोप है कि इसी दौरान तीन युवकों ने उनसे गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। फिर हमलावर उन्हें ग्राउंड के अंदर ले गए और ईंट-पत्थरों से हमला किया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

हरे पेड़ों को कटवाकर कब्जे का प्रयास रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। चकेरी में जमीन पर कब्जे के लिए आरोपियों ने हरे पेड़ों को कटवा दिया। दीवार खड़ी करा दी। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। ग्वालटोली के परमट निवासी विजय शंकर रावत के अनुसार उनका सिविल कोर्ट में जमीन का विवाद चल रहा है। कोर्ट स्टे के बावजूद आरोपी सत्य प्रकाश पांडे, उनके बहनोई घनश्याम समेत अन्य ने मिलकर बीती आठ दिसंबर को विवादित स्थल पर लगे हरे पेड़ों को कटवा दिया। विरोध पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस सूचना के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट कर जांच की जा रही है।

हत्या के प्रयास में कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट

कानपुर। चकेरी में आरोपियों ने ई-रिक्शा चालक से मारपीट कर उसका गला कसकर मारने का प्रयास किया। थाने में सुनवाई न होने पर पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीएसी मोड़ गंगागंज निवासी अल्लू यादव के अनुसार बीते 17 अक्टूबर को वह गौशाला में डॉक्टर के आने का इंतजार कर रहे थे। तभी रात साढ़े नौ बजे पड़ोसी नरेंद्र, शैलेंद्र, जितेंद्र, वीरेंद्र, करण, आकाश आकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर सभी ने मिलकर मारपीट की। इतना ही नहीं पीटने के बाद गमछे से गला कसकर जान से मारने का प्रयास किया। लोगों के बीच-बचाव पर रुपये छीनकर मौके से भाग निकले।

डॉक्टर समेत सात मिले नदारद

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को गीता नगर स्थित क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। यहां कर्मी संदीप कुमार कटियार, चंद्रशेखर गौड़, श्रुति वर्मा, नंदराम प्रजापति और विजय समेत छह कार्मिक अनुपस्थित मिले। वहीं, कल्यानपुर पीएसची में निरीक्षण के दौरान मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुनीता सेठ उपस्थित मिली। उपस्थिति पंजिका में टेलीमेडिसिन की डॉ .प्रकांक्षा कटियार का हस्ताक्षर मिला, लेकिन वह मौके पर नहीं थी।

कार से हुए हादसे का मामला, पुलिस बोली-कार शिवम चला रहा था, चार्जशीट लगाएंगे

लैंबोर्गिनी कार के मालिक और पीड़ित में समझौता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लैंबोर्गिनी कार हादसे में भले पीड़ित और कार मालिक के वकील समझौता होने का दावा कर रहे हैं। लेकिन पुलिस की नजर में उस समझौते का कोई मतलब नहीं है। पुलिस कार हादसे की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से विवेचना कर रही है और जल्द ही तंबाकू कारोबारी के बेटे शिवम मिश्रा को कार चालक मानते हुए न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करेगी।

कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा ड्राइवर मोहन। अमृत विचार

रविवार दोपहर वीआईपी रोड पर तंबाकू कारोबारी के बेटे शिवम की तेज रफ्तार लैंबोर्गिनी कार ने ऑटो, बुलेट में टक्कर मार दी थी। हादसे में चमनगंज के तौफीक समेत चार लोग घायल हुए थे। मो. तौफीक की तहरीर पर सोमवार को ग्वालटोली पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। वहीं, विवेचना में कार शिवम मिश्रा द्वारा चलाने की बात सामने आने के बाद पुलिस ने अज्ञात चालक की जगह उनका नाम जोड़ दिया था। हादसे के बाद थाने में खड़ी की गई दिल्ली नंबर वाली लैंबोर्गिनी को पुलिस ने सोमवार को ही सीज कर दिया था। मामले की विवेचना के लिए सोमवार को शिवम के आर्यनगर स्थित घर गए पुलिस कर्मी गेट न खोले जाने के बाद वापस लौट गए थे। इसके बाद मामले के तूल पकड़ने पर मंगलवार को शिवम के पिता केके मिश्रा ग्वालटोली थाने पहुंचे थे और बेटे का बचाव किया था। वहीं, बुधवार को कार मालिक के वकीलों ने पीड़ित तौफीक और मोहनलाल नामक युवक को कार चालक बताकर दोनों के बीच समझौता होने का दावा किया। घटना में चमनगंज के घोसियाना निवासी ई-रिक्शा चालक मोहम्मद तौफीक के बाएं पैर में चोट आई थी। इस समझौता पत्र के अनुसार तौफीक का इलाज करा दिए जाने से वह आगे कोई कार्रवाई नहीं चाहते हैं। वहीं, मामले में पुलिस ने विवेचना में अज्ञात चालक की जगह शिवम द्वारा गाड़ी चलाए जाने के साक्ष्य मिलने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार घटना के वक्त शिवम कार में अकेला था। जबकि पीछे एक कार में उसके सुरक्षा कर्मी चल रहे थे। हादसे के बाद सुरक्षाकर्मियों ने ईंट से कार का कांच तोड़कर शिवम को बाहर निकाला था। इसके फुटेज भी पुलिस को मिल गए हैं। जिसमें सुरक्षाकर्मी शिवम को निकालते दिख रहे हैं। हालांकि इस फुटेज में दूसरा कोई व्यक्ति निकाला जाता नहीं दिखा।

- पुलिस ने कहा, समझौते से मतलब नहीं, विवेचना में शिवम का नाम आया है

ऑपरेशन त्रिनेत्र के कैमरों से मिलेगी पुलिस को मदद

- विवेचना में जुटी पुलिस घटना के बाद से वीआईपी रोड पर लगे कैमरों की फुटेज खंगाली है। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए इन कैमरों की फुटेज पुलिस के लिए अहम साबित होंगी। इससे पुलिस को आरोपी शिवम के कार में अकेले होने और कार के रफ्तार में होने का पता चल सकेगा।

> पीड़ित ने हादसे के बाद अज्ञात चालक पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने कार सीज कर विवेचना को आगे बढ़ाया तो हादसे के वक्त शिवम मिश्रा द्वारा कार चलाए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद शिवम का नाम जांच में शामिल कर लिया गया। अब पीड़ित के समझौते की बात चर्चा में आई है। पुलिस को उससे कोई सरोकार नहीं है। हम पूरी कानूनी कार्रवाई कर चार्जशीट माननीय न्यायालय में दाखिल करेंगे।
>
> **रघुबीर लाल, पुलिस कमिश्नर**

24 घंटे बाद हुई दूसरे मृत युवक की शिनाख्त

कानपुर। बिठूर के नारामऊ में तेज रफ्तार कंटेनर की चपेट में आए युवक की बुधवार पोस्टमार्टम पर परिजनों ने शिनाख्त की। परिजनों में कोहराम मच गया।

नारामऊ स्थित जीटीरोड पर सोमवार देर रात दो पक्षों में मारपीट हुई थी। इसी बीच कन्नौज की तरफ जा रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने दो युवकों को कुचल दिया था। जिसमें एक की पहचान कल्याणपुर के आईआईटी गेट के पास रहने वाले 30 वर्षीय सूरज के रूप में हुई थी। जबकि दूसरे की पहचान बुधवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने चौबेपुर के लक्खा गांव निवासी 26 वर्षीय करन गौतम के रूप में की। पिता राम प्रकाश ने बताया कि करन पेशे से ड्राइवर व तीन भाइयों में सबसे छोटा था। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि पहले अपने काम से गया था, उसके बाद रात में उसके दोस्त से कहीं झगड़ा होने की जानकारी हुई। इस पर वह भी साथ गया था। बतादें कि सूरज आईआईटी के पास प्रेम नारायण फास्ट फूड पर काम करता था। सोमवार रात उसके मालिक का नशेबाज युवकों से विवाद हो गया था। दुकान बंद होने पर सूरज मालिक के साथ नारामऊ में नशेबाज युवकों से मारपीट करने गया था। तभी दोनों पक्ष करते जीटी रोड पर पहुंच गए।

एडी बेसिक के लिपिक का शव लटका मिला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में सहायक शिक्षा निदेशक (एडी बेसिक) में तैनात सहायक लिपिक का शव बुधवार फंदे पर शव लटका मिला। सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की। परिजनों ने घरेलू कलह के चलते आत्महत्या की बात कही है।

उपेंद्र सिंह।

मूलरूप से नर्वल के रहने वाले सहायक लिपिक 40 वर्षीय उपेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सनिगवां स्थित संदीपनगर में किराए पर रहते थे। परिवार में पत्नी वंदना व दो बेटियां कृतिका व अंशिका हैं। नर्वल निवासी बहनोई सतीश श्रीवास्तव ने बताया कि उपेंद्र नेपाल के सुरकेत निवासी थे। बचपन में ही उनके माता-पिता नर्वल आए थे। उन्होंने बताया कि बीते कई दिनों से वह काफी परेशान थे। बुधवार को ड्यूटी भी नहीं गए थे। पता चला कि कई दिनों से वह ठीक से खाना भी नहीं खा रहे थे। जानकारी होने पर उन्हें फोन करके समझाया था। वहीं पत्नी ने बताया कि वह कई दिनों से अस्वस्थ थे। सोमवार से कार्यालय नहीं गए थे। बुधवार दोपहर एक बजे सोने की बात कहकर कमरे में गए, इसके बाद बाहर नहीं निकले। जब वह शाम पांच बजे जगाने गईं तो कई आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। जब उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो दुपट्टे से शव लटका देखकर सन्न रह गईं। गांधीग्राम में रहने वाली छोटी बहन सीमा थापा ने बताया कि 2021 में भाई की शादी वंदना से हुई थी। शादी के बाद से ही उनके बीच कलह होने लगी थी। कलह के कारण वह कई बार घर भी नहीं जाते थे। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कितहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

- परिजनों ने कहा, घरेलू कलह से परेशान होकर की आत्महत्या
- घरेलू कलह के कारण कई दिन तक घर नहीं जाते थे

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

रिमोट एक्सेस से हाईटेक नकल, हत्थे चढ़ा अभ्यर्थी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता स्थित आरपीएम सेंटर पर एसएससी एमटीएस की ऑनलाइन परीक्षा में रिमोट एक्सेस से हाईटेक नकल पकड़ी गई। कंप्यूटर सिस्टम से अभ्यर्थी का हाथ हटवाने के बाद भी माउस चलता मिला। ऑब्जर्वर की शिकायत पर अभ्यर्थी को पुलिस ने पकड़ लिया। थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि मामले मे सात साल की कम सजा होने के कारण उसे नोटिस देकर छोड़ा गया है।

ऑनलाइन आरपीएम सेंटर पर कार्यरत इक्विटी केयर टेक्नोलॉजी प्रा.लि. के वेन्यू मैनेजर शिवांशु शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई की है। उन्होंने दी तहरीर में बताया कि बीते सोमवार को दो पॉलियां में परीक्षा थी। दूसरी पॉली में ऑब्जर्वर मोहित कुमार शर्मा व केंद्र स्टाफ की निगरानी में मामला पकड़ में आया। मोहित ने ऑनलाइन परीक्षा दे रहे अभ्यर्थी कन्नौज के सतुरा निवासी अभय सिंह का कंप्यूटर सिस्टम से हाथ हटवाया तो भी उसका माउस खुद चलता मिला। सिस्टम की तकनीकी जांच में पाया गया कि रिमोट एक्सेस की सक्रियता है। इस पर अभ्यर्थी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया। नौबस्ता थाना प्रभारी ने बताया कि आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। अतिरिक्त निरीक्षक नदीम अहमद सिद्दीकी को जांच सौंपी है। मामले में सात साल की कम सजा होने के कारण अभ्यर्थी को नोटिस देकर छोड़ा गया है।

क्या होता है रिमोट एक्सेस : रिमोट एक्सेस ऐसी तकनीक है जिसमें इंटरनेट के जरिए किसी दूर स्थान से कंप्यूटर, सर्वर से जुड़ व उसका उपयोग कर सकते हैं। भौतिक रूप से मौजूद हुए बिना सिस्टम को कंट्रोल करने की सुविधा मिलती है।

- एसएससी एमटीएस की ऑनलाइन परीक्षा में शामिल हुआ था कन्नौज का अभ्यर्थी
- इक्विटी केयर टेक्नोलॉजी प्रा.लि. के वेन्यू मैनेजर ने पकड़ा, उनकी तहरीर पर रिपोर्ट

सीटेट में भाभी की जगह परीक्षा देते पकड़ी गई थी ननद

- कानपुर। बर्रा स्थित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) में बीते शनिवार को भी भाभी की जगह पेपर देने पहुंची ननद को बायोमैट्रिक जांच के दौरान पकड़ा गया था। अभ्यर्थी की पहचान मेल न खाने पर स्कूल प्रशासन ने उसे पुलिस के हवाले किया था। पकड़ी गई अभ्यर्थी कन्नौज के घना पूर्वा लाख निवासी अजब सिंह की पुत्री संध्या, दो पालियों की परीक्षा में पहली पॉली में चकेरी में अपना पेपर देकर आई थी। अपनी भाभी शिवानी देवी की जगह पर परीक्षा दे रही थी। पकड़े जाने पर उसे परीक्षा कक्ष से बाहर कर दिया गया था।

सीएनजी बसों के चालक, परिचालकों का प्रदर्शन

कानपुर। संचालन अवधि खत्म होने पर फजलगंज स्थित सीएनजी सिटी बस डिपो से संचालित हो रही सीएनजी सिटी बसें अब बंद हो चुकी हैं। इन बसों के चालक, परिचालक बेरोजगार हो गये हैं। भुखमरी के कगार पर पहुंचे चालक, परिचालकों ने क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। चालक, परिचालकों का कहना है कि उनका परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है, त्योहार भी सिर पर है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम कानपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार का कहना है कि सीएनजी चालित सिटी बसें कंपनी के अधीन थीं। वर्ष 2009 से 2011 तक परिवहन के कर्मचारी सीएनजी सिटी बसों का संचालन करते थे लेकिन उसके बाद कानपुर सिटी बस ट्रांसपोर्ट सर्विसेज के अधीन ये बसें हो गयीं।

22 निजी अस्पतालों को नोटिस, एक सील किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिठूर स्थित राजा नर्सिंग होम के वार्मर मशीन में नवजात की जलकर मौत होने के बाद बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कल्यानपुर थाना क्षेत्र में स्थित 27 निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया, जिनमे से 22 अस्पतालों में कई कमियां मिलने पर उनको नोटिस जारी किया। बिना अनुमति चल रहे आईसीयू, एनआईसीयू व ओटी को सील किया। एक संचालक तो हॉस्पिटल बंद कर भाग गया। टीम ने एक निजी हॉस्पिटल सील किया।

नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ. रमित रस्तोगी ने बताया कि कल्यानपुर के न्यू शिवली रोड पर संचालित किए जा रहे निजी अस्पतालों का निरीक्षण करने पर कई प्रकार की खामियां मिली हैं। निरीक्षण में खाटू नर्सिंग होम का आईसीयू, एंजल हॉस्पिटल, रिलैक्स हॉस्पिटल व जी-वन हेल्थ सेंटर की ओटी सील की गई। मां चाइल्ड केयर हॉस्पिटल की एनआईसीयू सील करते हुए पूरा हॉस्पिटल किया गया।

अस्पताल में सील की कार्रवाई करते एसीएमओ डॉ .रमित रस्तोगी। अमृत विचार

एहसास हॉस्पिटल का एनआईसीयू सील किया गया। इसके बाद श्रीराधे मेडिकल सेंटर, चरक नर्सिंग होम, आरोग्य मेडिकल सेंटर, जीवन हॉस्पिटल, रूद्राक्ष हॉस्पिटल, श्रीराधे हॉस्पिटल, माधव हॉस्पिटल, मां वैष्णवी हॉस्पिटल, प्रांजल मेडिकल सेंटर, शिव हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर, भूमि हॉस्पिटल, न्यू नीलम सरोज हॉस्पिटल, बालाजी हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर व ओम शक्ति हॉस्पिटल समेत 22 हॉस्पिटलों को नोटिस जारी किया गया है। इनमे से कई अस्पतालों में डॉक्टर नहीं थे, प्रशिक्षित स्टाफ नहीं मिला। कुछ के बोर्ड पर एनआईसीयू व आईसीयू की सुविधा का जिक्र था, लेकिन हॉस्पिटल के अंदर उसकी सुविधा तक नहीं थी। एमएक्स हॉस्पिटल का संचालक को टीम को देखकर हॉस्पिटल बंदकर चला गया। इसपर टीम ने हॉस्पिटल के गेट पर नोटिस चस्पा की। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी ने बताया कि निजी नर्सिंग होम व हॉस्पिटलों में मिली कमियों के आधार पर नोटिस देकर तीन कार्य दिवस में जवाब मांगा गया है। साथ ही सील किए गए हॉस्पिटलों को निर्देश दिए गए कि परिसर में कोई मरीज भर्ती न किया जाएं। भर्ती मरीजों को तत्काल अन्य चिकित्सालय में संदर्भित कराया जाए।

- बिना डॉक्टर, प्रशिक्षित स्टाफ व अपग्रेड पंजीकरण के चल रहे थे अस्पताल

महाशिवरात्रि पर आज से बदला रहेगा यातायात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर कानपुर के बिठूर क्षेत्र में 12 फरवरी से 16 फरवरी तक भारी वाहनों के लिए रूट डायवर्जन किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने असुविधा होने पर संपर्क नंबर भी जारी कर दिया है।

बुधवार को शिव बारात की तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया और आयोजक के साथ बैठक की जिसमें सुरक्षा, यातायात, भीड़ नियंत्रण जैसे बिंदुओं पर चर्चा हुई। महाशिवरात्रि पर्व के चलते 12 से 16 फरवरी तक बिठूर क्षेत्र में यातायात पुलिस ने भारी वाहनों के लिए यातायात में बदलाव किया है। ट्रैफिक पुलिस ने अपने कंट्रोल रूम का नंबर 930510-4340 एवं ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर 930510-4387 जारी किया है।

आज से यहां रहेगा रूट डायवर्जन

- बिठूर तिराहा या ब्लू वर्ल्ड तिराहे से भारी वाहन बिठूर की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये वाहन मंधना चौराहा या गंगा बैराज से होकर जाएंगे।
- चौबेपुर से कोई भी भारी वाहन बिठूर की तरफ नही जा सकेगा बल्कि ये वाहन चौबेपुर से मंधना होते हुए जाएंगे।
- यश कोठारी चौराहे से कोई भी भारीवाहन बिठूर की ओर नहीं जाएगा बल्कि ऐसे वाहन मंधना चौराहा या सिंहपुर तिराहा से होकर जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग में नौकरी के नाम पर 6.65 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंदनगर में स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगवाने के नाम पर आरोपी ने 8.35 लाख रुपये ठग लिए। ज्वाइनिंग लेटर भी थमा दिया। कई माह तक नौकरी न लगने पर टोका तो आरोपी टरकाने लगा। संदेह होने पर पीड़ित ने रुपये मांगे तो धमकी दी। किसी तरह आरोपी के पिता ने 1.70 लाख लौटाए, बाद में वह भी मुकर गए। पीड़ित ने ठगी, धमकी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गुजैनी के ए-ब्लाक निवासी प्राइवेट कर्मी सौरभ गुप्ता के अनुसार उनकी पत्नी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय कार्यक्रम में बर्रा आठ इलाके की एक महिला काम करती है, जो अपने बेटे रविकांत वर्मा व उनकी बहन पूजा को भी साथ ले जाती थी। इसी बीच उनकी मुलाकात रविकांत से हुई तो उसने सचिवालय में अपनी जान-पहचान बताकर बहन की नौकरी लगवाने की बात कही। एक बार वह उसे सचिवालय भी ले गया, जहां अधिकारी बताकर कई लोगों से मिलवाया। फिर नौकरी लगवाने के लिए 10 लाख की मांग की। बहन का भविष्य देखते उसने अपनी पत्नी को कुछ नहीं बताया और रविकांत के खाते में 5.85 लाख ऑनलाइन ट्रांसफर किया। फिर 2.50 लाख रुपये नकद दिए। कुल 8.35 लाख रुपये दिए। इसके बाद आरोपी रविकांत ने ज्वाइनिंग लेटर थमा दिया। कहां कि जल्द हस्ताक्षर भी करवा देंगे। तब बकाया रकम देना। लेकिन कई माह बीत जाने पर जब उसे फोन किया तो स्विचऑफ मिला। उससे पहले आरोपी ने बात करना भी बंद कर दिया था। संदेह होने पर उसके घर गया तो रविकांत ने न नौकरी लगेगी और न पैसा मिलेगा। विरोध पर उसने झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। उसके पिता रमाकांत से फोन पर शिकायत की तो उन्होंने कई बार में पैसे लौटने को कहा। लेकिन 1.70 लााख ऑनलाइन ट्रांसफर करने के बाद वह भी धमकाने लगे। 6.65 लाख रुपये आरोपियों ने ठग लिए। इस पर पुलिस से शिकायत की। गोविंदनगर पुलिस ने बताया कि रविकांत, उसके पिता व भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

- आरोपी ने सचिवालय में पहुंच बताकर दो बार में हड़पे 8.35 लाख रुपये
- 1.70 लाख लौटाकर पिता-पुत्रों ने झूठे मामलों में फंसाने की दी धमकी

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

रमजान करीब — मदरसों, मस्जिदों, विभिन्न ग्राउंड पर अदा की जाएगी नमाज

500 से अधिक जगह होगी तरावीह नमाज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इस्लाम का सबसे पवित्र महीना रमजान-उल-मुबारक है। इस महीने में प्रत्येक मुसलमान को एक कुरआन सुनना अनिवार्य होता है, इसके लिए जगह जगह विशेष नमाज की जाती है जिसमें पेशइमाम कुरआन सुनाते हैं। इस विशेष नमाज की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। अपने शहर में 500 से अधिक स्थानों पर तरावीह की नमाज अदा की जाएगी।

नमाज पढ़ते नमाजी। (फाइल फोटो)

रमजान-उल-मुबारक का चांद 16 या 17 फरवरी को दिखाई देगा, जिस शाम ये चांद नजर आएगा, उसी रात से तरावीह की नमाज शुरु हो जाएगी। महानगर में सबसे बड़ी तरावीह की नमाज चमनगंज स्थित हलीम कालेज ग्राउंड पर होती, यहां 45 से 50 हजार लोग एक साथ नमाज अदा करते हैं। इसी प्रकार मदरसा जामे उलूम पटकापुर, मदरसा अशरफुल मदारिस गद्दियाना, मदरसा इशाअतुल उलूम कुली बाजार समेत शहर के विभिन्न मदरसों के अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर नमाज अदा की जाएगी।

कहीं तीन दिन तो कहीं 27 दिन की तरावीह: अपने शहर में कहीं तीन दिन में ही तरावीह खत्म हो जाती है, यानी तीन दिनों में ही पूरा कुरआन हाफिज जी सुना देते हैं, जैसे हलीम कालेज ग्राउंड पर 6 दिन में तरावीह खत्म होती है। जामा मस्जिद शफियाबाद में प्रथम तल और ग्राउंड पर अलग अलग नमाज होती है। इसी प्रकार जाजमऊ, केडीए कालोनी, कैंट, रेल बाजार, फेथफुलगंज, सुजातगंज, बाबू पुरवा, बेगमपुरवा, मछरिया, रोशन नगर, काकादेव, रावतपुर समेत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तरावीह की नमाज पढ़ी जाएगी।

यूट्यूबर्स ने बच्चे को अगवा किया, मजाक बताकर छोड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ई ब्लाक बर्रा निवासी चौथी कक्षा के छात्र का बर्रा के दो यूट्यूबर्स ने अपहरण कर लिया। फोन कर परिजनों से फिरौती मांगी। पकड़े जाने की आशंका पर बच्चे को छोड़ दिया और परिजनों से कहा कि मजाक किया था। मामले में पुलिस अब जांच कर रही है। परिजनों ने अपहरण की तहरीर थाने में दी है।

ई ब्लाक बर्रा आठ निवासी अमित शुक्ला का 10 वर्षीय बेटा मेहरबान सिंह का पुरवा स्थित एक स्कूल में कक्षा चार में पढ़ता है। वह शाम करीब साढ़े सात बजे सब्जी लेने के लिए बाजार गया था। वह जब करीब 20 मिनट तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी बीच उनके पास फोन कॉल आई और बताया गया कि बच्चे का अपहरण हो गया है। फिरौती की रकम लेकर उन्हें रविवार को बताए हुए स्थान पर पहुंचना होगा। परिजन घबरा गए और उन्होंने मामले की जानकारी पड़ोसियों और पुलिस को दी। पुलिस हरकत में आ गई और बच्चे की तलाश शुरू की। जिस नंबर से फोन आया था वह बंद हो गया था। 8.20 बजे अपहरणकर्ताओं ने पुनः फोन किया और कहा कि उन्होंने मजाक किया था। वे तो सिर्फ यूट्यूब पर डालने के लिए वीडियो बना रहे थे। बच्चा सकुशल अपने घर पहुंच गया तो परिजनों को राहत मिली। परिजन बच्चे को लेकर थाने पहुंचे अब वहां पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही जिस नंबर से फोन आया था वह पुनः बंद हो गया। अब पुलिस यह जानने में जुटी है कि नंबर किससे नाम पर दर्ज है। डीसीपी दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

- बर्रा आठ निवासी चौथी कक्षा का छात्र सब्जी लेने गया था

सिटी ब्रीफ

चिड़ियाघर में फिर चलेगी टॉय ट्रेन

कानपुर। चिड़ियाघर में 3 साल पहले हादसे में महिला की मौत के बाद टॉय ट्रेन का संचालन बंद कर दिया गया था। इस टॉय ट्रेन को एक बार फिर चलाने की तैयारी है। जू प्रशासन टॉय ट्रेन संचालन में आने वाली खामियों को दूर करने पर मंथन कर रहा है ताकि भविष्य में कोई अप्रिय घटना नहीं हो।

9 बसें महाकुंभ से लौटीं ही नहीं

कानपुर। विमान नगर स्थित ई बसों के डिपो की बसें महाकुंभ में भेजी गयी थीं लेकिन इनमें 9 बसें अभी तक वापस नहीं आई हैं। ये बसें जल्द ही कानपुर आएंगी। ई बस डिपो के संचालन प्रबंधक अभिनव निगम ने बताया कि जल्द ही कानपुर से प्रयागराज, रायबरेली, लखनऊ समेत कई जिलों के लिए ई बस सेवा शुरू की जाएगी।

हादसे में युवक की मौत में रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। नौबस्ता में ट्रक की टक्कर से युवक की मौत के मामले में मछरिया के संजयनगर कालोनी निवासी साजन बाल्मीकि ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर के अनुसार उनका बेटा अमित सात फरवरी की रात नौकरी से लौट रहा था। तभी रास्ते में यशोदानगर बाइपास की ओर से आए ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी थी। गंभीर हालत में उसे हैलेट ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

दुलारे और एसएस ज्वैलर्स पर आयकर विभाग का सर्वे

60 से अधिक अधिकारियों की छह टीमों ने की जांच-पड़ताल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के सराफा कारोबारियों के 6 स्थानों पर आयकर का सवे हुआ। बुधवार को हुए सर्वे में दो कारोबारियों के प्रतिष्ठानों को अधिकारियों ने जद में लिया। ज्वैलर्स के प्रतिष्ठानों के अलावा उनके घरों पर भी आयकर अधिकारियों ने कागजात खंगाले। सर्वे के दौरान सभी के मोबाइल फोन को जब्त कर लिया गया। प्रतिष्ठान व घरों में किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश व निकासी पर प्रतिबंध लगा रहा। देर रात तक चली अफसरों की जांच-पड़ताल कागजी दस्तावेज और हार्डडिस्क को कब्ज में लिया गया।

आयकर का सर्वे दुलारे ज्वैलर्स और एसएस ज्वैलर्स के प्रतिष्ठानों हुआ। विभाग की ओर से 60 से अधिक अधिकारियों ने छह अलग-अलग टीमें बनाकर एक साथ कई प्रतिष्ठानों पर जांच पड़ताल शुरू की। विभाग के अधिकारियों ने एसएस ज्वैलर्स के मालिक अरुण गोयल के नयागंज के बागला

शोरूम के बाहर फोर्स तैनात रही। अमृत विचार

- सर्वे के दौरान मोबाइल किए गए जब्त, निकासी पर भी प्रतिबंध

बिल्डिंग में शोरूम और आनंदपुरी स्थित आवास पर जांच की। वहीं दुलारे ज्वैलर्स के लाल बंगला, बिरहाना रोड और किदवई नगर स्थित शोरूम पर भी सर्वे किया गया। आयकर के अधिकारियों ने इन्हीं ज्वेलर्स के एक अन्य स्थान पर भी सर्वे किया। बताया गया कि लगातार विभाग को दोनों कारोबारियों के यहां टैक्स कम दिखाने की शिकायत मिल रही थी। जबकि दोनों फर्मों से कारोबारियों की आय ज्यादा थी। आयकर अधिकारियों ने दोनों ज्वैलर्स के कारोबार पर निगरानी शुरू की। जिसके बाद बुधवार को आयकर विभाग की रेंज-1 की टीमों ने सर्वे की काररवाई की। यह कार्रवाई देर रात तक जारी रही। आयकर विभाग की टीम ने कारोबारी दस्तावेज, लेन-देन के रिकॉर्ड और स्टॉक से संबंधित अभिलेखों की गहन पड़ताल की।

कक्षा एक से पांच तक के 1,60,849 बच्चों को लगेगा टीका

कानपुर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में 16 फरवरी से 27 फरवरी तक मीजल्स रूबेला उन्मूलन अभियान का संचालन 4 से 6 नॉन आरआई दिवसों में किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत कक्षा-1 से कक्षा-5 तक के सभी बच्चों को खसरा व रूबेला टीकाकरण किया जाएगा।

सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी की अपील है कि खसरा रूबेला उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत सभी अभिवावक अपने 5 वर्ष से 10 वर्ष तक के बच्चें का एमआर वैक्सीन जरूर लगवाएं। अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें, जिससे समाज से खसरा रूबेला जैसे संचारी रोग की रोकथाम हो सके। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ.यूबी सिंह ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए सरकारी स्कूल, मदरसा, प्राईवेट स्कूल 12,692 के सापेक्ष कक्षा-1 से कक्षा 5 तक के 1,60,849 बच्चों को खसरा रूबेला टीकाकरण से आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिये सभी बच्चों के अभिववाक से सहयोग अपील की जाती है। प्रोग्राम आफिसर हुदा जहेरा ने अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन लेकर पहुंचे कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

कांग्रेसियों की नारेबाजी, बच्ची के परिजनों को 50 लाख रु. दें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- निजी हॉस्पिटल मालिक एवं दोषी अफसरों पर सख्त कार्रवाई हो
- कानपुर के सभी निजी हॉस्पिटल की सूची प्रशासन सार्वजनिक करे

अमृत विचार। बिठूर स्थित निजी नर्सिंग होम के एनआईसीयू में आग लगने से जलकर मरी बच्ची के परिजन को 50 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। कांग्रेस ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करके ये मांग की। मांग की गई कि चिकिसा विभाग के उन अधिकारियों पर भी कार्यवाही हो जिन्होंने हॉस्पिटल को संचालित होने दिया।

बुधवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में कांग्रेसी जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे लेकिन डीएम के नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। मांग की गई कि कानपुर के सभी निजी हॉस्पिटल की वर्तमान स्थिति की जांच रिपोर्ट जनता के बीच सार्वजनिक की जाए। कानपुर में कितने निजी हॉस्पिटल नर्सिंग होम नियम और मानक के तहत चल रहे हैं उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। बिना पंजीयन चल रहे नर्सिंगहोम तत्काल बंद हों। हरप्रकाश अग्निहोत्री, निजामुद्दीन खां, प्रतिभा अटल, इक़बाल अहमद, रितेश यादव, सैमुएल लकी सिंह, रमाकांत मिश्रा, श्याम देव सिंह, इकलाक अहमद, पदम मोहन मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, आसिफ इकबाल, जावेद उस्मानी, जितेंद्र गिरी, इस्लाम सिद्दीकी, अर्मेंद्र सिंह, डॉ महादेव, विवेक पाल, धर्मेंद्र सिंह, मनोज दुबे, राम प्रकाश तिवारी, शाकिर अली उस्मानी आदि थे।

पं. केए दुबे पद्मेश का सम्मान किया गया। अमृत विचार

11 बटुकों का किया गया उपनयन संस्कार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नारायण सेवा आश्रम की ओर से संस्कार महा महोत्सव में 11 बटुको का उपनयन संस्कार हुआ।

इसके साथ ही आचार्य सम्मान समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में ज्योतिषाचार्य केए दुबे पद्मेश उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक और नारायण सेवा आश्रम के महामंत्री पंडित राम जी त्रिपाठी ने बताया कि संस्कार युक्त जीवन हमारे जीवन का प्रथम एवं एक मात्र दायित्व में से एक है। साथ ही कहा कि संस्कृति की रक्षा भी केवल संस्कार से ही हो सकती है। मुख्य रूप से नारायण सेवा आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष गणेश तिवारी, कोषाध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, उपाध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा मौजूद रहे ।

राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ का आंदोलन आज

कानपुर। राज्य कर्मचारी आठवें पे कमीशन का शीघ्र भुगतान, संविदा आउटसोर्सिंग का नियमितिकरण आदि मांगों को लेकर गुरुवार अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर प्रदेश व देश आंदोलन होगा।

उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष कमल अग्रवाल ने प्रदेश सरकार के पूर्वांचल व दक्षिणांचल डिस्कॉम को निजी हाथों में सौंपने के फैसले की निंदा की। कहा कि विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के लंबे समय से चल रहे आंदोलन का उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ समर्थन करता है। केंद्र सरकार पीएफआरडीए एक्ट रद्द कर पुरानी पेंशन लागू करने की बजाय यूपीएस लागू कर करोड़ों कर्मचारियों के जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कोड़ियों के भाव में निजी हाथों में सौंपा जा रहा है।

आयकर कानूनों, प्रावधानों पर चर्चा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा 'यूनियन बजट 2026' के तहत गोष्ठी हुई। प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर के प्रावधानों पर चर्चा हुई। आयकर भवन, सिविल लाइन्स, स्थित एसोसिएशन हॉल में विशेषज्ञों ने अनुभव साझा किए।

गोष्ठी में कर विशेषज्ञ सीए गोविंद कृष्णा ने कहा कि यह बजट कर दरों में बड़े बदलाव का नहीं, बल्कि कर प्रणाली के पुनर्गठन, अनुपालन सरलीकरण और विधिक स्पष्टता का बजट है। जिन व्यापारियों एवं पेशेवरों के खातों का ऑडिट आवश्यक नहीं है, उनके लिए रिटर्न फाइलिंग की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अगस्त करने का प्रस्ताव। ट्रस्टों को भी अतिरिक्त समय प्रदान करने का प्रावधान किया गया है सके अनुसार बिना ऑडिट वाले ट्रस्ट के लिए भी विवरणी अखिल कारसमय 31 अगस्त की जा रहा है। संशोधित

गोष्ठी में मौजूद एक्सपर्ट्स। अमृत विचार

- कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की गोष्ठी

रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 9 माह से बढ़ाकर 12 माह करने का प्रस्ताव इससे करदाताओं को त्रुटि सुधारने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा दिए गए मुआवजे के ब्याज पर अब कोई टीडीएस नहीं देय होगा क्योंकि ऐसा ब्याज करमुक्त कर्णवे का प्रस्ताव है इससे दुर्घटना ग्रस्त परिवार को राहत देने का पवधान किया गया है। प्रवासी विक्रेता से संपत्ति खरीदने वाले निवासी व्यक्तियों/एचयूएफ को अब टैन लेने की आवश्यकता से छूट देने का प्रस्ताव टीसीएस दरों का युक्तिकरण कुछ दरों में कमी, कुछ में वृद्धि। विदेशी टूर पैकेज पर टीसीएस दर घटाकर 2 फीसदी करने का प्रस्ताव। इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार द्विवेदी ने कहा कि ऐसे अध्ययन सत्र कर-पेशेवरों के साथ-साथ आम करदाताओं के हितों की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इससे कर प्रणाली में पारदर्शिता एवं विश्वास बढ़ता है। गोष्ठी का संचालन कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के महामंत्री सीए शरद सिंघल ने किया।

यूपी बोर्ड परीक्षा में 92,444 परीक्षार्थी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जोनल मजिस्ट्रेट 9, सेक्टर मजिस्ट्रेट 16, स्टैटिक मजिस्ट्रेट 124 लगेंगे

अमृत विचार। यूपी बोर्ड हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2026 18 फरवरी से 12 मार्च तक होगी। परीक्षा की तैयारियों को लेकर बुधवार को बैठक हुई। एचबीटीयू विश्वविद्यालय के शताब्दी भवन में हुई बैठक में केंद्र व्यवस्थापकों को दिशा निर्देश दिए गए। बताया गया कि इस बार परीक्षा में 92,444 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा की सुरक्षा के लिए जोनल मजिस्ट्रेट 9, सेक्टर मजिस्ट्रेट 16, स्टैटिक मजिस्ट्रेट 124 तैनात किए जाएंगे।

बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित तिथि से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। प्रश्नपत्रों के सुरक्षित भंडारण की बेहतर व्यवस्था, सीसीटीवी की सतत निगरानी, प्रकाश, पेयजल, शौचालय, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि 92,444 परीक्षार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी, शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराई जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में बताया गया कि इस बार जिले में हाईस्कूल के 46430 एवं इंटरमीडिएट के 46014 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे । यह परीक्षा 124 परीक्षा केंद्रों पर होगी। जिनमें 7 राजकीय माध्यमिक विद्यालय, 73 अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय एवं 44 वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं।

हलीम महाविद्यालय में लगी यूनानी औषधियों की प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हलीम महाविद्यालय में यूनानी औषधियों की प्रदर्शनी लगाई गई और संदेश दिया गया कि यूनानी औषधि को अपनाएं क्योंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। बुधवार को विश्व यूनानी दिवस पर नुडवा एवं एआईयूटीसी के संयुक्त तत्वावधान में हलीम मुस्लिम डिग्री कालेज सभागार में सेमिनार आयोजित किया गया एवं यूनानी औषधियों की प्रदर्शनी लगाई। मुख्य अतिथि डॉ. मोहम्मद शाहिद ने विचार रखे। अध्यक्षता

हलीम डिग्री कालेज में यूनानी दिवस पर अतिथिओं का स्वागत किया गया। अमृत विचार

हलीम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तनवीर अख्तर ने की। विशिष्ट अतिथि न्यूरो सर्जन डॉ. जुबैर सरकार ने विचार रखे। संचालन डॉ. मोहम्मद अलीम एवं डॉ. आफताब आलम ने किया। वक्ताओं ने कहा

- यूनानी को अपनाएं, इसका कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होता

कि यूनानी औषधियों से शारिरीक नुकसान हुए बिना उत्तम इलाज सम्भव है। यूनानी के प्रचार प्रसार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। संयोजक डॉ. जीशान अंसारी ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया। सेमिनार में प्रमुख रूप से डॉ.इफ्तिखार, डॉ. आलम, डॉ. अबु सामा खुर्शीद, हयात जफर हाशमी, इखलाक अहमद डेविड, शाहिद कामरान, अबुल हसन, सैय्यद अबरार अली आदि मौजूद रहे।

13 से फागुन की फुलवारी का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीएसजेएम विश्वविद्यालय के सीनेट लॉन में होगा आयोजन

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की ओर से फाल्गुन की फुलवारी का आयोजन किया जा रहा है। 13 व14 फरवरी को विश्वविद्यालय के सीनेट लॉन परिसर में होने वाले आयोजन में भारतीय ग्रामीण परंपराओं, कृषि नवाचारों, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति एवं युवाओं की सृजनात्मक ऊर्जा का संदेश दिया जाएगा।

महोत्सव में पारंपरिक खेलों जैसे रस्साकशी, गिल्ली-डंडा, गोली-कंचा सहित अन्य लोकखेलों का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत लोकनृत्य, समूह गायन, नाट्य प्रस्तुतियाँ तथा 'फागुनिया थाप' के माध्यम से लोकवेशभूषा एवं पारंपरिक लोकवाद्य यंत्रों की सजीव प्रस्तुति दी जाएगी। 'चौपाल चबूतरा' पर संवाद, कविता-पाठ, लोकगाथाओं एवं विचार-विमर्श के सत्र आयोजित होंगे, 'बतरस' कार्यक्रम के अंतर्गत गीत-रेखा, हास्य-व्यंग्य एवं लोकसंवाद की प्रस्तुतियाँ होंगी। 'ग्राम दर्पण' प्रदर्शनी में हाइड्रोपोनिक्स जैसी उन्नत कृषि तकनीकों, कृषि आधारित स्टार्टअप मॉडल, पर्यावरण संरक्षण पहलों तथा गंगा संरक्षण परियोजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। स्कूल ऑफ़ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ हिमांशु त्रिवेदी ने बताया कि यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं किसानों के लिए नवाचारों को समझने और अपनाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

टूटी साइकिल के बल पर कभी भी सत्ता में नहीं आएगी सपा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि टूटी साइकिल के बल पर समाजवादी पार्टी कभी सत्ता प्राप्त नहीं कर सकती है।

भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र द्वारा आयोजित सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने की जबकि संचालन क्षेत्रीय सोशल मीडिया संयोजक महेंद्र विक्रम सिंह ने किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने

- पीएम मोदी और सीएम योगी विकसित भारत की नींव रख चुके: गौरव भाटिया

गौरव भाटिया।

कहा कि सपा की सरकार में बजट से लेकर आम जनजीवन तक में भेदभाव की राजनीति की गई जबकि भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित भारत की मजबूत नींव रखी जा चुकी है। उन्होंने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसरों को लोकतंत्र का सशक्त प्रहरी बताते हुए कहा कि सोशल मीडिया केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक प्रभावी उपकरण बन चुका है।

क्षेत्रीय सह संयोजक हर्ष द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य रूप से क्षेत्रीय मंत्री पवन प्रताप सिंह अनूप अवस्थी, सौरभ कमल उपेंद्र शुक्ला, अतुल कुशवाहा, आयुष्मान सिंह, सौरभ कमल, सचिन गुप्ता, आदित्य शुक्ला, मानसी, प्रदीप गुप्ता, अन्वेष शुक्ला, शरद त्रिपाठी, विमलेश शाक्य, मीनाक्षी गुप्ता, गौरव कटियार, अंशुल बाजपाई, हिमांशु सक्सेना, अभिषेक वाजपेयी , रोहित निषाद, सिद्धार्थ दीक्षित, अभिषेक त्रिपाठी आदि रहे।

अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता थे पं दीनदयाल उपाध्याय

कानपुर। भाजपा उत्तर जिले की ओर से पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। सेठ मोती लाल खेड़िया स्कूल में हुए आयोजन में उन्हें युवाओं का प्रेरणास्त्रोत बताया गया।

मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश ,विशिष्ट अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी, जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, महापौर प्रमिला पांडे, सुरेश अवस्थी पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील बजाज ने कार्यक्रम की शुरुआत की। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश ने कहा कि 25 सितंबर 1916 को जन्मे पं दीनदयाल उपाध्याय आधुनिक भारत के अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता थे। पं दीनदयाल देश की एकता और अखंडता के लिए सदैव समर्पित रहे हैं।

बदलाव | फर्रुखाबाद रेल मार्ग की कानपुर तक आने वाली ट्रेनें यहीं से चलेंगी

अनवरगंज टर्मिनल प्वाइंट से चलेंगी ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों की संख्या कम करने के लिए अनवरगंज स्टेशन को टर्मिनल प्वाइंट बनाया जा रहा है। फर्रुखाबाद रेलमार्ग की गाड़ियां जो केवल कानपुर तक आती हैं, अनवरगंज से ही संचालित होंगी।

रेलवे के अमृत भारत योजना के माध्यम से अनवरगंज स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है, स्टेशन के आगे बहुमंजिली इमारत तैयार हो रही है, इस इमारत में यात्री सुविधाएं होंगी जैसे प्रतीक्षालय, एसी प्रतीक्षालय, फास्ट फूड सेंटर, ट्रेनों की जानकारी देने वाला इलेक्ट्रानिक्स डिस्प्ले बोर्ड, टिकट बुकिंग काउंटर, आरक्षण टिकट काउंटर आदि शामिल हैं।

अनवरगंज स्टेशन पर चल रहा निर्माण कार्य। अमृत विचार

अनवरगंज में 3 प्लेटफार्म से संचालित होती ट्रेनें

- अनवरगंज स्टेशन पर मात्र तीन प्लेटफार्म हैं, फर्रुखाबाद रेल मार्ग पर कानपुर सेंट्रल स्टेशन के बाद अनवरगंज ही सबसे बड़ा स्टेशन है, इस स्टेशन से प्रतिदिन 50 से 55 सवारी गाड़ियां गुजरती हैं। हालांकि इनमें कुछ ट्रेनें ऐसी हैं जो अनवरगंज स्टेशन से ही संचालित होती हैं लेकिन अब कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक चलने वाली ट्रेनों को अनवरगंज स्टेशन से चलाया जाएगा।

- अनवरगंज स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के लिए तैयार हो रही बिल्डिंग

दिल्ली की तर्ज पर ट्रेनों का संचालन होगा

- दिल्ली में जैसे ही नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली पर ट्रेनों और यात्रियों की संख्या कम करने के लिए रेल ने आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन स्टेशन समेत कई स्टेशनों से बड़ी संख्या में ट्रेनों का संचालन शुरू किया है, इसी प्रकार कानपुर के स्टेशनों से भी कुछ ट्रेनों का संचालन करने की योजना बनी है जिसमें गोविंदपुरी स्टेशन, अनवरगंज स्टेशन, पनकीधाम स्टेशन प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सिटी ब्रीफ

खालसा के नये साल पर 14 मार्च को कीर्तन समागम

कानपुर। हर साल की तरह इस साल भी पंथ दर्दी विचार मंच द्वारा खालसे का नया साल पहली चैत 14 मार्च को शाम से रात 9 .30 बजे तक कीर्तन समागम होगा। बुधवार को पंथ दर्दी विचार मंच उत्तर प्रदेश, पंथ सेवी बीबीआ दा जत्था की गुरुद्वारा रंजीत नगर में बैठक हुई जिसमें विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह नीटा ने बताया कि 14 मार्च को श्री दरबार साहिब जी के किरतनीय, कथा वाचक एवं कानपुर की स्त्री सत्संग जत्थे संगत को निहाल करेंगे। उन्होंने बताया कि खालसा साजना दिवस वैसाखी पर्व पर विशाल गतका मुकाबला भी होगा। बैठक में चेयरमैन सरदार सुखविंदर सिंह लाडी भल्ला, राजिंदर सिंह नीटा अध्यक्ष, गुरविंदर सिंह, बीबी कुलदीप कौर नीना अध्यक्ष, बीबी सुविंदर कौर, गोबिंद सिंह बिंद्रा मनप्रीत सिंह भट्टी, जसपाल सिंह होरा, सुरिंदर सिंह कालरा, करम जीत सिंह बावा, आदि मौजूद रहे।

पारस हेल्थ में एक वर्ष में पहुंचे 2,360 कैंसर मरीज

कानपुर। बिठूर स्थित पारस हेल्थ में बुधवार को एक मेगा कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में 150 से अधिक नए मरीजों ने पंजीकरण कराया। पारस हेल्थ कानपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर रजत बजाज ने कहा कि आखिरी स्टेज में कैंसर का पता चलना अब भी इलाज के परिणामों को बेहतर बनाने में सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले साल पारस हेल्थ में कैंसर के 2,360 मामले सामने आए थे। कैंप के फ्री ओपीडी परामर्श, बेसिक कैंसर स्क्रीनिंग सर्विस और डायग्नोस्टिक व इलाज से जुड़ी प्रक्रियाओं पर भारी छूट दी गई।

हैंड्स-ऑन कार्यशाला हुई

कानपुर। आईआईटी कानपुर में एडवांस्ड सेंटर फॉर मैटेरियल्स साइंस की ओर से हैंड्स-ऑन कार्यशाला का हुई। अप्लाइड मेटेरियल ने आधारभूत सॉफ्टवेयर फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया। जो सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरणों और अनुकूलन के लिए विकसित एक उन्नत डिजिटल ट्विन है।

अमितेश जागजानी नार्थ जोन में सीएमए इण्टरमीडियट के टॉपर

सीएमए फाइनल में माही पाण्डेय ने लहराया परचम, केक काटकर मनाई गई खुशी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

संस्थान परिसर ने केक काटा गया। अमृत विचार

अमितेश जागजानी। माही पाण्डेय।

अमृत विचार। सीएमए इण्टरमीडियट में नार्थ जोन में अमितेश जागजानी ने टॉप किया है। इससे पहले उन्होंने सीएमए इण्टरमीडियट ग्रुप-1 और फाउण्डेशन में भी प्रथम स्थान हासिल किया था। इसी तरह माही पाण्डेय ने पूरे नार्थ जोन में टाप करके शहर का नाम रोशन किया।

सीएमए फाइनल परीक्षा परिणाम में टॉप करने वाले अमितेश जागजानी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता हेमन्त कुमार जागजानी (व्यवसायी) को दिया। उनका सपना है कि आगे चलकर बिग 4 में काम करके कानपुर का नाम रोशन करें। वहीं माही पाण्डेय ने सीएमए फाइनल में सफलता अर्जित की। माही पाण्डेय साथ ही सैगयद बिलाल ने ग्रुप में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये। माही के माता-पिता ने बताया कि माही के अन्दर बचपन से ही लगन थी। इससे पहले इण्टर की परीक्षा में भी अपने स्कूल में टाप किया था। उनके पिता सुशील पाण्डेय ने बताया कि माही का सपना इन्वेस्टमेंट बैंकिग के क्षेत्र में कानपुर का नाम रोशन करना है। परीक्षा में अन्य सफल होने वाले छात्रों में कार्तिक राज श्रीवास्तव, इरतिका नाज, महेन्द्र सिंह, हर्ष शुक्ला, त्रिशा गर्ग, यश राज मिश्रा, देविका भल्ला, प्रेरणा गुलजानी, शिवी मिश्रा, काजल राजपूत, इनिमा फातिमा के साथ 11 और छात्रों ने सीएमए इण्टरमीडियट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

वहीं सीएमए फाइनल में सफल होने वाले छात्रों में शिखर गुप्ता, शिवानी कश्यप, नितिश सहगल, हर्षिता रोचलानी, अपित कुमार तिवारी सिद्धान्त सचान, अंकुर सिंह रजावत्, नौशाद खॉन, एवं सागर सचदेव रहे। परीक्षा पर कानपुर चेप्टर के सचिव सीएमए अजय कुमार शर्मा ने बताया कि इस बार शहर का परिणाम आसपास के जिलों से बेहतर रहा। चेप्टर के चेयरमैन सीएमए एके श्रीवास्तव ने कहा कि कठिन परिश्रम करके मनचाही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

पश्चिम का भौतिकवाद मानवता को शांति दे पाया क्या:राम माधव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

उद्घाटन करते अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में एकात्म मानववाद के दर्शन, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र चिंतन पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने पं. दीनदयाल के विचारों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए युवाओं से उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राम माधव, विशिष्ट अतिथि सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता दिलीप कुमार दुबे, संघ प्रांत संघचालक भवानी भीख तिवारी ने की। इस दौरान प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, उपनिदेशक डॉ. दिवाकर अवस्थी व कुलसचिव राकेश कुमार मिश्र भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि डॉ. राम माधव ने एक गंभीर प्रश्न उठाया। 'क्या पश्चिम का भौतिकवाद मानवता को वह शांति दे पाया, जिसका वादा किया गया था?' उन्होंने कहा कि 1965 में प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' का दर्शन आज के खंडित और विभाजित समाज को जोड़ने का प्रभावी सूत्र है।

● **अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही पं. दीनदयाल का मूल लक्ष्य: डॉ. राम माधव**

उन्होंने बताया कि जब विश्व पूंजीवाद और साम्यवाद के दो ध्रुवों में बंटा हुआ था, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय ने एक वैकल्पिक विचारधारा प्रस्तुत की। जो भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित थी। वर्तमान समय में पूंजीवादी व्यवस्था भी कई देशों में असंतुलन और असमानता को जन्म दे रही है। ऐसे में एकात्म मानववाद का सिद्धांत समाज के संतुलित और समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे उनके विचारों को समझें और देश की उन्नति में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही दीनदयाल जी का मूल उद्देश्य था। विशिष्ट अतिथि सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता दिलीप कुमार दुबे, प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार ने भी विचार व्यक्त किए।

ज्वैलरी शॉप में गहने देखते ग्राहक। अमृत विचार

आर्टिफिशियल ज्वैलरी की शॉप का शुभारंभ

कानपुर। नवीन मार्केट शाप नंबर-87 में सांबरे ज्वैल्स नामक नवीनतम प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया। यहां आर्टिफिशियल ज्वैलरी एवं 925 स्टरलिंग सिलवर ज्वैलरी में लाइट वजन में सुंदर दिखने वाली डिजायनर ज्वैलरी मिलेगी। कलात्मक कुंदन, पोलकी जड़ाऊ काम की ज्वैलरी भी मिलेगी। प्रतिष्ठान की संचालिका शिप्रा गर्ग व अविरल गर्ग ने बताया कि उनका सहयोगी प्रतिष्ठान गर्ग ज्वैल्र्स बिरहाना रोड में है। भूपेन्द्र गर्ग, शैलजा गर्ग, वैभव अग्रवाल, निहारिका, इतीश गर्ग, ज्ञानेन्द्र विश्नोई रहे।

पिनेकल प्रीमियर लीग का आयोजन

कानपुर। पिनेकल नेशनल स्कूल द्वारा वार्षिक खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव "पिनेकल प्रीमियर लीग का आयोजन हुआ। महोत्सव में विद्यालय के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम सहित विभिन्न खेल गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके साथ ही रंगारंग प्रस्तुतियां एवं मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहे। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं समावेशी शिक्षा पद्धति को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यकम में बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए प्रतिभा दिखाई। स्कूल की ओर से बच्चों को पिकनिक का महत्व भी बताया गया।

मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। अमृत विचार

सजारी में छह जोड़े एक दूजे के हुए

कानपुर। कांशीराम कालोनी सजारी में आयोजित सामूहिक विवाह में छह जोड़ों ने जीवनभर संग रहने के लिए फेरे लिए। जयमाल के दौरान वर वधू पर जमकर पुष्पवर्षा की गई। बुधवार को श्री केदार नाथ शक्ति धाम सेवा समिति द्वारा काशीराम कॉलोनी में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। दोपहर में एक एक कर अन्ना चौराहा से बारात उठकर विवाह स्थल सजारी फेस-1 पर पहुंचती रही। कार्यक्रम आयोजिका रोली गुड़िया ने बारातियों का जोरदार स्वागत किया। समिति के माध्यम से वर वधू को घरेलू सामान उपहार स्वरुप दिया गया। इस दौरान आयोजक की ओर से बारातियों एवं आये हुए मेहमानों के खाने पीने की व्यवस्था की गई थी। राकेश कुमार सोनी, ऋषि शुक्ला, शिव सिंह एडवोकेट, अनिल जायसवाल, मंटू, सुमित गुप्ता आदि मौजूद रहे। अमृत विचार

बीएलए के साथ बैठक करते एसडीएम। अमृत विचार

मतदाता सूची को त्रुटिमुक्त बनाने की कवायद तेज

बिल्हौर। बुधवार को उप जिलाधिकारी कार्यालय में विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधानसभा बिल्हौर के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 2003 की मतदाता सूची से मिलान के दौरान आई 'नो-मैपिंग' और 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' वाली त्रुटियों को दूर करना रहा। एसडीएम ने बताया कि बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को निर्देशित किया गया है कि वे इन विसंगतियों वाले मतदाताओं को समय पर नोटिस जारी करें और सुनवाई की प्रक्रिया को सरल बनाएं।

बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो घायल

घाटमपुर। पतारा में बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में युवक समेत तीन लोग घायल हो गए। घाटमपुर थाना क्षेत्र के धरमंगधपुर गांव निवासी 45 वर्षीय दिनेश गांव के रहने वाले 27 वर्षीय सागर सिंह के साथ बुधवार सुबह पतारा कस्बा निजी काम से आए थे। यहां से वापस लौटते समय तिलसड़ा रोड पर स्थित बंबा के पास पहुंचते ही बाइकों की आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दूसरी बाइक सवार 18 वर्षीय मोहित घायल हो गया। राहगीरों ने घायलों को पतारा सीएचसी पहुंचाया जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में घायलों को कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया गया।

शिव बारात को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर

घाटमपुर। आगामी 15 फरवरी को निकलने वाली ऐतिहासिक शिव बारात को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। पुलिस प्रशासन ने घाटमपुर थाने में आयोजकों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में सुरक्षा, यातायात, भीड़ नियंत्रण, मंचन स्थल की व्यवस्था और रूट की साफ-सफाई सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। आयोजकों ने अधिकारियों को अवगत कराया कि कानपुर-सागर हाईवे पर कुछ स्थानों पर मौरंग और गिट्टी पड़ी है, जिससे जुलूस के दौरान परेशानी हो सकती है। इस पर अधिकारियों ने संबंधित विभाग को तत्काल हटवाने के निर्देश दिए। आयोजकों ने बताया कि आगामी 15 फरवरी को बारिश्वर महादेव मंदिर से शिव बारात धूमधाम से निकाली जाएगी। बारात नगर की विभिन्न प्रमुख गलियों और मार्गों से होते हुए कानपुर-सागर हाईवे मार्ग से मां कूष्मांडा देवी मंदिर परिसर स्थित भव्य पंडाल में पहुंचेगी। यहां भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का मंचन किया जाएगा। आकर्षक झांकी वाहन और डीजे बैंड शामिल होंगे, जिससे पूरे नगर में भक्तिमय माहौल रहेगा।

धमाके बाद गिरी दीवारें। अमृत विचार

धमाके के बाद गिरीं दीवारें

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के चंदिका गांव स्थित नई बस्ती में मंगलवार देर रात एक कमरे में अचानक हुए जबरदस्त धमाके से कमरे व मकान की दीवारें ढह गईं। घटना में एक युवक घायल हुआ, जबकि मलबे में दब जाने से दो बकरियों की मौत हो गई। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां ग्रामीणों ने सिलेंडर से गैस रिसाव के दौरान माचिस जलाने के कारण घटना होने की आशंका जताई। वहीं पुलिस ने मामले को संदिग्ध मान घटना की पड़ताल शुरू कराई है।

मालूम हो कि शिवराजपुर के दुबियाना गांव निवासी रमेश चंद्र क्षेत्र के चंदिका गांव की नई बस्ती में रमा शुक्ला के मकान में किराए पर कमरा लेकर एक निजी कंपनी में कार्य करता है। बताया गया है कि रोजाना की तरह मंगलवार रात वह भोजन आदि के बाद कमरे में सोने के लिए गया था। देर रात धूम्रपान के लिए जैसे ही उसने माचिस की तीली जलाई,अचानक तेज धमाका हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि कमरे की दीवारें टूटकर गिर गईं। मलबे की चपेट आने से रमेश घायल हुआ, जबकि दरवाजे पर मकान मालिक के भाई की बंधी दो बकरियों की मलबे में दबने से मौत हो गई। देर रात हुए तेज धमाके से ग्रामीणों में अफरा तफरी व भारी दहशत व्याप्त हो गई। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पूछताछ के दौरान रमेश ने बताया कि देर रात उसने धूम्रपान के लिए जैसे ही माचिस की तीली जलाई अचानक तेज धमाका हुआ। मामले में प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि संदिग्धता को देखते हुए घटना की जांच कराई जा रही है।

जहांगीराबाद के राजकीय हाईस्कूल में प्रथम वार्षिकोत्सव

घाटमपुर। जहांगीराबाद स्थित राजकीय हाईस्कूल में बुधवार को विद्यालय का प्रथम वार्षिकोत्सव "आरम्भ" बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाध्यापिका संगीता सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत पटका पहनाकर एवं बुके भेंट कर सम्मानपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, राधा-कृष्ण लीला, शिव-पार्वती नृत्य एवं "देश रंगीला-रंगीला" जैसे देशभक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए गए। बच्चों की प्रस्तुति ने अभिभावकों और अतिथियों की खूब तालियां बटोरीं। वार्षिकोत्सव के अंतर्गत खेलकूद स्पर्धा हो रही हैं।

कानपुर-सागर हाईवे पर एचटी लाइन गिरी

गिरी एचटी लाइन।

घाटमपुर। टेनापुर मोड़ के पास डंपर की टक्कर से एचटी लाइन का विद्युत पोल टूटकर गिर गया, जिससे कानपुर-सागर हाईवे पर जाम लग गया।

फतेहपुर जिले के गौरी जरारा गांव निवासी डंपर चालक रामचंद्र ने बताया कि वह डंपर लेकर कानपुर से वापस कबरई जा रहे थे, तभी कानपुर सागर हाईवे पर स्थित टेनापुर मोड़ के पास ढाबे में खाना खाने के लिए रुका था। खाना खाने के बाद वह डंपर लेकर जाने लगा। तभी डंपर का पिछला हिस्सा हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर टूट गया। जिससे एचटी लाइन हाईवे पर गिर गई। जानकारी मिलते ही पतारा चौकी पुलिस ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई, इसके बाद यहां पर पहुंचे लाइनमैन ने विद्युत तार को किनारे करवाकर हाईवे पर यातयात बहाल कराया गया।

मीना मंच में बालिकाओं के आत्मविश्वास और सशक्तिकरण पर जोर

बिल्हौर। कम्पोजिट और पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में महिला सशक्तिकरण तथा बालिका शिक्षा अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय 'मीना मंच' कार्यशाला हुई। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार ने बालिकाओं की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आत्मविश्वास पर मूल्यपरक चर्चा की। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास ही वह कुंजी है जिससे बेटियां हर चुनौती का सामना कर सकती हैं। उच्च प्राथमिक स्तर के छात्र-छात्राओं को 'मीना मंच' के माध्यम से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया जाता है, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं मौलिक अधिकार, स्वास्थ्य और स्वच्छता, शिक्षा, आत्मरक्षा। इस कार्यशाला में 50 से अधिक सुगमकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम | शिवहरि धाम मदनपुर आश्रम में चल रही श्रीराम कथा

कथा में रामचरित्र का किया वर्णन

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत शिवहरि धाम मदनपुर आश्रम में चल रही श्री राम कथा में कथा के चौथे दिन कथावाचक रक्षा द्विवेदी ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की लीलाओं का वर्णन किया।

कथा वाचक ने भगवान राम के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि हिंदू शास्त्रों के अनुसार भगवान श्रीराम विष्णु के मानव अवतार हैं। इस मौके पर मंदिर ट्रस्टी शिवकुमार द्विवेदी एवं पूर्व प्रधान चौबेपुर राजेश अवस्थी, धर्मेंद्र मिश्रा, पंकज त्रिपाठी, दुष्यंत तिवारी, गुड्डू, राजू मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

शिवहरि धाम मदनपुर आश्रम में राम कथा सुनतीं महिलाएं।

चौबेपुर संवाददाता के अनुसार सांसारिक रिश्ते मनुष्य को दुखी बना सकते हैं, लेकिन जिसने एक बार परमात्मा से अपना नाता जोड़ लिया, वह कभी दुखी नहीं रह सकता। उक्त विचार बुधवार को राम कथा के दौरान आचार्य संतोष जी महाराज ने भक्तों को बताए। श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में चल रही श्री राम कथा के सातवें दिन आचार्य संतोष जी महाराज ने केवट प्रसंग सुनाया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की थमीं सांसें

पिंटू।

बिल्हौर। क्षेत्र के धौरसलार रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार रात सड़क हादसे में 36 वर्षीय युवक की जान चली गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे का विवरण अप्पा नवादा गांव निवासी पिंटू (36) मंगलवार रात करीब 10 बजे बिल्हौर से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह धौरसलार रेलवे क्रॉसिंग के समीप जीटी रोड हाईवे पार करने लगे, तभी एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिंटू सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।अस्पताल में घोषित किया मृत दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों और परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई। आनन-फानन में घायल पिंटू को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हौर ले जाया गया। हालांकि, वहां मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय अपर जिला मजिस्ट्रेट (सप्तम)/वन बन्दोबस्त अधिकारी, कानपुर नगर

पत्रांक: 107 / व0ब0अधि0 / 2026 दिनाँक: कानपुर 9/2/2026

भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-6 के अन्तर्गत की गयी घोषणा-

भारतीय वन अधिनियम- 1927 की धारा- 4 के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार ने विज्ञप्ति संख्या 6997/14-3-4 (23)-79 दिनांक 16.06.2000 द्वारा घोषित किया गया कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चित किया गया है।

अत: भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-6 की आवश्यकता को पूरा करने के लिये यह घोषित किया जाता है कि नीचे लिखी भूमि के आरक्षित वन बन जाने से यह परिणाम होगा कि वनविभाग की आज्ञा या अनुमति बिना नीचे लिखे को इस क्षेत्र में नहीं किये जा सकते :-

1- किसी भूमि पर अधिकार करना
2- आग लगाना, ले जाना या जलाना।
3- पशुओं को उन पर छोड़ना या चराना ।
4- वृक्ष पातन (काटना) वृक्षों के पत्ते काटना, वृक्षों का चिरान करना, जलाना आदि या उनकी छाल उतारना ।
5- पत्थर खोदना, चूना या कोयला जलाना आदि।
6- भूमि तोड़ना या सफाई करके खेती योग्य बनाना।
7- अवैध शिकार करना, मछली मारना, पानी में जहर डालना।
8- हाथी मारना या पकड़ना आदि।

इन कार्यों के करने वाले व्यक्ति को भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-26 (1) (ए) (जे) के अधीन दण्डित किया जा सकता है।

सर्व साधारण को यह भी सूचना दी जाती है कि जो व्यक्ति भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा-8 और 5 में वर्णित किसी अधिकार पर अपना दावा समझता है तो वन बन्दोबस्त अधिकारी कानपुर जिला कानपुर के सामने इस विज्ञप्ति की तारीख से 03 माह के अन्दर उपस्थित हो और अपना दावा प्रस्तुत करें या अपना दावा लिखित रूप में भेजें।

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	ग्राम	खसरा नं0	क्षेत्रफल (हे0 में0	सीमा विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कानपुर नगर	नर्वल	नर्वल	कटरी विपौसी	1-ख	10,760	उत्तर-सीमा कटरी बगहा दक्षिण-सीमा कटरी लाहमपुर पूरब- सीमा गंगा नदी पश्चिम- सीमा विपौसी बांगर
					2	11.280	
					3	40.550	
					4	9.000	
				योग		71.590	

वन बन्दोबस्त अधिकारी / अपर जिला मजिस्ट्रेट (सप्तम), कानपुर

न्यूज ब्रीफ

प्रतियोगिता में अतुल व नंदिनी बने चैंपियन

उन्नाव, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय उन्नाव में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह सम्पन्न हुआ। इसमें दूसरे दिवस की मुख्य प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, ऊंची कूद, रस्साकस्सी, म्यूजिकल चेयर व कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं में समग्र चैंपियन के रूप में छात्र वर्ग में अतुल यादव व छात्रा वर्ग में नंदिनी ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। ऊंची कूद में अवी कनौजिया (प्रथम), करन (द्वितीय), शोभित (तृतीय) रहे। निर्णायक मंडल में डा. रजनी कांत दीक्षित, डा. राबिन विक्रम सिंह, डा. अयाज खलील व डा. तनय माइकल शाह ने सक्रिय योगदान दिया। संचालन डा. केके यादव ने किया। इसमें पुरातन छात्र अध्यक्ष भरत कुमार व अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में साइकिल सवार का पैर टूटा

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव मल्हपुर निवासी जगदीश (65) पुत्र महादेव सिंह बुधवार सुबह 8 बजे साइकिल से खेत पर जा रहे थे। जबकि कछियन पुरवा निवासी शीलू (25) नगर के माढ़ापुर रोड पर रहता है। वह बाइक से अपनी क्लीनिक गांव बरुआघाट जा रहा था। तभी बांगरमऊ-माढ़ापुर मार्ग पर शीलू की बाइक साइकिल से टकरा गई। इसमें दोनों वाहन पलट गए और साइकिल सवार जगदीश सिंह का पैर दो जगह से टूट गया। वहीं बाइक सवार शीलू को भी गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंचे परिजन दोनों को सीएचसी लाए। जहां से उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

कलम की जगह थमा दी सीमेंट की बोरी

वाह-री-शिक्षा व्यवस्थाः बच्चों का साइकिल पर सीमेंट लादकर लाने का वीडियो वायरल

हसनगंज उन्नाव

अमृत विचारः जिन हाथों में कॉपी व कलम होनी चाहिए विद्यालय के शिक्षकों ने उन हाथों में साइकिल थमाकर उस पर सीमेंट की बोरी लदवा दी। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया तो जिम्मेदार पल्ला झाड़ते हुए एक-दूसरे पर आरोप मढ़ते नजर आ रहे हैं। हालांकि, ऐसे किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

साइकिल से सीमेंट की बोरी ले जाते छात्र। ● अमृत विचार

बता दें कि हसनगंज क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय समदपुर भावा में अध्यापकों द्वारा बच्चों से पढ़ाई न कराकर साइकिल पर सीमेंट की बोरियां लदवाकर मजदूरी करवाई जा रही है। इसके फोटो व वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। बच्चों से काम कराने के फोटो वायरल होने पर शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। यही नहीं बच्चों ने बताया कि स्कूल में अध्यापक उनसे मसाला भी बनवा रहे हैं। प्रधान शिक्षक जगदीश गुप्ता ने बताया कि मैं क्लास ले रहा था। सहायक शिक्षक भैयालाल ने बच्चों को भेजा होगा। मेरी जानकारी में नहीं है। वहीं, खंड शिक्षाधिकारी दीपेश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। प्रधान शिक्षक को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। दोषी मिलने पर कार्रवाई होगी।

● स्कूल के शिक्षकों पर बच्चों से मजदूरी करवाने के लग रहे आरोप

खड़ी डीसीएम से टकराई कार, पांच घायल

बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार कार खड़ी डीसीएम में पीछे से टकरा गई। इसमें कार सवार 7 में 5 लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां 3 को गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फिरोजाबाद जिले के नगला धर्म निवासी राहुल पुत्र सिंह राज डीसीएम से गाय लेकर गोरखपुर से कानपुर देहात जा रहा था। एक्सप्रेस-वे के किमी संख्या 232 स्थित देवखरी गांव के पास डीसीएम सवार गाय मालिकों ने लघुशंका के लिए वाहन रुकवाया। चालक ने डीसीएम किनारे खड़ा कर दिया। तभी लखनऊ से एटा जा रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पीछे से डीसीएम में जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई और सवार उसमें फंस गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा की रेस्क्यू टीम व देवखरी चौकी पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकाला। इसमें कार चालक हाकिम पुत्र महेंद्र सिंह निवासी उदितपुर (एटा), इसी गांव के अवनीश पुत्र राधेश्याम, पुष्पेंद्र पुत्र चोखेलाल, संगीता पुत्री राधाकृष्ण निवासी दिब्बनपुर थाना भोगांव (मैनपुरी) व आशुतोष पुत्र रविंद्र कुमार निवासी अकराबाद (एटा) गंभीर घायल हुए। घायलों को एंबुलेंस से स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने 3 को गंभीर बता जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

टोल नाका पर खड़ी क्षतिग्रस्त कार। ● अमृत विचार

● सूचना पर पहुंची यूपीडा की रेस्क्यू टीम और पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया

गांजा न देने के विवाद में ईंट से हमला कर युवक की हत्या

उन्नाव, अमृत विचारः बीघापुर कोतवाली अंतर्गत निबई चौकी क्षेत्र के गांव खरौली के मजरा गंगासेवक खेड़ा निवासी सुशील लोधी (36) खेती के साथ मजदूरी भी करता था। मां रामवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 9 फरवरी की भोरपहर गांव निवासी संतोष ने घर के बाहर सो रहे सुशील को जगाकर उससे गांजा मांगा। मना करने पर दोनों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि संतोष ने पास में पड़ी ईंट से सुशील के सिर व चेहरे पर कई वार कर दिये। इसमें वह गंभीर से घायल हो गया। चीख सुन मां दौड़ी तो आरोपी वहां से भाग निकला। घायल हालत में सुशील को 100 बेड अस्पताल बीघापुर से पहले जिला अस्पताल फिर कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया। जहां 10 फरवरी को उसकी मौत हो गई। इसकी खबर मिलते ही पत्नी ममता बेहाल हो गई। वह चार भाइयों में बड़ा था। उसके दो बच्चों में बेटी पिंकी व बेटा कृष्णा है। सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि मृतक की मां की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पीएम रिपोर्ट व साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

● पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

यूपी बजटः कोई हुआ खुश तो किसी की पूरी नहीं हुई अपेक्षा

● प्रदेश की योगी सरकार के बजट पर लोगों ने व्यक्त कीं प्रतिक्रियाएं

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः प्रदेश सरकार के बुधवार को पेश किए गए बजट में हुई घोषणाओं पर जिले के लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रिया रही। इस बजट से कुछ लोगों ने तो खुशी जताई और इसे प्रदेश के विकास व विस्तार वाला बताया है। उनका कहना है कि प्रदेश सरकार द्वारा पेश किया गया बजट नये उत्तम प्रदेश को बनाने वाला है। विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा। वहीं कुछ लोग बजट से की गई अपेक्षाएं पूरी न होने पर प्रदेश की भाजपा सरकार से खफा रहे।

तकनीकी शिक्षा व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित

प्रदेश सरकार का यह बजट विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को गति देने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, किसानों की खुशहाली, युवाओं को रोजगार (एआई मिशन, तकनीकी शिक्षा व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित है। इससे सभी को लाभ होगा। **-ज्योति सिंह, ग्रहिणी समदपुर भावा हसनगंज।**

नए उत्तर प्रदेश के निर्माण का रोडमैप है बजट

भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने बजट की सराहना करते हुए इसे 'नए उत्तर प्रदेश' के निर्माण का रोडमैप बताया। कहा कि यह उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने वाला है। साथ ही, यह बजट 2047 तक 'विकसित भारत' का संकल्प सिद्ध करने में उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करने वाला है। **-अनुराग अवस्थी, जिलाध्यक्ष भाजपा उन्नाव।**

उम्मीद लगाए थे शिक्षामित्र, हाथ लगी निराशा

वित्त मंत्री ने जो बजट पेश किया है उसमें शिक्षामित्रों को मानदेय बढ़ोतरी जैसी कोई व्यवस्था नहीं मिली। शिक्षामित्र आस लगाए थे कि इस बार बजट में शिक्षामित्रों को काफी कुछ मिलेगा। लेकिन निराशा हाथ लगी। **-सुधाकर तिवारी, प्रदेश सचिव/जिलाध्यक्ष उप्र प्राथमिक शिक्षामित्र संघ उन्नाव**

बजट देखने में बड़ा है पर अपेक्षा के अनुसार नहीं

यह बजट बड़ा दिख रहा है लेकिन इसमें किसानों के लिए प्रावधान सीमित हैं। खेती की लागत बढ़ी है और इनपुट पर सहायता पर्याप्त नहीं है। हमें उम्मीद थी कि जल, बिजली व मंडी सुधारों को जोर मिलेगा। लेकिन प्रस्ताव अपेक्षा अनुसार नहीं हैं। **-अमरेंद्र गुप्ता**

कौशल विकास व नौकरी में होगा सुधार

बजट में रोज़गार व शिक्षा के लिए बड़े फंड का ऐलान हुआ है। जैसे तकनीकी व स्वरोज़गार योजनाएं। इससे छात्रों को कौशल विकास व नौकरी के अवसरों में सुधार की उम्मीद है। हालांकि, अधिकांश योजनाओं का जल्द क्रियान्वयन जरूरी है। **-शिक्षक सुधीर सिंह**

गैंगस्टर एक्ट के दोषी को तीन साल का कारावास

उन्नाव, अमृत विचारः गैंग बनाकर भय व आतंक से संपत्ति अर्जित करने के दोषी को कोर्ट ने 3 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 5000 का जुर्माना भी लगाया है। जिसे अदा न करने पर दोषी को 7 दिन अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

बता दें कि गैंग बनाकर क्षेत्र में अवैध वसूली व अन्य अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के आरोप में गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के ऊगू कस्बा निवासी विजय नाई पुत्र भैयालाल को 6 जनवरी-2007 को पकड़ा था। उस पर लूट व चोरी सहित अन्य गंभीर आरोप थे। दरोगा अशोक कुमार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजने के साथ गैंगस्टर की कार्रवाई की गई। मामले की जांच तत्कालीन सदर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र गिरि को दी गई थी। जिन्होंने साक्ष्य एकत्र कर 31 दिसंबर-2007 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। तभी से मामला एडीजे-5 विशेष गैंगस्टर कोर्ट में विचाराधीन था। मंगलवार को शासकीय अधिवक्ता विश्वास त्रिपाठी, अलंकार द्विवेदी व हरीश अवस्थी की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश शिप्रा आर्या ने विजय को दोषी ठहराते हुए उसे 3 साल की सजा सुनाई।

● कोर्ट ने दोषी पर पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

सात सदस्यीय टीम ने सुलझाया ददलहा और रूपपुर चंदेला का सीमा विवाद

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचारः तहसील क्षेत्र की गंगा कटरी में बीते कई महीनों से दो ग्राम सभाओं के बीच चल रहा सीमा विवाद आखिरकार जिला प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद सुलझ गया। डीएम के निर्देश पर गठित सात सदस्यीय संयुक्त राजस्व टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर पैमाइश की और सीमांकन कार्य संपन्न कराया।

परगना फतेहपुर चौरासी के कटरी अल्लीपुर ददलहा व रूपपुर चंदेला गावों के बीच सीमा को लेकर लंबे समय से खींचतान चल रही थी। ददलहा के ग्रामीणों का आरोप था कि रूपपुर चंदेला के प्रधान एक सेवानिवृत्त लेखपाल के साथ मिलकर सीमा में हेराफेरी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने सफीपुर तहसील के कुछ राजस्व कर्मियों पर भी पक्षपात का आरोप लगा क्षेत्रीय विधायक व डीएम से निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इसकी गंभीरता को देखते हुए एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील गोड ने सफीपुर के बजाय बांगरमऊ तहसील के अधिकारियों को शामिल कर एक विशेष टीम गठित की। बांगरमऊ के नायब तहसीलदार वैभव अग्रवाल ने टीम की अध्यक्षता की। टीम ने पुराने भू-अभिलेखों व मानचित्रों के आधार पर आधुनिक उपकरणों से नापजोख की। इस दौरान दोनों गावों के प्रधान, पंचायत सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे ताकि कोई संदेह न रहे। राजस्व टीम में नायब तहसीलदार वैभव अग्रवाल के साथ राजस्व निरीक्षक सफीपुर कृष्णपाल सिंह, सर्वे लेखपाल रमेश व रवींद्र नाथ बाजपेई, बांगरमऊ से लेखपाल सौरभ सिंह आदि शामिल रहे।

नाप-जोख के बाद पिलर लगाते मजदूर। ● अमृत विचार

16 ब्लॉकों के बच्चों ने दिखाया हुनर

उन्नाव, अमृत विचार : सरोसी स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 'प्रगति 2.0 स्वाभिमान व सफलता की ओर' अभियान के अंतर्गत बाल उत्सव का आयोजन हुआ। इसमें जिले के सभी 16 विकासखंडों से आए छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीएसए शैलेश पांडे ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बालक-बालिकाओं को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा चंद्रेश्वर मिश्र व जिले की नोडल अर्चना सिंह की अनुशंसा पर सभी विकासखंडों के नोडल शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान खंड शिक्षाधिकारी (सरोसी) जगदीश कुमार, खंड शिक्षाधिकारी संजय यादव, शिखा मिश्रा, आनंद यादव, प्रदीप तिवारी, संदीप गौड़ व अभिषेक सिंह आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

विदाई समारोह में छलके जज़्बात, मोहित और आलिमा बने मिस्टर-मिस फेयरवेल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : पोनीरोड स्थित दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज में मंगलवार को कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए भावभीनी फेयरवेल पार्टी का आयोजन हुआ। यह आयोजन कक्षा 11 के छात्रों ने किया। जिसमें नृत्य, भाषण व रंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांध दिया गया। विभिन्न गेम्स व गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। मिस्टर फेयरवेल का खिताब मोहित सिंह व मिस फेयरवेल का खिताब आलिमा को मिला। वहीं मिस पर्सनालिटी ऋषि पाल व मिस्टर पर्सनालिटी अनुराग तिवारी चुने गए। कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भावुक कर देने वाले संबोधन दिए। विदाई के क्षणों में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर प्रबंधक संतोष तिवारी, प्रधानाचार्य सुधा तिवारी, अभिषेक तिवारी, सुधीर सिंह सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद मिस्टर-मिस फेयरवेल।

जेडी ने परीक्षा की तैयारियों का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : संयुक्त शिक्षा निदेशक (जेडी) प्रदीप कुमार सिंह ने बुधवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और परीक्षा की तैयारी के संबंध में डीआईओएस सुनील दत्त व प्रभारी प्रधानाचार्य से जानकारी ली। डीआईओएस ने बताया कि गत दिवस केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक कर बोर्ड सचिव के निर्देशों की जानकारी दे दी गई है और प्रश्नपत्र व उत्तर पुस्तिकाएं आ चुकी हैं। जिनका वितरण किया जा रहा है। जिले मे नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए जिले को 6 जोन व 11 सेक्टर में बांट कर हर परीक्षा केंद्र में स्टैटिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर दी गई है। कहा कि 13 फरवरी को 2 बजे से एसवीएम इंटर कॉलेज संत पूरन दास नगर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता व एसपी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई है। जिसमें जिले के सभी केंद्र व्यवस्थापकों, वाह्य केंद्र व्यवस्थापकों, जोनल, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की बैठक बुलाई गई है। जिसमें 18 फरवरी से होने वाली परीक्षा के लिए रणनीति बनाई जाएगी और केंद्र व्यवस्थापकों की समस्याएं सुनकर उनका निवारण किया जाएगा।

शिक्षकों ने जलाईं मंत्री के बयान की प्रतियां

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचारः उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ व टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बीएसए कार्यालय के समक्ष बेसिक शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन कर भारत सरकार के राज्य मंत्री जयंत चौधरी का पुतला जलाने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस की मौजूदगी के चलते वे पुतला फूंकने में असफल रहे। बाद में उनके द्वारा वर्ष-2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों की टेट अनिवार्यता को लेकर सदन में दिए गये बयान की प्रतियां जलाकर प्रदर्शन किया।

इस दौरान शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बृजेश पांडे ने केंद्र सरकार द्वारा बेसिक स्कूलों में लंबी अवधि से काम करने वाले वरिष्ठ शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता का सपोर्ट करने पर केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की। वहीं प्रदेश सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठ शिक्षकों के पक्ष में याचिका दायर करने की तारीफ की। बीएसए कार्यालय के सामने बेसिक शिक्षकों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर राज्यमंत्री जयंत चौधरी के बयान की प्रतियों की होली जलाकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज किया तथा नारेबाजी की। इस प्रदर्शन का नेतृत्व जिला मंत्री गजेंद्र वर्मा, संजय सिंह व जिले व ब्लॉक पदाधिकारियों ने किया।

बयान की प्रतियां जलाते बेसिक शिक्षक। ● अमृत विचार

● टेट अनिवार्यता के विरोध में बीएसए कार्यालय के समक्ष किया जोरदार प्रदर्शन

पुण्यतिथि याद किए गए पं. दीनदयाल

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचारः भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि भाजपा जिला संगठन द्वारा समर्पण दिवस के रूप में मनी। सरोसी ब्लॉक सभागार में हुए कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अमर रहें व भारत माता की जय के नारे लगाये।

मुख्य अतिथि जिले की प्रभारी व प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अंत्योदय व एकात्म मानववाद के प्रणेता, महान राष्ट्रचिंतक पंडित दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करती हूं। उनके आदर्शों से प्रेरित होकर ही आज भाजपा गांव, गरीब, किसान व समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए संकल्पित है। विशिष्ट अतिथि के अवध क्षेत्र की उपाध्यक्ष श्वेता सिंह ने कहा कि उनकी एकात्म मानववाद व अंत्योदय की विचारधारा ने सेवा भाव को राजनीति की आत्मा के रूप में स्थापित किया है। जो राष्ट्र निर्माण के पथ पर सदैव दिशा व प्रेरणा प्रदान करती रहेगी। इस दौरान ब्लॉक में पंडित जी की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई।

प्रदर्शनी का उद्घाटन करतीं प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा व अन्य। ● अमृत विचार

पालिकाध्यक्ष ने दो वार्डों में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

उन्नाव, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद उन्नाव अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने शहर के दो वार्डों में जनसुविधाओं से संबंधित विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इन कार्यों के पूर्ण होने से स्थानीय निवासियों को जलभराव से मुक्ति मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। लोकार्पण कार्यक्रम की शुरुआत वार्ड 6 सिविल लाइन्स से हुई। यहां राकेश शुक्ला के मकान से लेकर उन्नाव-हरदोई मार्ग तक नवनिर्मित नाली व इंटरलॉक सड़क का उद्घाटन किया गया। सभासद मीरा आर्या की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष ने कहा कि यह मार्ग बनने से क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होगी और राहगीरों को जलभराव जैसी समस्या से निजात मिलेगी। इसके बाद अध्यक्ष वार्ड 17 मोतीनगर के मोहल्ला श्याम बिहार कॉलोनी पहुंची। यहा उन्होंने सभासद ब्रजेश पाण्डेय के साथ मुख्य मार्ग से अचल निगम के मकान तक निर्मित नाली व इंटरलॉक सड़क का लोकार्पण किया। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका शहर के समग्र व सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता अचल निगम, विवेक मिश्रा, बबलू पांडेय, राम प्रकाश यादव, पंकज त्रिपाठी, अवधेश श्रीवास्तव, एमपी निगम, आशीष मिश्रा, एपी निगम आदि रहे।

विकास कार्य का लोकार्पण करतीं नगर पालिकाध्यक्ष।

शिवरात्रि व रमजान को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार : महाशिवरात्रि व रमजान को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को सफीपुर कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता एसडीएम शिवेंद्र कुमार वर्मा ने की। एसडीएम ने लोगों से दोनों पर्व आपसी भाईचारे व सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। कहा कि त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक हैं और इन्हें शांति व सहयोग के साथ मनाना हमारी जिम्मेदारी है। सीओ सोनम सिंह व एसओ एसएन त्रिपाठी ने भी सुरक्षा व कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष उत्तम निषाद, कोषाध्यक्ष पवन सोनी, राजू चौहान, रवि मिश्रा, सभासद बेचेलाल गुप्ता, नीरज कुशवाहा, संजय, श्रीकृष्ण, प्रधान संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, जीएस सिंह, पूर्व प्रधान जुबैर अहमद सहित नगर पंचायत से लिपिक होरीलाल रहे।

कार्यक्रम आवास पर पहुंच कर बेटे, भाई और भतीजे से की मुलाकात और परिवार को बंधाया ढांढस

पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्व सांसद देवी बक्श सिंह को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः उन्नाव से 3 बार सांसद रहे देवी बक्श सिंह का बीते सोमवार लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार हुआ था। बुधवार को पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उनके आवास राजमार्ग सब्जी मंडी पहुंचे और उनके बेटे उदयवीर, भाई देवी पाल सिंह, भतीजे सूर्य वीर सिंह को ढांढस बंधाया। उनके साथ प्रदेश मंत्री व उन्नाव प्रभारी अर्चना मिश्रा भी रहीं।

भूपेंद्र चौधरी ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देते कहा कि देवी बक्श सिंह ने पार्टी के विस्तार व संगठन को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 3 बार सांसद के रूप में उन्नाव का प्रतिनिधित्व किया और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया। उनका निधन पार्टी व क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। कहा कि पार्टी व वह खुद इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ हैं। कहा कि जो विरासत व मार्ग उन्होंने दिखाये हैं हम उसी पर चलेंगे। प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा ने भी दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देवी बक्श सिंह ने उन्नाव की जनता के लिए जो कार्य किए वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। इस दौरान राजकिशोर रावत, सूर्य कुमार बाजपेई, आदित्य त्रिपाठी, अवनीश शुक्ला, मोहनलाल शर्मा, गोरेलाल दीक्षित, आरडी बाजपेई, अशोक त्रिपाठी, प्रशांत जौहरी, महेश दीक्षित, केके वर्मा आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिवंगत पूर्व सांसद के परिवार को ढांढस बंधाते पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी। ● अमृत विचार

यूपी का बजट विकसित भारत की ओर बढ़ता कदमः भूपेंद्र चौधरी

शुक्लागंज, उन्नाव : पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट आम आदमी की अपेक्षाओं के अनुरूप है और यह जनता के सपनों को साकार करने वाला बजट है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प है यह बजट उस दिशा में महत्वपूर्ण व ठोस कदम है। बताया कि बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास सहित सभी प्रमुख विकास परियोजनाओं के लिए पर्याप्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। साथ ही महिलाओं, किसानों, गरीबों व युवाओं को केंद्र में रखते हुए योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। कहा कि यह बजट प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने व विकसित भारत के निर्माण को गति देने वाला साबित होगा।

अमृत विचार

गुरुवार, 12 फरवरी 2026

हम खेलना बंद नहीं करते, क्योंकि हम बूढ़े हो जाते हैं। हम बूढ़े हो जाते हैं, क्योंकि हम खेलना बंद कर देते हैं।

-जार्ज बर्नाड शॉ, आइरिश लेखक

डीपफेक पर शिकंजा

एआई के दौर में डीपफेक लोकतंत्र, निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। आईटी नियमों में हालिया संशोधन, डीपफेक और एआई-जनित सामग्री की नई परिभाषाएं, निर्दिष्ट सामग्री को शीघ्रता से हटाने का अनिवार्य प्रावधान नियामकीय ढांचे को ताकत देंगे। ये इस चुनौती से निबटने का सराहनीय प्रयास है। संशोधित नियमों में 'एआई-जनित या सिंथेटिक मीडिया', 'डीपफेक', 'मॉर्फ्ड या मैनिपुलेटेड कंटेंट' और 'भ्रामक लेबलिंग' जैसी स्पष्ट परिभाषाएं शामिल करने के बाद प्लेटफॉर्म का यह तर्क कि सामग्री 'यूजर-जनरेटेड' है, इसलिए उनकी जिम्मेदारी सीमित है, कुतर्क में बदल गया है। अब यदि कोई ऑडियो-वीडियो एआई जनित है और उसे वास्तविक बताकर प्रसारित किया गया, तो साफ बताना होगा। गंभीर मामलों में शिकायत होने के तीन घंटे के भीतर सोशल मीडिया इंटरमीडियरी को इसे हटाना या निष्क्रिय करना होगा। यह प्रावधान महत्वपूर्ण सोशल मीडिया इंटरमीडियरी, मैसेजिंग सेवाओं, वीडियो-शेयरिंग साइट्स और होस्टिंग प्रदाताओं सभी पर लागू होगा।

आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत प्लेटफॉर्म को 'सेफ हार्बर' सुरक्षा मिलती है, यानी यूजर की पोस्ट के लिए वे स्वतः दोषी नहीं माने जाते। अब नए नियमों के तहत यदि प्लेटफॉर्म समयबद्ध तरीके से डीपफेक हटाने, लेबलिंग और शिकायत-निवारण अपनाएंगी, तभी उनकी सेफ हार्बर सुरक्षा बचेगी। इसका अर्थ है कि अब उनकी जिम्मेदारी अधिक है और बचाव की गुंजाइश थोड़ी कम, हालांकि इन संशोधनों के बाद भी यह चुनौती बाकी है कि नियम मुख्यतः शिकायत-आधारित हैं, कंटेंट हटाने की प्रक्रिया तब सक्रिय होती है, जब कोई यूजर शिकायत करे और सरकार उस संबंधित सामग्री को फ्लैग करे। डीपफेक का शिकार स्थानीय पुलिस के साइबर सेल में एफआईआर दर्ज करा सकता है, साइबर क्राइम पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्ट कर सकता है अथवा ग्रिवेंस ऑफिसर को ईमेल के जरिये औपचारिक शिकायत दर्ज करा सकता है। पर सवाल यह है कि हर यूजर दिन रात इसकी बात पर निगरानी नहीं रख सकता कि वह कब कहां और किस प्लेटफॉर्म पर डीपफेक का शिकार हो चुका है। इस मामले में आम उपयोगकर्ता विकल्पहीन नजर आता है, इसलिए भले ही एआई टूल्स सुलभ हैं और 'क्राइम-एज़-ए-सर्विस' मॉडल ने इसे संगठित अपराध का रूप दे दिया हो, नये नियमों के सख्त लेबलिंग, त्वरित टेकडाउन और ट्रेसबिलिटी से नुकसान को किंचित कम किया जा सके, लेकिन अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्लेटफॉर्म को प्रोएक्टिव मॉनिटरिंग, एआई-आधारित डिटेक्शन और जोखिम-आधारित फ्लैगिंग अपनानी ही होगी। सर्विस प्रोवाइडर समय सीमा में कार्रवाई नहीं करता, तो सेफ हार्बर तत्काल समाप्त होने, भारी जुर्माने के साथ उसके विरुद्ध आपराधिक मामला बनना चाहिए, लेकिन यहां स्पष्ट आर्थिक दंड और पीड़ित के लिए क्षतिपूर्ति तंत्र का अभाव है, जो नियमों को कमजोर बनाएगा। जब तक अनुपालन न करने पर ठोस दंड, जैसे- राजस्व-आधारित जुर्माना, अस्थायी निलंबन या लाइसेंस शर्तें स्पष्ट न हों, तब तक नियमों की प्रभावशीलता सीमित रहेगी।

प्रसंगवश

स्वराष्ट्र, स्वभाषा के पक्षधर थे महर्षि दयानंद सरस्वती

महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती ऐसे युग पुरुष थे, जिन्होंने सामाजिक कुरीति उन्मूलन, स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन, सामाजिक समरसता के लिए काम कर समाज सुधार की नई क्रान्ति का सूत्रपात किया। उन्होंने देश में स्वराज्य तथा आजादी की भावना को सुदृढ़ किया। महर्षि दयानंद और उनका आदर्श था- 'कृण्वंतो विश्वमार्यम्' ॥ अर्थात, हम पूरे विश्व को श्रेष्ठ बनाएं, हम पूरे विश्व में श्रेष्ठ विचारों का, मानवीय आदर्शों का संचार करें, इसलिए, 21वीं सदी में आज जब विश्व अनेक विवादों में फंसा है, हिंसा और अस्थिरता में घिरा हुआ है, तब महर्षि दयानंद सरस्वती जी का दिखाया मार्ग करोड़ों लोगों में आशा का संचार करता है।

उनका जन्म 12 फरवरी, 1824 को गुजरात के टंकारा में एक पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका नाम मूल शंकर तिवारी था। उनके माता-पिता यशोदाबाई और लालजी तिवारी समर्पित हिंदू थे। छोटी उम्र में ही उनमें आध्यात्मिक ज्ञान के प्रति गहरी रुचि विकसित हो गई और उन्होंने मूर्ति पूजा, अनुष्ठानों और अंधविश्वासों पर प्रश्न उठाए।

सुधांशु टाक

लेखक

19 वर्ष की उम्र में सांसारिक जीवन त्यागकर, वे सत्य की खोज में लगभग 15 वर्षों तक एक तपस्वी के रूप में भ्रमण करते रहे। उन्होंने मथुरा में स्वामी विरजानंद से शिक्षा प्राप्त की, जिन्होंने उन्हें हिंदू धर्म से भ्रष्ट प्रथाओं को समाप्त करने तथा वेदों के सच्चे अर्थ को पुनर्स्थापित करने के लिए काम करने का आग्रह किया। जब महर्षि दयानंद जी का जन्म हुआ, तब देश सदियों की गुलामी से कमजोर पड़कर अपनी आभा, अपना तेज, अपना आत्मविश्वास, सब कुछ खोता चला जा रहा था। प्रतिपल हमारे संस्कारों को, हमारे आदर्शों को, हमारे मूल्योंर को चूर-चूर करने की लाखों कोशिशें होती रहती थीं। जब किसी समाज में गुलामी की हीन भावना घर कर जाती है, तो आध्यात्म और आस्था की जगह आडंबर आना स्वाभाविक हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में महर्षि दयानंद जी ने आगे आकर वेदों के बोध को समाज जीवन में पुनर्जीवित किया। उन्होंने समाज को दिशा दी, अपने तर्कों से ये सिद्ध किया और उन्होंने ये बार-बार बताया कि खामी भारत के धर्म और परंपराओं में नहीं है। खामी है कि हम उनके वास्तविक स्वरूप को भूल गए हैं और विकृतियों से भर गए हैं।

स्वराष्ट्र, स्वभाषा, स्वभूषा, स्वसंस्कृति और स्वतंत्रता के प्रबलतम पक्षधर महर्षि दयानंद सरस्वती ऐसे दिव्य राष्ट्र पुरुष थे, जिनका संपूर्ण चिंतन और कार्य जहां आध्यात्मिकता से ओतप्रोत था, वहीं राष्ट्र उनके लिए प्रथम था। महर्षि दयानंद मानते थे कि व्यक्ति की सर्वांगीण उन्नति 'स्व' से ही प्रारंभ होती है। किसी भी क्षेत्र की पराधीनता व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के लिए अधोगति का कारण बनती है। पराधीन व्यक्ति चाह कर भी कुछ नहीं कर पाता है।

भारतवर्ष की स्वाधीनता के लिए एकदम साफ और बुलंद शब्दों में आवाज उठाने वाले सर्वप्रथम व्यक्ति महर्षि दयानंद ही थे और इसके लिए कष्ट और अमानवीयता की सीमा तक यातनाएं सहने वाले अधिकांशतः व्यक्ति देव दयानंद के अनुयाई और पथानुगामी ही थे। उसे समय के प्रायः सभी युगपुरुष और महापुरुष जहां कुछ एक क्षेत्र में कार्य करके अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ रहे थे वहां मात्र महर्षि दयानंद ने संपूर्ण क्रांति के लिए कार्य किया। अपने अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश की रचना से भी पहले सन् 1874 में ऋषि दयानंद सरस्वती ने 'आर्याभिविनय' की रचना की थी। उसमें उन्होंने स्पष्ट लिखा था- 'अन्य देशवासी राजा हमारे देश में कभी शासन न करें। हम कभी पराधीन न हों।'

उत्तराखंड के लिए संजीवनी बनेगी होमस्टे की नीति

अमित शर्मा

हल्द्वानी

पर्वतीय और पर्यटन राज्य की बेशुमार खूबियां समेटे उत्तराखंड के लिए होमस्टे की नयी नीति को किसी संजीवनी से कम नहीं आंका जा सकता है। होमस्टे के कॉन्सेप्ट ने न केवल यहां रोजगार के द्वार खोले हैं, बल्कि अकल्पनीय पर्यटन का विस्तार भी किया है। प्रदेश के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे अलग से पहाड़ की लोक संस्कृति, परंपरा, संस्कार और स्थानीय उत्पादों की पहचान देश-विदेश में करवा रहा है। मात्र 10 वर्षों में होमस्टे का प्रचलन राज्य के कोने-कोने में पैर जमाने में सफल हुआ है।

अलग राज्य बनने के बाद प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या रोजगार की थी जिस कारण ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं को मजबूरन पलायन करना पड़ रहा था और पलायन रोकना ही प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी चुनौती रहती आई है। रोजगार के अभाव में प्रदेश में गांव के गांव वीरान होने लगे थे। इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए कोई युक्ति नहीं थी, लेकिन करीब दस वर्ष पहले होमस्टे का कॉन्सेप्ट वापसी की लौ बनकर सामने आया। यह देखने में बेहद मामूली नजर आ रहा था, लेकिन रोजगार के साथ पर्यटन के विस्तार का बड़ा मार्ग था। कुछ वर्ष यूं ही बीत गए और करीब छह बरस पहले इसके महत्व को समझते हुए प्रदेश सरकार ने होमस्टे को आगे ले जाने के लिए युवाओं को इससे जोड़ने व प्रेरित करने का अभियान शुरू कर दिया।

> उत्तराखंड के लिए होमस्टे की नई नीति को किसी संजीवनी से कम नहीं आंका जा सकता। होमस्टे के कॉन्सेप्ट ने न केवल यहां रोजगार के द्वार खोले हैं, बल्कि पर्यटन का विस्तार भी किया है।

दरअसल, यह पर्यटन की ऐसी अवधारणा थी, जिसमें खर्च न के बराबर और आकर्षण अनूठा था। अधिक कुछ न कर पुराने घरों को संवारना था और पर्यटक के रूप में आने वाले मेहमानों को घर जैसे प्यार के साथ आवभगत करना था। कुमाऊं और गढ़वाल की संस्कृति सैकड़ों वर्ष पुरानी है, जो देश और दुनिया में अलग पहचान रखती है, लेकिन इसका विस्तार तभी संभव था, जब महानगरों से लोग आएं और यहां की संस्कृति, सौहार्द, खान-पान और रहन-सहन की अनुभूति को अनुभव कर सकें।

प्रदेश के पारंपरिक कुमाऊंनी, गढ़वाली घर मिट्टी-पत्थर और लकड़ी से बने होते हैं। पर्यावरण संरक्षण की झलक और उदाहरण देते प्रतीत होते हैं। पर्यटकों के लिए यह ऐसा आकर्षण और अनुभव है, जो कल्पना से परे होता है। मगर इस अहसास को जगाने के लिए सैलानियों की मौजूदगी बेहद जरूरी थी। इस बीच कोविड महामारी शुरू हो गई। यह महामारी अभिशाप जरूर थी, लेकिन राज्य के होमस्टे का सुहाना सफर यहीं से शुरू हुआ। पलायन कर चुके युवाओं का रिवर्स पलायन शुरू हो गया और उनके लिए उन्हें जब होमस्टे के बारे में पता लगा तो उन्हें अपने सपनों का संसार घर में बसाने का सुनहरा अवसर मिल गया।

एक खास बात यह भी है कि उत्तराखंड की एक विशेष पहचान कुकिंग को लेकर भी रही है। गांव छोड़ महानगरों की शरण लेने वाले लोगों में एक तबका बड़े-नामी होटलों में खाना बनाने में माहिर माने जाते हैं। यह ऐसा हुनर है, जो होमस्टे की सफलता की बुनियाद है। यही वजह है कि वर्तमान में प्रदेशभर में 6545 होमस्टे सफलता के साथ संचालित हो रहे है और 20 हजार से अधिक लोग इन होमस्टे में आजीविका कमाने के साथ अपनी जड़ों से वापस जुड़ रहे हैं।

इसमें जरा भी संदेह नहीं कि उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता दुनिया में अलग और बेपनाह खूबसूरत है। इधर, होमस्टे ने जहां रोजगार की दिशा में बड़ा कदम उठाया, वहीं प्रदेश की तमाम खूबियों के चलते देश-विदेश के लोगों के प्रति आकर्षण पैदा किया है। देवभूमि की बड़ी विशेषता यहां का भोजन है, जो औषधि का काम करता है। गहत और भट्ट की दाल और राजमा का कोई सानी नहीं। इसके अलावा बिच्छू समेत पहाड़ी सब्जियों का भंडार ग्रामीण अंचलों में उपलब्ध है, जो शहरों की हाईब्रिड सब्जियों से कहीं अधिक उत्तम व ऑर्गेनिक है। भाग दौड़ भरी जिंदगी से पहाड़ों का सुकून व शांति का वातावरण पर्यटकों को बेहद भाने लगा है। आदर सत्कार, स्नेह, प्रेम और संस्कार, जो होटलों में संभव नहीं, वह होमस्टे में मिलता है। कम खर्च और ढेर सारी मौज-मस्ती का आनंद होमस्टे में मिल जाता है। यही वजह है कि वर्तमान में होटलों की जगह होमस्टे की मांग बढ़ने लगी है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कैबिनेट ने बीते माह होमस्टे योजना को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए अहम बदलाव किए। इसके अनुसार, अब केवल उत्तराखंड के स्थायी निवासी ही होमस्टे योजना का लाभ उठा सकते हैं, हालांकि अन्य राज्यों के होम स्टे संचालक बेड एंड ब्रेकफास्ट योजना में शामिल होंगे, जिन्हें जीएसटी और व्यावसायिक दरों पर बिजली-पानी मिलेगा। नई 'उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026' का स्पष्ट उद्देश्य स्थानीय निवासियों के हितों की रक्षा करना है।

इस योजना के बड़े फायदों में, स्थानीय निवासियों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और रिवर्स पलायन में यह योजना संजीवनी का काम करेगी। पहाड़ की जवानी पहाड़ के ही काम आएगी। स्थानीय होने के चलते वे स्वयं पहाड़ व अपने आसपास की संस्कृति, विशेषताओं से मेहमान पर्यटकों को बता सकेंगे। स्थानीय होम स्टे संचालकों को बिजली और पानी की सुविधा घरेलू दरों पर मिलने से उनकी लागत भी कम होगी।

पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी कहते हैं कि होमस्टे दूरदराज के ग्रामीण अंचल के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्रदेश की बड़ी आबादी दूर गांवों में रहती है, जहां रोजगार के रूप में होमस्टे लोगों का जीवन स्तर बदल रहा है। होमस्टे खोलने को लेकर सरकार 50 प्रतिशत की सब्सिडी दे रही है, तो बैंक से मिलने वाले ऋण में बैंक ब्याज में 50 फीसद छूट दे रहा है। होमस्टे ने रिवर्स पलायन में बड़ी भूमिका निभाई है। ग्रामीण विकास और पलायन आयोग की रिपोर्ट 2025 के अनुसार 6000 से अधिक प्रवासी अपने गांवों में लौटकर अधिकांश होमस्टे का स्वरोजगार कर रहे हैं।

आमने सामने

आपने भारत बेच दिया है। क्या आपको भारत बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी मां, भारत माता को बेच दिया है। आपको पता है उन्होंने भारत क्यों बेचा? क्योंकि वे उनका गला घोंट रहे हैं। उन्होंने उनकी गर्दन पकड़ रखी है। हम प्रधानमंत्री की आंखों में डर देख सकते हैं।

-राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

आपने कहा कि इन्होंने देश बेच दिया, पर मैं कहना चाहता हूं कि आज तक कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ, जो देश को बेच सके और न कोई है जो हमारे देश को खरीद सके। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि इस देश के अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

-किरेन रिजिजू
संसदीय कार्यमंत्री

बजट: चुनावी रेवड़ियों की जगह मजबूत रोडमैप

मनोज त्रिपाठी

कानपुर

उत्तर प्रदेश में 2027 के पूर्वार्द्ध में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन इसके बावजूद योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट उम्मीदों के विपरीत चुनावी घोषणाओं, लोक लुभावन योजनाओं और मुफ्त की रेवड़ियों से परहेज करता हुआ जनता के उस विश्वास का दस्तावेज जैसा लगता है, जिसे सरकार ने नौ सालों में पूरी शिद्दत के साथ अर्जित किया है। इसी कारण वित्तीय वर्ष 2026-27 का सरकार का बजट जो कि 9,12,696 करोड़ रुपये के साथ आकार में अब तक का सबसे बड़ा है, वित्तीय लेखा-जोखा से ज्यादा, सरकार की आर्थिक सोच, राजनीतिक प्राथमिकताओं और प्रशासनिक क्षमताओं का बखान करने के साथ स्वाभाविक रूप से महत्वाकांक्षी और रणनीतिक रहते हुए विकसित यूपी का रोडमैप प्रस्तुत करता है।

यदि समग्र आकार और संरचना पर नजर डालें, तो यह बजट पिछले वर्षों की तुलना में अधिक विस्तारवादी है। कुल परिव्यय पिछले साल की तुलना में करीब 12.2 फीसदी ज्यादा है। इसके साथ ही वित्तीय अनुशासन और पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर खास फोकस है। पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) में वृद्धि के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि प्रदेश केवल कल्याणकारी योजनाओं पर ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे पर भी निवेश कर रहा है। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो विस्तार, डिफेंस कॉरिडोर, औद्योगिक पार्क, एग्री-एक्सपोर्ट हब, नए मेडिकल कॉलेज, एआई मिशन, प्लेसमेंट सेंटर्स आदि, ये सब मिलकर उस नए उत्तम प्रदेश की तस्वीर पेश करते हैं, जिसे सरकार निवेश-हितैषी और आधुनिक बनाना चाहती है, हालांकि पूंजीगत व्यय के साथ राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखना आसान नहीं होता। यदि राज्य का कर्ज अनुपात बढ़ता है, तो भविष्य की पीढ़ियों पर बोझ बढ़ सकता है। सरकार ने इसे लेकर संतुलन का दावा किया है, लेकिन वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और केंद्र से मिलने वाले अनुदान पर निर्भरता को देखते हुए उसे वित्तीय प्रबंधन की परीक्षा देना अभी बाकी है।

> यूपी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट उम्मीदों के विपरीत चुनावी घोषणाओं से परहेज करता हुआ जनता के विश्वास का दस्तावेज जैसा लगता है।

सरकार जब प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 20 हजार होने और छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का आंकड़ा पेश करती है, तो यह बताना नहीं भूलती कि अर्थव्यवस्था का हाल पहले क्या था और किस तरह वह राज्य की अर्थव्यवस्था को एक डॉलर ट्रिलियन बनाने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इसी क्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का यह बताना कि उत्तर प्रदेश देश की तीन टॉप अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में प्रदेश की रैंकिंग 2018-19 में 29वें स्थान से सुधरकर 2023-24 में 18वें स्थान पर पहुंच गई है।

फरवरी 2024 में आयोजित चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में करीब 50 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं, जिनसे लगभग 10 लाख रोजगार पैदा होने की संभावना है। अब तक 16 हजार से ज्यादा परियोजनाओं के लिए लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी हो चुकी हैं, तो योगी सरकार के इसी दावे पर मुहर लगती है कि उसके पिछले और वर्तमान कार्यकाल में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है, चाहे कानून व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण हो, अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार हो, औद्योगिक निवेश या रोजगार सृजन हो, महिलाओं का सशक्तीकरण हो या युवाओं का कौशल संवर्धन, किसानों की खुशहाली हो या गरीबी उन्मूलन। इन सारी बातों से सरकार यही संदेश हर किसी तक पहुंचाना चाहती है कि अब तक की बदलाव की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए इस बार का बजट भी प्रदेश के संतुलित विकास, विशेषकर युवाओं और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है, ताकि राज्य को देश की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाया जा सके।

बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी ढांचे के लिए आवंटित किया गया है। विशेष रूप से सड़कों और फ्लाईओवर के निर्माण पर 34,468 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इससे प्रदेश में एक्सप्रेसवे, मुख्य राजमार्ग, बाईपास, ग्रामीण सड़कों और पुलों के विस्तार पर तेजी से काम होगा। फिलहाल प्रदेश में सात एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक दौड़ रहा है, तीन एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन हैं। अब चार और नए एक्सप्रेसवे बनने की घोषणा से सरकार का इरादा साफ है कि प्रदेश के हर जिले को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जाए, ताकि परिवहन सुविधाएं मजबूत हों और आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, क्योंकि यही वह बिंदु है, जिससे लोगों में विकास होने की आम राय बनती है।

निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। बेहतर सड़क नेटवर्क से औद्योगिक क्षेत्रों तक माल की ढुलाई आसान होने से लॉजिस्टिक्स लागत कम होती है और व्यापार-कारोबार बढ़ता है। इसी तरह ग्रामीण इलाकों में सड़कों के विस्तार से किसानों की बाजार तक पहुंच आसान होने से उनकी आय में सुधार आ सकता है। बजट का दूसरा सबसे प्रमुख हिस्सा टेक्नोलॉजी और एआई मिशन है, जिसमें राज्य को आईटी हब बनाने का संकल्प है।

सोशल फोरम

फिर चित्रा ने नहीं गाया

1975-76 के लगभग जगजीत-चित्राजी का पहला LP रिकार्ड Unforgettables आया, उसके बाद ही हिंदुस्तान में ही नहीं, एक हद तक पाकिस्तान में भी ग़ज़ल गायकी का जैसे ट्रेंड ही बदल गया। उस समय ग़ज़ल गायकी में ग्रेट मेंहदी हसन बहुत बड़ा नाम थे और भारत में तलत महमूद थे और भी बड़े-बड़े शास्त्रीय ग़ज़ल गायक थे उस दौर के, किंतु जगजीत सिंह एक ऐसा नाम उभरा जो जीवन का अंत होने के समय तक निरंतर शोहरत की बुलंदियों पर चढ़ता चला गया। बिना इस बात की परवाह किए कि बाकी गायक कितने बड़े और शोहरतमंद हैं?

रश्मि त्रिपाठी

ब्लॉगर

अपनी सरल गायकी और मखमली आवाज़ के बल पर जगजीत सिंह न केवल खुद जन-जन के प्रिय होते चले गए, अपितु उन्होंने ग़ज़ल को भी अपार लोकप्रियता दिलाई। ग़ज़ल जो कुछ 'एलीट क्लास' की बैठकों के शौकीनों की शोभा मात्र हुआ करती थीं, अब आम लोगों में गुनगुनाने की चीज़ बन गई। बात यहां तक आ गई कि लोकप्रिय फिल्मी गीतों की तुलना में भी जगजीत जी को अधिक शोहरत मिलने लगी।

कुछ वर्षों के इस सफर के बाद जगजीत सिंह को हिंदी सिनेमा में गाने का मौका भी मिल गया। 'तुम इतना जो मुस्करा रहे हो' या फिर 'होठों से छू लो तुम,मेरा गीत अमर कर दो' जैसे अनेक कालजयी फिल्मी गाने जगजीत सिंह की गायकी और उन्हीं की मौसिक़ी से निकले थे। इससे पहले 1967 में जब जगजीत काम ढूंढ रहे थे, तब उनकी मुलाकात चित्रा दत्ता से हुई। चित्रा उस वक्त शादीशुदा थीं। वो मुंबई में जहां रहती थीं। उनके सामने वाले घर में जगजीत का आना-जाना लगा रहता था और यहीं पर दोनों की मुलाकात हुई थी।

धीरे धीरे वे एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे और अलग सी बात ये थी कि जगजीत ने उनके पति देबू प्रसाद दत्ता से उन्हे मांग लिया था। दिसंबर 1969 में चित्रा ने अपने पति को तलाक देकर जगजीत सिंह से शादी कर ली। कहते हैं कि देबू दत्ता का भी कहीं और अफेयर था, इसलिए उनको भी तलाक में सुविधा हो गई।

चित्रा-जगजीत दोनों एक साथ एक के बाद एक कॉन्सर्ट लगातार करते जा रहे थे। शोहरत-दौलत दिन-दूनी रात चौगुनी बढ़ती गई। साल 1980 तक जगजीत सिंह गजल किंग बन चुके थे। इसी समय उनके एक मात्र पुत्र विवेक की 1990 में एक एक्सीडेंट में मृत्यु हो गई। दोनों ने गाना छोड़ दिया। कुछ दिन बाद जगजीत सिंह तो रोमांटिक न सही, लेकिन थोड़े बदले मिज़ाज़ के गीत-गजल गाने लगे, लेकिन चित्रा ने फिर नहीं गाया। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

ईयू-यूएस से व्यापारिक समझौता सुनहरा मौका

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अब भारतीय निर्यातकों को 50 प्रतिशत शुल्क के स्थान पर सिर्फ 18 प्रतिशत शुल्क ही देना होगा, किंतु यह भी सत्य है कि पहले यह शुल्क मात्र 2.9 प्रतिशत ही था। यह दोनों समझौते भारत को विश्व पटल पर मजबूत स्थिति में खड़ा होने का अवसर प्रदान करते हैं। यदि भारत यूरोपीय संघ व्यापार समझौते को सभी समझौतों की जननी कहा जा सकता है, तो भारत-अमेरिका व्यापार समझौता सभी समझौतों का जनक माना जा सकता है। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया जाने वाला शुल्क अब 18 प्रतिशत रह जाएगा, हालांकि भारतीय यूरोपीय संघ समझौता अपने आप में महत्वपूर्ण है, किन्तु भारत द्वारा अपने सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार अमेरिका से निर्यात को विविधतापूर्ण बनाना भी एक कठिन प्रयास था, जिसमें भारत को अंततः सफलता प्राप्त हुई। यह समझौता न केवल भारत की व्यापार स्थिति को बहाल करेगा, बल्कि दशकों पुराने भारत-अमेरिका राजनयिक संबंधों को भी मजबूत करेगा, जिनमें हाल ही में तनाव के संकेत दिखाई दिए थे।

प्रो. रिपुदमन सिंह

शिक्षाविद्

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते ने भारतीय उद्योगों को राहत की सांस लेने का मौका प्रदान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह दावा कि अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा भी चुनौतीपूर्ण है, भारत को इस पर ध्यान देना होगा, क्योंकि रूसी तेल पूरी तरह बंद करने पर भारत को अपने एक तिहाई तेल की आपूर्ति के लिए विकल्प तलाशना होगा तथा रूस के साथ भारत के संबंध पर भी असर पड़ेगा। रूस भारत का लंबे समय से मित्र और रक्षा उपकरणों का महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। यह कदम भारत के लिए संबंधों को पुनर्गठन करने जैसा होगा। इसी तरह वेनेजुएला से अधिक कच्चा तेल खरीदना शोधन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न करेगा।

इसके अतिरिक्त यह भी विचारणीय है कि भारत ने अमेरिका को टैरिफ रियायतों निवेशों और खरीद आदेशों के संदर्भ में क्या प्रतिबद्धतायें निर्धारित की हैं, क्योंकि ट्रंप और उनकी टीम, संवेदनशील कृषि उत्पादों और डेयरी उत्पादों के आदान-प्रदान किए जाने का दावा कर रहे हैं। भारतीय वाणिज्य मंत्री ने ट्रंप के इस दावे पर कोई प्रतिक्रिया अभी तक नहीं दी है, लेकिन अमेरिकी व्यापार समझौते ने एक उम्मीद की किरण तो दी है, क्योंकि इससे शेयर बाजारों में तेजी आई है, रुपये को मजबूती मिली है और कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते और इंजीनियरिंग सामान जैसे श्रम प्रधान उद्योगों में उत्साह का माहौल है।

व्यापार के मोर्चे पर भारत के वस्त्र और चमड़ा निर्यातकों को त्वरित लाभ मिलने की संभावना है। वर्तमान में खेल सामग्री, रत्न और आभूषणों के निर्यातकों को उच्च टैरिफ के चलते कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था और यह निर्यातक 10-20 प्रतिशत तक नुकान उठा रहे थे। यह डैडम् क्षेत्र में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत वस्त्र और परिधान का 28 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को करता है, जो भारतीय चमड़े और खेल सामग्री का भी बहुत बड़ा बाजार है। भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता भारत के इतने बड़े निर्यात को इतनी जल्दी समायोजित करने की स्थिति में संभवतः नहीं था, किंतु एक वैकल्पिक व्यवस्था बनने की स्थिति में जरूर आगे आ सकता है। अमेरिकी रणनीतिकार संभवतः इसी संभावना को भांपने में सफल रहे हैं और भारत-अमेरिका समझौते को अति शीघ्र लागू करने के लिए तत्पर हो गए हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौता का एक व्यापक रणनीतिक उद्देश्य भी है, यह द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति बहाल करने में भी मदद करेगा, जो नागरिक परमाणु समझौते के बाद से लगातार मजबूत होते गए हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

75% कॉलेज छात्रों को नहीं दे पा रहे जॉब वाली स्किल्स

भारत में हर साल लाखों युवा बड़े सपनों के साथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी में दाखिला लेते हैं। परिवार उम्मीद करता है कि चार साल की पढ़ाई के बाद बच्चा अच्छी नौकरी पाएगा, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा और समाज में सम्मान पाएगा, लेकिन आज की सच्चाई यह है कि डिग्री मिलने के बाद भी नौकरी मिलना किसी जुए से कम नहीं रह गया है। टीमलीज एडटेक की ताजा रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 75 प्रतिशत कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने छात्रों को जॉब-रेडी स्किल्स देने में नाकाम हो रहे हैं। यानी डिग्री तो मिल रही है, लेकिन नौकरी के लायक नहीं है। यह सिर्फ शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

राजेश जैन
लेखक

डिग्री की फैक्ट्रियां बनते जा रहे हैं कॉलेज

आज बड़ी संख्या में संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने वाली फैक्ट्रियों में बदल चुके हैं। क्लासरूम में थ्योरी पढ़ाई जाती है, पुराने सिलेबस रटाए जाते हैं, लेकिन असली दुनिया की जरूरतों से छात्रों का कोई संपर्क नहीं होता। नतीजा यह होता है कि छात्र पास होकर निकलते हैं, लेकिन उन्हें यह तक नहीं पता होता कि इंडस्ट्री उनसे क्या चाहती है। आज कंपनियों को ऐसे युवा चाहिए जो टेक्नोलॉजी समझते हों, कम्युनिकेशन में मजबूत हों, प्रॉब्लम सॉल्विंग कर सकें, प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस रखते हों, लेकिन ज्यादातर कॉलेज इन स्किल्स पर काम ही नहीं करते।

प्लेसमेंट का कड़वा सच

कागजों में कई संस्थान 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का दावा करते हैं, लेकिन सच्चाई इससे बहुत अलग है। रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 16.67 प्रतिशत संस्थान ही ऐसे हैं, जो अपने 76 प्रतिशत से 100 प्रतिशत छात्रों को छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। बाकी छात्रों को या तो बहुत कम सैलरी वाली नौकरी मिलती है या फिर वे बेरोजगार घूमते रहते हैं या किसी दूसरे कोर्स की तैयारी करने लगते हैं। यह स्थिति उन माता-पिता के लिए भी चिंता का विषय है, जो भारी फीस भरकर बच्चों को प्राइवेट कॉलेजों में पढ़ाते हैं। इंडस्ट्री और पढ़ाई के बीच गहरी खाई आज की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष यही है कि पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतों में तालमेल नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 8.6 प्रतिशत संस्थानों के कोर्स पूरी तरह इंडस्ट्री-फ्रेंडली हैं, 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं। मतलब आधे से ज्यादा कॉलेज ऐसे हैं, जहां पढ़ाया कुछ और जाता है और नौकरी में चाहिए कुछ और।

क्लासरूम में इंडस्ट्री का अनुभव नदारद

अगर कॉलेजों में इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स पढ़ाएं, तो छात्रों को असली दुनिया की समझ मिले, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि सिर्फ 7.56 प्रतिशत संस्थानों में ही 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स को शामिल किया गया है। बाकी जगह वही पुराने प्रोफेसर, वही पुराने नोट्स, वही पुरानी थ्योरी। छात्रों को यह नहीं बताया जाता कि आज जॉब मार्केट कैसे बदल रहा है, नई भूमिकाएं क्या हैं, कंपनियां किस तरह की स्किल्स ढूंढ रही हैं।

सर्टिफिकेट्स से दूरी

आज कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं देखतीं, वे मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। जैसे-एआई और डेटा साइंस सर्टिफिकेट, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, 60 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने इन सर्टिफिकेट्स को अपने कोर्स में शामिल करने पर कभी सोचा ही नहीं। नतीजा ये हुआ छात्र ऐसे स्किल्स के बिना ग्रेजुएट होते हैं, जिन्हें कंपनियां तुरंत पहचान सकें।

इंटर्नशिप: नाम की, काम की नहीं

नौकरी से पहले इंटर्नशिप सबसे जरूरी कदम होती है। यहीं से छात्र सीखते हैं–ऑफिस कल्चर, टीमवर्क, असली प्रोजेक्ट पर काम, लेकिन भारत में सिर्फ 9.4 प्रतिशत संस्थानों में सभी कोर्स के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है और 37.8 प्रतिशत संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है। यानी लाखों छात्र बिना किसी प्रैक्टिकल अनुभव के सीधे जॉब मार्केट में उतर जाते हैं। फिर कंपनियां कहती हैं–आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है।

लाइव प्रोजेक्ट्स भी गायब

लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स छात्रों को रियल वर्ल्ड प्रॉब्लम सॉल्विंग सिखाते हैं, लेकिन सिर्फ 9.68 प्रतिशत संस्थानों में ही ऐसे प्रोजेक्ट कराए जाते हैं। बाकी जगह थ्योरी पढ़ाओ, एग्जाम लो, डिग्री दो और मामला खत्म।

एलुमनाई नेटवर्क की कमजोरी

पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की ताकत होते हैं। वे मेंटरशिप दे सकते हैं, रेफरल दिला सकते हैं, जॉब के मौके खोल सकते हैं, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 5.44 प्रतिशत संस्थानों के पास सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क है। यानी कॉलेज अपने ही पुराने छात्रों की ताकत का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे।

इसका असर सिर्फ छात्रों पर नहीं, देश पर भी–जब युवा बेरोजगार रहते हैं, तो इसका असर सिर्फ परिवार पर नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। उत्पादकता घटती है, मानसिक तनाव बढ़ता है, स्किल गैप बढ़ता है, माइग्रेशन बढ़ता है, डिग्रीधारी बेरोजगारी, देश के लिए सबसे खतरनाक संकेतों में से एक है।

यह है समाधान

रिपोर्ट साफ कहती है कि अब बदलाव विकल्प नहीं, मजबूरी है। इसके लिए इंडस्ट्री–अनुकूल सिलेबस, अनिवार्य इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की भागीदारी, सर्टिफिकेट कोर्स, मजबूत एलुमनाई नेटवर्क, कॉलेजों को सिर्फ पढ़ाने की नहीं, रोजगार दिलाने की जिम्मेदारी लेनी होगी।

सरकार की भूमिका भी अहम

नई शिक्षा नीति सही दिशा में कदम है, लेकिन जमीन पर उसका असर अभी सीमित है। सरकार को चाहिए कि कॉलेजों की जवाबदेही तय करे, प्लेसमेंट डेटा पब्लिक करे, स्किल–बेस्ड एजुकेशन को बढ़ावा दे, इंडस्ट्री पार्टनरशिप अनिवार्य बनाए, छात्रों को भी जागरूक होना होगा। आज का छात्र सिर्फ डिग्री पर निर्भर नहीं रह सकता। उसे खुद भी ऑनलाइन स्किल्स सीखनी होंगी, इंटर्नशिप ढूंढनी होगी, नेटवर्क बनाना होगा, इंडस्ट्री ट्रेंड समझना होगा। अगर भारत की हायर एजुकेशन सिस्टम आज नहीं सुधरा तो आने वाले सालों में डिग्रियों की भीड़ होगी, लेकिन नौकरियों की कमी। यह संकट सिर्फ शिक्षा का नहीं, राष्ट्र निर्माण का संकट है। अब वक्त है डिग्री फैक्ट्रियों को रोजगार केंद्रों में बदलने का।

वर्ड स्मिथ

कैसे बना शैंपू शब्द

आज शैंपू हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक सामान्य शब्द बन चुका है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका जन्म भारत में हुआ और यह शब्द हिंदी-उर्दू नहीं, बल्कि संस्कृत मूल से होकर अंग्रेजी तक पहुंचा। 'शैंपू' शब्द की कहानी औपनिवेशिक भारत, आयुर्वेद और पश्चिमी संस्कृति के आपसी संपर्क से जुड़ी है। 'शैंपू' शब्द की जड़ संस्कृत के शब्द 'चम्पू' (Champu) में मिलती है। 'चम्पू' का अर्थ होता है-दबाना, मलना या मालिश करना। प्राचीन भारत में सिर और शरीर की तेल मालिश को 'चम्पू' कहा जाता था। यह केवल सौंदर्य का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का भी महत्वपूर्ण हिस्सा था। आयुर्वेद में सिर की मालिश को तनाव दूर करने, रक्तसंचार बढ़ाने और बालों को स्वस्थ रखने का प्रभावी उपाय माना गया है।

17वीं-18वीं शताब्दी में जब ब्रिटिश व्यापारी और अधिकारी भारत आए, तो उन्होंने यहां की मालिश और स्नान पद्धतियों को देखा। बंगाल में 'चम्पू' एक प्रचलित प्रक्रिया थी, जिसमें जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक तत्वों से सिर की सफाई और मालिश की जाती थी। अंग्रेजों ने इस शब्द को अपने उच्चारण के अनुसार 'Shampoo' कहना शुरू कर दिया। सन 1762 में यह शब्द पहली बार अंग्रेजी शब्दकोश में दर्ज हुआ। शुरुआत में 'शैंपू' का अर्थ केवल सिर की मालिश या शरीर को मलने की क्रिया था, न कि किसी तरल पदार्थ का नाम। बाद में, 19 वीं शताब्दी में जब तरल साबुन और बाल धोने वाले उत्पाद विकसित हुए, तब इस प्रक्रिया से जुड़े उत्पाद को ही 'शैंपू' कहा जाने लगा। इस प्रकार, 'शैंपू' केवल एक कॉस्मेटिक उत्पाद नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की देन है, जो संस्कृत से चलकर औपनिवेशिक रास्तों से होती हुई पूरी दुनिया की भाषाओं में शामिल हो गई। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भारतीय परंपराओं का वैश्विक प्रभाव कितना गहरा और स्थायी रहा है।

नोटिस बोर्ड

- बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है। उन्हें रोजगार पाने के लिए बहुत जल्द सुनहरा अवसर मिलेगा। जिला सेवा योजन विभाग, अमेठी की ओर से 26 फरवरी को आरआरपीजी कॉलेज में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 50 से अधिक नामी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। मेले के माध्यम से 2000 से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। मेले में कक्षा आठवीं पास से लेकर स्नातक, परास्नातक, बीटेक, आइटीआइ और पॉलिटेक्निक उत्तीर्ण युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार पाने का अवसर मिलेगा। निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि मौके पर ही साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया पूरी करेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र और बायोडाटा साथ ले जाएं।

- बरेली कॉलेज के ललितकला विभाग ने बीए प्रथम सेमेस्टर चित्रकला विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। विभागीय सूचना के अनुसार बैक और रेगुलर दोनों श्रेणी के विद्यार्थियों की परीक्षा 14 फरवरी को सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। परीक्षा ललितकला विभाग में ही संपन्न होगी। विभाग के प्रभारी प्रो. एबीएल. लखटकिया ने छात्रों को निर्देश दिए हैं कि वे परीक्षा के दिन निर्धारित समय से कम से कम आधा घंटा पहले विभाग में उपस्थित रहें, ताकि सभी आवश्यक औपचारिकताएं समय पर पूरी की जा सकें और परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो।

कैंपस में पहला दिन

जीवन को सोचने व समझने की यात्रा

आज भी स्मृतियों में किसी ताजी सुबह की तरह कॉलेज का पहला दिन चमकता है। स्कूल की सुरक्षित और जानी-पहचानी दुनिया से निकलकर बीएससी की छात्रा के रूप में कॉलेज की देहरी पर कदम रखना मेरे लिए उत्साह और संकोच दोनों का मिला-जुला अनुभव था। हाथ में नई फाइल, कंधे पर बैग और मन में अनगिनत सवाल, क्या मैं यहां अपने सपनों के करीब पहुंच पाऊंगी?

कृष्णा चौहान
बीएससी छात्रा, एसएस कॉलेज, शाहजहांपुर

कॉलेज का विशाल परिसर देखते ही मन आश्चर्य से भर उठा। ऊंची इमारतें, हरे-भरे पेड़, भागते हुए छात्र, कहीं हंसी की आवाजें तो कहीं गंभीर चेहरों पर किताबों का बोझ, सब कुछ नया था। विभाग की ओर बढ़ते कदमों के साथ दिल की धड़कनें तेज होती जा रही थीं। बीएससी की छात्रा होने का गर्व तो था, लेकिन साथ ही यह डर भी कि विज्ञान जैसे गंभीर विषय को संभाल पाऊंगी या नहीं। पहली कक्षा का अनुभव कभी नहीं भूल सकती। प्रयोगशाला में रखे चमकते उपकरण, रसायनों की हल्की गंध और दीवारों पर टंगे वैज्ञानिकों के चित्र मुझे एक अलग ही दुनिया में ले गए। जब पहली बार अध्यापक ने अपना परिचय दिया और विषय की महत्ता समझाई, तब महसूस हुआ कि यह सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि जीवन के सोचने और समझने की एक नई यात्रा है। सबसे सुकून देने वाला पल तब आया, जब कुछ अनजान चेहरे मुस्कान में बदल गए। पास बैठी छात्रा से हुई छोटी-सी बातचीत दोस्ती की शुरुआत बन गई। लगा जैसे डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास में बदल रहा हो। कैंटीन की पहली चाय और हल्की-फुल्की बातचीत ने उस दिन को और यादगार बना दिया।

शाम को कॉलेज से लौटते समय मन में थकान नहीं, बल्कि एक अजीब-सी खुशी थी। लगा, जैसे जीवन का नया अध्याय शुरू हो चुका है। आज जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो समझ में आता है कि वह पहला दिन सिर्फ कॉलेज का नहीं था, बल्कि मेरे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में पहला कदम था, जो आज भी मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधन को आधिकारिक रूप से अधिसूचित कर दिया है, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए नियम और कड़े हो गए हैं। संशोधित आईटी नियम 2021 के तहत अब एआई–जनित (AI-generated) सामग्री पर "स्पष्ट और प्रमुख" लेबल लगाना अनिवार्य होगा और अवैध सामग्री हटाने की समय–सीमा 36 घंटे से घटाकर केवल तीन घंटे कर दी गई है। ये बदलाव 20 फरवरी 2026 से लागू होंगे।
- भारत और सेशेल्स के द्विपक्षीय संबंध एक नए रणनीतिक स्तर पर पहुंचा गए हैं। हाल ही में सेशेल्स के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने सततता, आर्थिक विकास और सुरक्षा के लिए सुदृढ़ संपर्कों के माध्यम से संयुक्त दृष्टि (SESEL) की घोषणा की। यह पहल हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका और एक करीबी समुद्री साझेदार के रूप में सेशेल्स के महत्व को रेखांकित करती है, जिसमें सुरक्षा, विकास और जन–केंद्रित सहयोग को केंद्र में रखा गया है।
- हाल ही में नीति आयोग ने आंध्र प्रदेश के लिए एक महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा योजना पेश की है। इस नीति ब्लूप्रिंट का उद्देश्य वर्ष 2035 तक आंध्र प्रदेश को भारत के प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा हब में बदलना है। घटती बिजली लागत और बड़े क्षमता विस्तार के साथ आंध्र प्रदेश को भविष्य में देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है।
- हाल ही में वैश्विक खेल प्रशासन के लिए एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने ईरान से अपनी पहली महिला सदस्य का चुनाव किया है। ईरानी बैडमिंटन खिलाड़ी सोरया अघाई हाजिआगहा को 4 फरवरी इटली के मिलान में आयोजित 145 वें IOC सत्र के दौरान निर्वाचित किया गया। इस चुनाव के साथ ही वे IOC की वर्तमान सबसे कम उम्र की सदस्य भी बन गई हैं।
- भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने नई दिल्ली में आयोजित एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता। यह उपलब्धि उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवां स्थान हासिल करने के पांच दिन बाद दर्ज की। डबल शूट–ऑफ के बीच मनु ने मानसिक मजबूती दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। यह 25 मीटर पिस्टल में उनका पहला व्यक्तिगत सिल्वर मेडल है।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक

- पद का नाम– कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, अधिकारी
- पदों की संख्या– (1763 क्लर्क + 313 अधिकारी) 2076 पद
- सैलरी/पे स्केल क्लर्क : लेवल–4 (Rs. 19,500–62,000) 7 वां पे स्केल / लेवल–7 (Rs. 28,700–91,300) / 6 वां पे स्केल (Rs. 5,200–20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता–स्नातक
- आयु सीमा –18 से 35 वर्ष (40 वर्ष छूट के साथ), कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा) : 18 से 55 साल
- आवेदन की अंतिम तिथि– 20 फरवरी 2026
- वेबसाइट–www.apexbankmp.bank.in

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

- पद का नाम– ग्रुप सी पदों के लिए भर्ती (विभिन्न विभाग / बोर्ड / निगम)
- सीईटी ग्रुप सी पर आधारित– विज्ञापन नंबर 01/2025 क्वॉलिफाइड कैंडिडेट
- पदों कि संख्या –4227
- एप्लीकेशन शुरू होने की तारीख– 9 फरवरी 2026
- आवेदन की अंतिम तिथि– 23 फरवरी 2026
- ऑफिशियल वेबसाइट www.hssc.gov.in

सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

- पद का नाम– डिप्टी जनरल मैनेजर (इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स), डिप्टी जनरल मैनेजर (माइक्रोवेव), दूसरे पोस्ट (डिप्टी इंजीनियर, ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी, वगैरह
- पदों की संख्या– 34
- विज्ञापन नंबर 118/ Pers/1/2026
- सैलरी– Rs.17,500 – 2,20,000/– हर महीने
- क्वालिफिकेशन– B.E./B.Tech / MBA / CA/ ICWA / ग्रेजुएट / 10th
- एज लिमिट– पदानुसार
- आवेदन की अंतिम तिथि– 3 फरवरी 2026
- वेबसाइट– https://www.celindia.co.in

बोर्ड परीक्षा से पहले सफलता का स्मार्ट स्टडी प्लान

बीते दिनों परीक्षा पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कुशल मनोवैज्ञानिक की भांति विद्यार्थियों से परीक्षा पर चर्चा की, उन्होंने सीधे परीक्षा तनाव पर चर्चा करने के बजाय छात्रों के जीवन व उनके क्षेत्र से संबंधित विभिन्न आयामों पर चर्चा की, जिससे छात्र उनसे सीधे जुड़ सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर छात्र अद्वितीय हैं, उनकी अपनी क्षमता, विशेषता, जीवनशैली, सोचने–समझने का ढंग अलग–अलग होता है, इसलिए विद्यार्थियों का परीक्षा की तैयारी का तरीका अलग–अलग हो सकता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि अपनी परीक्षा की तैयारी अपने ढंग से करनी चाहिए, सभी के सुझाव को सुनना चाहिए, किंतु अपनी तैयारी का पैटर्न अपने अनुभव के अनुसार तय करना चाहिए। यूपी बोर्ड एग्जाम के कुछ दिन ही शेष रह गए हैं।

डॉ. मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू

इन दिनों में परीक्षार्थियों को विशेष ध्यान रखते हुए परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए। आइए आज आपको बताते हैं, कुछ महत्वपूर्ण परीक्षा उपयोगी सुझाव, जिन्हें अपनाकर आप परीक्षा में अच्छे नंबर ला सकते हैं।

सिलेबस के अनुसार बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले एक सरल और व्यावहारिक टाइम टेबल तैयार करें। यह बहुत जटिल नहीं होना चाहिए। दिन के अलग–अलग समय के अनुसार विषय तय करें। सुबह का समय पढ़ाई के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है, इसलिए इस समय कठिन विषयों का अध्ययन करें। दोपहर में हल्के टॉपिक और शाम के समय रिवीजन पर ध्यान दें।

जरूरी टॉपिक पर करें फोकस

जब बोर्ड परीक्षा में कुछ ही दिन शेष हों, तब नया पाठ्यक्रम शुरू करने के बजाय महत्वपूर्ण अध्यायों पर ध्यान देना समझदारी है। सिलेबस में शामिल मुख्य चैप्टर और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का विश्लेषण करें। जिन टॉपिक से बार–बार प्रश्न पूछे जाते हैं, उन्हें अच्छी तरह तैयार करें। अगर कोई अध्याय पूरा नहीं आता है, तो उसे छोड़ने के बजाय उसके आसान हिस्सों को जरूर पढ़ लें।

प्रश्नों की लिखकर करें प्रैक्टिस

पढ़ी हुई सामग्री को बार–बार दोहराना बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम एक बार रिवीजन करें। साथ ही लिखकर अभ्यास करने से उत्तर लेखन की गति बढ़ती है और परीक्षा के समय समय–प्रबंधन में मदद मिलती है। गणित, विज्ञान और अकाउंट्स जैसे विषयों में यह तरीका विशेष रूप से लाभकारी होता है।

मॉक टेस्ट देना न भूलें

पुराने प्रश्नपत्र और फुल मॉक टेस्ट बोर्ड परीक्षा की तैयारी का सबसे बेहतर साधन हैं। छात्रों को सप्ताह में कम से कम दो से तीन फुल–लेंथ मॉक टेस्ट देने चाहिए। इससे परीक्षा के माहौल की आदत बनती है। टेस्ट के बाद अपनी गलतियों को समझें और उन्हें सुधारने पर काम करें।

तनाव से दूर रहें, बनाए रखें आत्मविश्वास

परीक्षा से पहले घबराहट होना स्वाभाविक है, लेकिन अत्यधिक तनाव पढ़ाई पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। छात्रों को खुद पर भरोसा रखना चाहिए। पूरे साल की गई मेहनत अंतिम समय में जरूर रंग लाएगी।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,233.64	25,953.85
गिरावट/बढ़त	40.28	18.70
प्रतिशत में	0.05	0.07

सोना 1,61,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 12 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अकासा एयर के सह-संस्थापक प्रवीण अय्यर का इस्तीफा

नई दिल्ली। अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी प्रवीण अय्यर ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन कंपनी में चार महीने के भीतर वरिष्ठ स्तर पर यह दूसरा इस्तीफा है। अकासा एयर ने बुधवार को कहा कि पांच वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा के बाद अय्यर ने अपने जीवन के अगले अध्याय की शुरुआत करने का निर्णय लिया है। वह कामकाज का सुचारू एवं व्यवस्थित हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए 30 अप्रैल, 2026 तक नेतृत्व दल के साथ मिलकर का करेंगे। अय्यर, नीलू खत्री के बाद कंपनी छोड़ने वाले दूसरे सह-संस्थापक हैं।

टोटलएनर्जीज ने एजीईएल में 1.7% हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। फ्रांसीसी ऊर्जा कंपनी टोटलएनर्जीज ने कहा कि उसने 2025 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) में 1.7% हिस्सेदारी बेच दी है। कंपनी ने कहा कि उसने अक्टूबर-दिसंबर, 2025 के दौरान परिसंपत्तियों की बिक्री से 2.08 अरब डॉलर जुटाए। टोटलएनर्जीज के मुताबिक, इन विनिवेश में नाइजीरिया के बोंगा क्षेत्र में गैर-संचालित हिस्सेदारी की बिक्री, मलेशिया के ब्लॉक एसके408 में आंशिक हिस्सेदारी की बिक्री, अमेरिका और यूनान में अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो में 50% हिस्सेदारी की बिक्री तथा अडाणी ग्रीन एनर्जी में 1.7% की बिक्री शामिल है।

दुबई हवाई अड्डे से 9.52 करोड़ यात्रियों ने किया सफर

दुबई। दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, 2025 में भी दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा रहा। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 2025 में रिकॉर्ड 9.52 करोड़ यात्रियों ने टर्मिनल से सफर किया, जो अमीरात की जारी आर्थिक तेजी को दर्शाता है। वैश्विक महामारी के बाद के वर्ष में हवाई अड्डे की गतिविधियों में तेज उछाल आया है। इसे वैश्विक यात्रा रुचि के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सबसे बड़े शहर दुबई में बढ़ते पर्यटन, व्यापार एवं रियल एस्टेट अवसरों से बल मिला है।

भारत-अमेरिका समझौते में संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह संरक्षित : वाणिज्य सचिव

दोनों पक्ष संयुक्त बयान को कानूनी समझौते में बदलने पर कर रहे काम

- दोनों देश मार्च के अंत तक समझौते के प्रारूप के अंतिम रूप दिए जाने के बाद हस्ताक्षर की उम्मीद

न्यूर्नबर्ग (जर्मनी), एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत ने व्यापार समझौतों में हमेशा उन क्षेत्रों को लेकर स्पष्ट सोच रखी है जो देश के लिए बेहद संवेदनशील हैं और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते में ऐसे सभी प्रमुख क्षेत्रों की पूरी तरह रक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष संयुक्त बयान को कानूनी समझौते में बदलने पर काम कर रहे हैं जिसे मार्च के अंत तक अंतिम रूप देकर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।

अग्रवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा सभी समझौतों पर स्पष्ट सोच के साथ बातचीत की है। जो भी क्षेत्र भारत के लिए बेहद संवेदनशील हैं, जहां हमें लगता है कि हमारे किसान, मछुआरे, दुग्ध क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं, वहां हमने अपने साझेदार देशों को साफ बता दिया है कि भारत ऐसे मामलों में बाजार नहीं खोल सकता या पहुंच नहीं दे सकता।

उन्होंने कहा कि अगर आप पिछले एक साल में किए गए सभी समझौतों को देखें। हमने पांच व्यापार समझौते किए हैं। सभी में संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा की गई है। अमेरिका के साथ भी सभी प्रमुख संवेदनशील क्षेत्रों को सुरक्षित रखा गया है। जहां थोड़ी संवेदनशीलता थी, वहां हमने शुल्क दर कोटा व्यवस्था का इस्तेमाल किया ताकि बाजार तक पहुंच सीमित रहे और हमारे किसानों पर असर न पड़े।

इस महीने की शुरुआत में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते के तहत भारत ने मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं दुग्ध उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित रखा है। इन वस्तुओं पर अमेरिका को कोई शुल्क रियायत नहीं दी गई है। ये उत्पाद संवेदनशील हैं क्योंकि इनका संबंध देश के छोटे एवं सीमांत किसानों की आजीविका से है। अन्य मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में भी भारत ने संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों पर आयात शुल्क में कोई रियायत नहीं दी है।

देश का निर्यात सकारात्मक रहने की उम्मीद

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष में अब तक भारत के वस्तु एवं सेवा निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है और जनवरी में भी इसके सकारात्मक रहने का अनुमान है। जनवरी के आंकड़े इस महीने आधिकारिक रूप से जारी किए जाएंगे। अग्रवाल ने कहा, कुल मिलाकर निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वस्तु निर्यात में हम मजबूती से टिके हुए हैं। सेवाएं हमेशा की तरह बहुत अच्छा कर रही हैं। आप (जनवरी के आंकड़ों) के सकारात्मक रहने की उम्मीद कर सकते हैं। जनवरी के निर्यात आंकड़ों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने यह बात कही। अग्रवाल यहां बायोफैच 2026 प्रदर्शनी में हिस्सा लेने पहुंचे हैं जहां 100 से अधिक भारतीय प्रदर्शक और करीब 20 राज्य अपने जैविक उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए को अंतिम रूप दिया है। कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियां जैसे पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनसे 50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में जहां कृषि अत्यधिक मशीनीकृत और कॉरपोरेट आधारित है, वहीं भारत में यह आजीविका का सवाल है। भारतीय कृषि क्षेत्र को वर्तमान में घरेलू किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए मध्यम से उच्च शुल्क एवं नियामकीय उपायों के जरिये संरक्षण दिया गया है। भारत को 2024 में अमेरिका का कृषि निर्यात 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

समझौते पर संशोधित दस्तावेज से व्हाइट हाउस ने कुछ दालों का जिक्र हटाया

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने अंतरिम व्यापार समझौते पर जारी संशोधित दस्तावेज में उन अमेरिकी उत्पादों की सूची से दालों का जिक्र हटा दिया है जिन पर भारत के शुल्क समाप्त करने या कम किए जाने की बात कही गई थी। व्हाइट हाउस ने अमेरिका और भारत ने की ऐतिहासिक व्यापार समझौते (अंतरिम समझौता) की घोषणा शीर्षक से एक दस्तावेज (फैक्ट शीट) सोमवार को जारी किया था। भारत और अमेरिका के पारस्परिक एवं लाभकारी व्यापार से संबंधित अंतरिम समझौते के ढांचे की संयुक्त घोषणा के कुछ दिन बाद व्हाइट हाउस ने इसे जारी किया। इसमें समझौते की प्रमुख शर्तों को उल्लेख किया गया है जैसे कि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं एवं अमेरिकी खाद्य व कृषि उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर शुल्क समाप्त करेगा या घटाएगा। इनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स, रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे और प्रसंस्कृत फल, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट सहित अन्य उत्पाद शामिल हैं। साथ ही यह कहा गया था कि भारत ने अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने तथा ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। व्हाइट हाउस ने हालांकि मंगलवार को जारी संशोधित दस्तावेज (फैक्ट शीट) में दालों का जिक्र हटा दिया और भारत के लिए प्रयुक्त शब्द प्रतिबद्ध को बदलकर इरादा रखता है (इंटेंड्स) कर दिया गया है। संशोधित दस्तावेज में कहा गया है, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं व अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा जिनमें ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी), रेड सोरघम, ट्री नट्स, ताजे व प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, वाइन तथा स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। भारत अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदने और 500 अरब डॉलर से अधिक की अमेरिकी ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कोयला और अन्य उत्पादों की खरीद का इरादा रखता है।

एसएमई की पूंजी बाजार में पहुंच सीमित

- सेबी प्रमुख पांडये ने कहा- सूचीबद्धता से कंपनियों का संचालन हो सकता बेहतर

मुंबई, एजेंसी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि पिछले कुछ समय में हुए विकास के बावजूद, पूंजी बाजार के नजरिये से लघु एवं मझोले उद्यम (एसएमई) क्षेत्र की पहुंच अभी भी सीमित बनी हुई है। पांडेय ने इंडिया एसएमई वित्तपोषण और निवेश शिखर सम्मेलन में कहा कि सूचीबद्धता से ऐसी छोटी कंपनियों में संचालन व्यवस्था बेहतर हो सकती है।

उन्होंने कहा कि नियामक संस्था को अतीत में इस मोर्चे पर कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारत की क्षमता के मुकाबले एसएमई पूंजी बाजार अभी भी सीमित बना हुआ है। कंपनियां पूंजी बाजारों से अपरिचित होने और मर्चेंट बैंकरों तक सीमित पहुंच के कारण बाजार में आने से हिचकिचाती हैं। कुछ वर्षों में सूचीबद्धता में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए पांडेय ने कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से पूंजी जुटाने की लागत भी एक बाधा हो सकती है। ऐसी कंपनियां खुलासा और अनुपालन को बोझिल मानती हैं और दस्तावेज दाखिल करने संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन अक्सर अस्पष्ट होता है।

सेबी प्रमुख ने बाजार से पूंजी जुटाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ऐसा कदम संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाता है, जिससे पूंजी की लागत कम हो सकती है क्योंकि बाजार विश्वसनीयता को पुरस्कृत करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले, बाजार से पूंजी प्राप्त करने में एक और बाधा तब उत्पन्न हुई जब कुछ एसएमई ने एसएमई ढांचे के तहत उपलब्ध रियायतों का दुरुपयोग किया। ऐसे मामलों ने एसएमई आईपीओ में निवेशकों के भरोसे को बुरी तरह प्रभावित किया।

1,400 कंपनियां अलग एसएमई एक्सचेंज पर सूचीबद्ध

पांडेय ने कहा कि ऐसे भी मामले सामने आए जहां कुछ एसएमई ने सकारात्मक माहौल बनाने और निवेशकों को अपने शेयर खरीदने के लिए प्रेरित करने को अनुचित व्यापार गतिविधियों का सहारा लिया। सेबी और शेयर बाजार दोनों ने इस पर सुधार किया है। 1,400 कंपनियां अलग से बनाये गये एसएमई स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हैं और उनका कुल बाजार पूंजीकरण 4.1 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से 350 से अधिक कंपनियां मुख्य शेयर बाजार में स्थानांतरित हो चुकी हैं। पिछले वित्त वर्ष में कंपनियों ने 98 आईपीओ के माध्यम से 9,800 करोड़ रुपये जुटाए। 2025-26 में जनवरी तक 232 सूचीबद्धता के साथ बढ़कर 10,500 करोड़ रुपये हो गया है।

ईसी बिना खदान संचालन पर एनएलसी को कैग ने फटकारा

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने वैध पर्यावरणीय मंजूरी के बिना अपनी एक खदान का संचालन करने के लिए एनएलसी इंडिया को फटकार लगाई है। कैग ने कहा कि पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) के पुनः सत्यापन को कंपनी के समय पर आवेदन नहीं करने से एनएलसी इंडिया ने माइन-II का संचालन वैध ईसी के बिना किया।

ऑडिट में सामने आया कि अगस्त, 2017 में उच्चतम न्यायालय के आदेश और अप्रैल, 2018 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के बाद ईसी पुनः सत्यापन के लिए आवेदन में देरी से खदान में अनधिकृत संचालन हुआ। एनएलसी इंडिया के परिचालन प्रदर्शन पर 2017-18 से 2022-23 की अवधि को शामिल करने वाली ऑडिट रिपोर्ट राज्यसभा और लोकसभा में रखी गई।

देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.4% बढ़कर 19.44 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

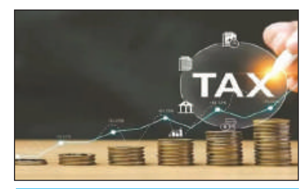

- आयकर विभाग के मुताबिक, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 14.51% बढ़कर 8.90 लाख करोड़ पहुंचा

चालू वित्त वर्ष में 10 फरवरी तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 9.4% बढ़कर 19.44 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह बढ़ोतरी कॉरपोरेट कर की बेहतर वसूली और कर रिफंड की धीमी गति का परिणाम है।

आयकर विभाग से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 14.51% बढ़कर 8.90 लाख करोड़ पहुंच गया। वहीं गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) से मिले कर शामिल हैं, 5.91% बढ़कर 10.03 लाख करोड़ रुपये रहा। शेयरों एवं अन्य प्रतिभूतियों के लेनदेन पर लगाया जाने वाला प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) का संग्रह 1 अप्रैल, 2025 से 10 फरवरी, 2026 के दौरान 50,279 करोड़ रहा। कर रिफंड जारी करने में 18.82% की गिरावट आई और यह घटकर 3.34 लाख करोड़ रहा। रिफंड में कमी से कर संग्रह वृद्धि दर को सहारा मिला।

देश का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 4.09% बढ़कर 22.78 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसमें 10.88 लाख करोड़ का सकल कॉरपोरेट कर और 11.39 लाख करोड़ रुपये का सकल गैर-कॉरपोरेट कर शामिल हैं। सरकार ने संशोधित अनुमान (आरई) में कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.84 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया है।

बजट पर चर्चा : लोस में भाजपा-कांग्रेस में ठनी

जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे कभी भी टिक नहीं पाते : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बुधवार को लोकसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेने के तुरंत बाद राहुल गांधी के सदन से चले जाने को लेकर उनपर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे ज्यादा समय तक टिक नहीं पाते हैं।

ठाकुर ने 2026-27 के बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा, पहले यह होता था कि हमारे भाषण के बीच में राहुल सदन से चले जाते थे, लेकिन अब तो यह स्थिति है कि वह पहले ही भाग जाते हैं।' क्योंकि जिन्हें असत्य बोलने की आदत होती है वे ज्यादा देर टिक नहीं पाते हैं। ना उनके आरोप कभी टिक पाए, न ये नेता कभी टिक पाए हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है जो भारत के लिए गर्व की और मुस्कुराने की बात है।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे याद नहीं कि राहुल गांधी पिछली बार कब मुस्कुराये थे। वह 31 जुलाई 2025 को चार बजकर 20 मिनट पर मुस्कुराये थे। जब भारत ने किसी देश के आगे झुकने से मना कर दिया था। किसी ने भारत को तल्खी में डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यव्यवस्था) कहा था। उन्होंने कहा कि भारत डेड इकोनॉमी नहीं, बल्कि डोमिनेटिंग (दबदबा रखने वाली) इकोनॉमी है।

उन्होंने वोट चोरी के आरोपों पर राहुल पर पलटवार करते हुए कहा, मुझे तो लगता है कि इनकी प्रोग्रामिंग अंकल सैम (अमेरिका सरकार) और अंकल सोरोस (जॉर्ज सोरोस) ने की है। इनमें अंकल सैम का सिम कार्ड और अंकल सोरोस का सिम कार्ड है। उधर से टाइप होता है और इधर से टेलीकास्ट होता है। ठाकुर ने भारत में डेटा सेंटर के लिए बजट प्रस्ताव में 20 साल के लिए कर अवकाश का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भारत में निवेश आएगा, लेकिन राहुल गांधी इसका विरोध कर रहे हैं।

सरकार ने अमेरिका के सामने समर्पण किया, भारत माता को बेच दिया : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पूरी तरह समर्पण कर दिया है और उसे शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया है।

उन्होंने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी इस तरह का समझौता करने को विवश हुए क्योंकि अमेरिका ने उनकी गर्दन पकड़ रखी है। कांग्रेस नेता ने टोका-टाकी के बीच यह भी कहा कि भारत-अमेरिका समझौते में देश के किसानों के हितों को कुचला गया, जैसा आज से पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी कोई नहीं करेगा। कांग्रेस नेता ने मोदी और सरकार पर निशाना साधते हुए अमेरिका में एक भारतीय उद्योगपति के खिलाफ दर्ज मामले और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित प्रकरण का उल्लेख किया, जिस पर पीठासीन सभापति ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि यह रिकॉर्ड में शामिल नहीं होगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने जो आरोप लगाए हैं उन्हें उन आरोपों को सत्यापित करना चाहिए, जिस पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इसके लिए तैयार हैं। राहुल गांधी ने कहा, मुझे सबसे ज़्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में क्या हुआ। अगर हम इंडिया गठबंधन (की सरकार में) अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत कर रहे होते, तो हम साफ़ करते कि इस पूरे समीकरण में सबसे महत्वपूर्ण पूंजी भारतीय डेटा है। अगर डॉलर को सुरक्षित रखना है, तो उसे यह मानना होगा कि भारतीय डेटा रणनीतिक पूंजी है और किसी भी चर्चा को बराबरी पर होना चाहिए, मालिक और नौकर की तरह नहीं। भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं हो सकता और अमेरिका अपने किसानों की रक्षा करेगा, वहीं हम अपने किसानों की रक्षा करेंगे।

केंद्रीय करों के हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया : सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यों को केंद्र से उनकी कर हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं होने संबंधी कुछ विपक्षी सांसदों के आरोपों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि सरकार ने केंद्रीय करों के विभाज्य पूल में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया है।

सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने बजट में पांच मेडिकल क्लस्टर, पांच मेगा औद्योगिक पार्क, बुजुर्गों के देखभाल के लिए पेशेवरों को तैयार करने जैसी कई घोषणाएं की हैं जिनसे लाखों रोजगारों का सृजन होगा। हम पर आरोप है कि हम राज्यों की 41% कर हिस्सेदारी का हस्तांतरण नहीं करते। मैं आश्वासन देती हूं कि हमने केंद्रीय करों में राज्यों को मिलने वाली हिस्सेदारी में से किसी राज्य का हिस्सा नहीं घटाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि 16वें वित्त आयोग ने 2018-19 से 2022-23 तक राज्यों की कर हिस्सेदारी का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि केंद्र से राज्यों को मिलने वाला यह धन आयोग की सिफारिश से मेल खाता है और इसमें कोई कमी नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि अगले वित्त वर्ष में राज्यों को कुल कर हस्तांतरण 25.44 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 2.07 लाख करोड़ अधिक होगा। संविधान ने केंद्र को उपकर और अधिशेष लगाने का अधिकार दिया है और विभाज्य पूल में वह शामिल नहीं होता है, इसलिए राज्यों की कुल कर हिस्सेदारी की बात करते समय उपकर और अधिशेष संबंधी आरोप अनुचित हैं।

बंगाल में बम चलता है कानून नहीं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में बम चलता है, कानून नहीं। सदन में विपक्षी सदस्यों के शोर-गुल के बीच, उन्होंने राज्य में महिलाओं के साथ हुई हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि तृणमूल सरकार कानून-व्यवस्था को बेहतर करने के बजाय दोष महिलाओं पर मढ़ रही है। वित्त मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, मुख्यमंत्री एक महिला होते हुए भी बोल रही हैं कि अगर महिला, विशेष रूप से लड़की हो तो रात्रि के समय बाहर नहीं जाओ। आप कानून-व्यवस्था को बेहतर नहीं कर रहे हैं, मगर महिला के उपर दोष डालते जा रहे हैं। उन्होंने दुर्गापुर में एमबीबीएस छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की घटना का भी जिक्र किया।

विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक

विचार को 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का किया गया गठन

- समिति में दोनों सदनों के सदस्य, प्रावधानों की समीक्षा के बाद रिपोर्ट करेगी प्रस्तुत

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्च शिक्षा के लिए एकल नियामक बनाने का प्रस्ताव करने वाले विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक (वीबीएसए) पर गौर करने के लिए संसद में 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व बीजेपी सांसद डी. पुरंदेश्वरी करेंगी।

लोकसभा सचिवालय द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, इस समिति में दोनों सदनों के सदस्य शामिल हैं और यह प्रस्तावित कानून के प्रावधानों की समीक्षा करने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। संसद में वीबीएसए विधेयक को शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किया गया था। यह विधेयक राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा नियामक ढांचे में व्यापक बदलाव करने का उद्देश्य रखता है। प्रस्तावित कानून का लक्ष्य विभिन्न मौजूदा नियामकों को एक ही व्यापक संस्था से बदलना और मान्यता, वित्त पोषण और मानक निर्धारण की जिम्मेदारियों को अलग करना है। सरकार ने कहा था कि विपक्षी दलों द्वारा संघवाद, संस्थागत स्वायत्तता और शक्तियों के केंद्रीकरण से जुड़ी चिंता जताने के मद्देनजर परामर्श के लिए वह संयुक्त समिति को भेजना चाहती है।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना जांच रिपोर्ट दाखिल करे केंद्र

- केंद्र ने कहा- एएआईबी जांच अंतिम चरण में, कुछ जांच विदेश में किए जाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने 12 जून, 2025 को एअर इंडिया विमान दुर्घटना के मामले में बुधवार को केंद्र से अब तक अपनाए गए प्रक्रियात्मक प्रोटोकॉल पर संक्षिप्त रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। अदालत ने यह निर्देश तब दिया जब उसे सूचित किया गया कि हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) द्वारा अंतिम चरण में है।

लंदन जा रही एअर इंडिया की बोइंग 787-8 उड़ान एआई171 गुजरात के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, जिसमें 241 यात्री और चालक दल समेत 260 लोग मारे गए। दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मौत हो गई थी। बुधवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि एएआईबी जांच अंतिम चरण में है और कुछ जांच विदेश में किए जाने की जरूरत है। मेहता केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की तरफ से अदालत में पेश हुए। शीर्ष विधि अधिकारी ने कहा कि मामले पर तीन संबंधित याचिकाओं को व्यापक सुनवाई के लिए तीन सप्ताह के बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है। पीठ का शुरू में विचार था कि एएआईबी जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में उसके समक्ष प्रस्तुत की जाए।

एसआईटी के समक्ष पेश हों पूर्व टीडीबी सचिव

शबरिमला सोना चोरी का मामला

उच्चतम न्यायालय ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) की पूर्व सचिव को शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया और उनकी अग्रिम जमानत अवधि भी बढ़ा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने पूर्व टीडीबी सचिव एस जयश्री को गिरफ्तारी से दी गई राहत को बढ़ाते हुए उनसे मामले के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा। न्यायालय ने कहा, प्रतिवादी केरल राज्य के जवाबी हलफनामे के अनुच्छेद 16 में उल्लिखित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, हम याचिकाकर्ता को निर्देश देते हैं कि वह आगे की पूछताछ के लिए 18 फरवरी, 2026 को दोपहर 12 बजे एक बार फिर जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो। पूर्व में दी गई अंतरिम सुरक्षा अगली सुनवाई की तारीख तक जारी रहेगी। इसने मामले को 20 फरवरी के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने 18 दिसंबर, 2025 को जयश्री की स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करते हुए, उन्हें 8-9 जनवरी को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्ति की परतों से सोने की चोरी से संबंधित मामले में चौथी आरोपी जयश्री, 2019 में टीडीबी की सचिव थीं।

यूएपीए पर रिपोर्ट दाखिल करे एनआईए

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को निर्देश दिया है कि वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हिंसा और अशांति से संबंधित मामले में आतंकवाद से जुड़े कठोर प्रावधानों वाले गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के इस्तेमाल का औचित्य स्पष्ट करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल करे। पश्चिम बंगाल सरकार की अपील का निस्तारण करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्य सरकार को मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में एनआईए की जांच के खिलाफ अपनी शिकायतों के साथ उच्च न्यायालय में जाने के लिए भी कहा।

हिमंत से जुड़ी याचिका होगी सूचीबद्ध

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चार लोगों द्वारा दायर एक और याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ राज्य में मुसलमानों को निशाना बनाने वाले कथित नफरती भाषणों के मामले में निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और सीपीआई नेता एनी राजा की एक अलग याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी। इसमें एक वायरल वीडियो को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। वीडियो में हिमंत को मुस्लिमों पर राइफल से गोली चलाते हुए दिखाया गया था।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

वर्ल्ड ब्रीफ

फिलीपींस में जहाज डूबने से मरने वालों की संख्या 52 हुई

फिलीपींस। फिलीपींस के बेसिलन प्रांत के पास यात्री-मालवाहक जहाज 'त्रिशा करस्टिन 3' के डूबने से 52 लोगों की मौत हो गई है। फिलीपीन कोस्ट गार्ड (पीसीजी) ने तकनीकी गोताखोर टीमों के चल रहे प्रयासों का हवाला देते हुए बताया कि गोताखोरों ने मंगलवार तड़के बालुक-बालुक द्वीप के पास खोज और बचाव अभियान के दौरान एक और शव बरामद किया। कुल मिलाकर 316 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि बचाव दल अभी भी शेष पीड़ितों की तलाश में जुटे हैं। यह जहाज 26 जनवरी की रात बेसिलन से लगभग एक समुद्री मील की दूरी पर डूब गया था, जिसमें 332 यात्री और चालक दल के 27 सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने कहा कि डूबने का संभावित कारण तकनीकी खामी थी।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने में सिंगापुर में भारतीय को सजा

सिंगापुर। सिंगापुर की एक अदालत ने बुधवार को भारतीय मूल के एक व्यक्ति को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और एक सार्वजनिक अधिकारी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के आरोप में 14 सप्ताह की जेल की सजा सुनाई। चैनल न्यूज एशिया (सीएनए) की रिपोर्ट के अनुसार 36 वर्षीय विकनेस्वरन वी मोगनावल ने धार्मिक सद्भाव बनाए रखने के अधिनियम के तहत एक आरोप और एक लोक सेवक के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के दूसरे आरोप में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली है। वह इसलिए नाराज था क्योंकि उसके पड़ोसी के बच्चे अक्सर उसके अपार्टमेंट के पास वाले साझा गलियारे में खेलते थे। उसकी पड़ोसी अपने पति, तीन बच्चों, सास, बहन और एक नौकरानी के साथ वहीं रहती थी।

तनाव कम करने के लिए यूनान और तुर्किए के नेता करेंगे वार्ता

अंकारा। यूनान के प्रधानमंत्री क्यारियाकोस मित्सोताकिस बुधवार को तुर्किए की यात्रा के लिए रवाना हुए, जहां दोनों देशों के बीच वार्ता होने की उम्मीद है। यह यात्रा ऐसे समय में संवाद बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा है जब दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। वरिष्ठ मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आने वाले मित्सोताकिस तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे। यह वार्ता उच्च स्तरीय सहयोग परिषद के तहत एक पहल है जिसे नाटो के दोनों सहयोगियों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए शुरू किया गया था। यूनान और तुर्किये के बीच समुद्री सीमाओं, साइप्रस और पूर्वी भूमध्य सागर में 'ड्रिलिंग' अधिकारों सहित कई मुद्दों पर मतभेद बना हुआ है।

श्रीलंकाई सांसद की हत्या के मामले में 12 को मौत की सजा

कोलंबो, एजेंसी

- बेगमपुर इलाके में हुआ हादसा पुलिस ने दर्ज किया मामला

श्रीलंका की गम्पाहा हाईकोर्ट ने बुधवार को वर्ष 2022 में तत्कालीन सांसद अमरकीर्ति अथुकोराला और उनके सुरक्षा अधिकारी की हत्या के मामले में 12 व्यक्तियों को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। यह फैसला एक लंबी सुनवाई के बाद आया है, जिसमें इन हत्याओं के संबंध में कुल 42 लोगों को आरोपित किया गया था।

मौत की सजा के अलावा, अदालत ने चार अन्य व्यक्तियों को छह महीने की जेल की सजा सुनाई है। अन्य 23 आरोपियों को अदालत ने बरी कर दिया। रिपोर्टों के अनुसार, मई 2022 में देशव्यापी अशांति के दौरान सांसद और उनके सुरक्षा अधिकारी ने प्रदर्शनकारियों की एक आक्रोशित भीड़ पर उस समय गोलियां चला दी थीं, जब वे उनके वाहन को रोक रहे थे। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उसी दिन बाद में सांसद और उनके सुरक्षाकर्मी पास की एक इमारत के अंदर मृत पाए गए थे।

साइबर ठगों को सिस्टम का साथ

डिजिटल अरेस्ट के जरिए 54,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की ठगी को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने डकैती करार दिया है। यह निराशाजनक ही है कि साइबर ठगी यह तरीका कई वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है लेकिन देश का गृह विभाग इसे रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। रिकॉर्ड के अनुसार देश में डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं का इतिहास करीब पांच साल पुराना हो चुका है। साल दर साल इन घटनाओं में बेहद तेज वृद्धि हुई है। इस बीच सबसे ज्यादा चिंताजनक यह है कि ठगी के कुछ मामलों में बैंक और टेलीकॉम अफसरों की साठगांठ भी सामने आई है। डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं में अपराधियों तक पहुंचने में पुलिस की कामयाबी की दर भी बेहद मामूली है। इसके साथ यह भी सवाल उठने लगे हैं कि देश में डिजिटल क्रांति पर जोर देने के साथ लोगों को ठगी से बचाने के लिए पर्याप्त उपाय नहीं किए गए हैं।

डिजिटल 'डकैती'

डिजिटल अरेस्ट की शुरुआत

- लोगों को वीडियो कॉल कर डिजिटल अरेस्ट के जरिए ठगी के मामले 2021 में आने शुरू हुए और बाद में तेजी से इनकी संख्या बढ़ी।
- डिजिटल अरेस्ट में मनोवैज्ञानिक दबाव और वीडियो विजुअल्स की मदद ली गई जो जामतारा जैसे ठगी के केंद्रों से विकसित हुआ।
- भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार 2022 में 40,000 केस दर्ज किए गए थे जो 2024 तक बढ़कर 1.23 लाख से अधिक हो गए।
- नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के अनुसार 2024 में तीन गुना वृद्धि हुई, शुरू के 4 महीनों में ही 120.30 करोड़ की ठगी हुई।

अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क और तकनीक

- जांच में पाया गया कि ठग गिरोहों के तार दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों जैसे कंबोडिया, म्यांमार, लाओस और थाईलैंड से जुड़े हैं।
- हाल के वर्षों में अपराधियों ने एआई का उपयोग करके पुलिस अधिकारियों की आवाज और चेहरे की नकल करनी शुरू की है।

बैंक अधिकारियों की साठगांठ

- दिल्ली में येस बैंक के दो अफसर गिरफ्तार किए गए, जिन्होंने फर्जी खाते खोले ताकि पैसे को लाउंडर किया जा सके।
- कमीशन लेकर फर्जी खाते खोलने पर हैदराबाद और बेंगलुरु में एयू स्मॉल फाइनेंस, बंधन बैंक शाखा प्रबंधक पकड़े गए।
- तेलंगाना में ऑपरेशन इनसाइडर के तहत कई बैंक अफसर पकड़े गए जो खाते खोलकर अपराधियों की मदद कर रहे थे।
- वोडाफोन के एरिया सेल्स मैनेजर ने साइबर ठगों को 21,000 सिम मुहैया कराए, जिसे दिल्ली में सीबीआई ने गिरफ्तार किया।

हैरतअंगेज मामले

- चेन्नई में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पूर्व केंद्रीय सचिव पद्म भूषण सम्मानित टी. रामासामी को डिजिटल अरेस्ट कर ठगों ने 57 लाख की ठगी की।
- अगस्त 2024 में ठगों ने पद्म भूषण से सम्मानित वर्धमान ग्रुप के एसपी ओसवाल को सीबीआई अफसर बनकर डिजिटल अरेस्ट किया और 7 करोड़ ठग लिए।
- चंडीगढ़ में रिटायर्ड कर्नल और उनकी पत्नी से 3.4 करोड़ रुपये की ठगी हुई।

डिजिटल क्रांति में सुरक्षा की कमी

- भारत का पहला व्यापक डिजिटल कानून डिजिटल क्रांति के कई वर्षों बाद आया। इसके नियम अभी भी पूरी तरह लागू होने की प्रक्रिया में हैं। इस देरी ने ठगों को बड़ा अवसर मुहैया कराया।
- टेलीकॉम और बैंकिंग कर्मचारी ही सुरक्षा प्रोटोकॉल को दरकिनार कर रहे हैं, जो सिस्टम की बड़ी कमजोरी है। रिजर्व बैंक ने भी स्वीकार किया है कि म्यूल खाते खोलने के पीछे साठगांठ है।
- ठग अत्याधुनिक एआई और डीपफेक उपयोग कर रहे हैं जबकि देश के कई राज्यों में साइबर पुलिस के पास पुराना बुनियादी ढांचा है और वह विशेषज्ञों की भारी कमी से जूझ रही है।

आपसी मतभेदों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखे भारत

दोनों देशों के बीच विदेश सचिव स्तर की वार्ता के बाद चीन ने दिया जोर

बीजिंग, एजेंसी

चीन के विदेश मंत्रालय ने नR दिल्ली में भारत के साथ मंगलवार को हुई रणनीतिक वार्ता पर मंगलवार को कहा कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए, साथ ही मतभेदों को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए और सहयोग बढ़ाना चाहिए। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और उनके चीनी समकक्ष मा झाओक्सू ने भारत-चीन रणनीतिक वार्ता की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई।मा झाओक्सू भारत में 'ब्रिक्स' शेरपा बैठक में भाग लेने आए हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से मिसरी और झाओक्सू के बीच बातचीत पर कहा गया कि दोनों पक्षों ने अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्थिति, दोनों देशों की आंतरिक एवं बाहरी नीतियों, साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों तथा चीन-भारत संबंधों पर मित्रतापूर्ण, स्पष्ट और गहन संवाद किया। दोनों पक्षों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति में जटिल और गहरे बदलावों को देखते हुए भारत और चीन को मिलकर काम करना चाहिए तथा चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बनी महत्वपूर्ण समझ को गंभीरता से लागू करना चाहिए। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं के बीच बनी समझ के अनुसार, दोनों देशों को यह रणनीतिक धारणा बनाए रखनी चाहिए कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और दोनों एक-दूसरे के लिए विकास का अवसर हैं, खतरा नहीं।

चीन ने कहा कि दोनों देशों को आपसी विश्वास को मजबूत करना चाहिए, सहयोग बढ़ाना चाहिए, मतभेदों को सही तरीके से सुलझाना चाहिए और संबंधों को स्थिर एवं सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए। दोनों पक्षों ने 2026 और 2027 में ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान एक-दूसरे के कार्यों का समर्थन करने पर सहमति जताई। इसके अलावा दोनों पक्षों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, 'ग्लोबल साउथ' में एकता एवं सहयोग को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय न्याय एवं निष्पक्षता की रक्षा करने, बहुध्रुवीय विश्व के लिए मिलकर काम करने तथा एशिया और विश्व में शांति एवं विकास में योगदान देने पर सहमति जताई।

भारत ने संवेदनशील मुद्दों पर चिंता जताई

इस वार्ता पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति की समीक्षा की और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ाकर तथा संवेदनशील मुद्दों पर चिंताओं को दूर करके संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जायसवाल ने संवेदनशील मुद्दों के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन समझा जाता है कि भारतीय पक्ष दुर्लभ पृथ्वी खनिजों से संबंधित चीन के निर्यात नियंत्रण उपायों को लेकर चिंतित है। मिसरी और झाओक्सू की वार्ता पर भारतीय पक्ष की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चर्चा मुख्य रूप से द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने और पुनर्निर्माण में हालिया प्रगति तथा आगे संपर्क बढ़ाने के उपायों पर केंद्रित रही। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों की समग्र प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बीजिंग में भारत और अमेरिका के राजदूतों की मुलाकात

बीजिंग। चीन में भारत के राजदूत प्रदीप रावत और उनके अमेरिकी समकक्ष डेविड पर्ड्यू ने बीजिंग में मुलाकात की और अमेरिका-भारत संबंधों एवं साझा हितों पर चर्चा की। पर्ड्यू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों पर घनिष्ठ सहयोग और क्वाड की भागीदारी के माध्यम से अमेरिका-भारत संबंध वास्तविक परिणाम देते हैं। उन्होंने कहा, अपने मित्र राजदूत रावत से मिलकर हमारी साझा रुचियों पर चर्चा करना हमेशा ही बहुत अच्छा अनुभव रहता है। दिसंबर के बाद से यह उनकी दूसरी बैठक है। रावत, पर्ड्यू और चीन में जापानी राजदूत केंजी कानासुगी ने पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी दूतावास में मुलाकात की थी।

बांग्लादेश में आम चुनाव आज, 50% से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील

- सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, बॉडी कैमरे से लैस पुलिसकर्मी तैनात

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को होने जा रहे आम चुनाव के लिए आधे से अधिक मतदान केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 90 प्रतिशत मतदान केंद्र सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेंगे। राजधानी ढाका में बॉडी कैमरों से लैस पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग की सुरक्षा प्रणाली जोखिम मूल्यांकन पर आधारित है। निर्वाचन आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात संवाददाता सम्मेलन में कहा, स्थानीय स्तर पर संवेदनशीलता के आकलन के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि इन चुनाव में देश के चुनावी इतिहास में कानून प्रवर्तन कर्मियों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती और प्रौद्योगिकी का सबसे व्यापक उपयोग देखने को मिलेगा। सनाउल्लाह ने कहा कि निर्वाचन आयोग को उम्मीद है कि कानून प्रवर्तन एजेंसी मतदान के दौरान और चुनाव के बाद मतदाताओं के लिए शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करेंगी।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति से काफी हद तक संतुष्ट है और पहले की तुलना में हम अब बेहतर स्थिति में हैं। उनकी यह टिप्पणी पुलिस महानिरीक्षक बहारुल आलम के उस बयान के कुछ देर बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश भर में लगभग 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 मतदान केंद्र उच्च या मध्यम जोखिम वाले मतदान केंद्र पाए गए हैं।

आम चुनाव की पूर्व संध्या पर ढाका में मतपेटियां तैयार करता एक कर्मचारी।

मुख्य मुकाबला बीएनपी और जमात के बीच

बांग्लादेश में एक जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ आम चुनाव हो रहे हैं। मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसके पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। बांग्लादेश में बृहस्पतिवार को संसदीय चुनाव होंगे।

भारत-पाकिस्तान के बीच मार गिराए गए थे 10 विमान : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा दोहराया कि उन्होंने पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को टैरिफ की धमकी देकर रोक दिया था जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। उन्होंने कहा, इस संघर्ष में उनके हस्तक्षेप करने तक 10 विमान मार गिराए गए थे।

ट्रंप ने मंगलवार को एक साक्षात्कार में कहा, मैंने आठ युद्ध रुकवाए। इनमें से छह टैरिफ के कारण सुलझे। जैसे भारत और पाकिस्तान। मैंने कहा कि अगर आप यह युद्ध नहीं रोकते हैं तो मैं आप पर टैरिफ लगा दूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि लोग मारे जाएं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने पूछा कि युद्ध का टैरिफ से क्या लेना-देना। ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था, ट्रंप ने हमें लड़ाई रोकने के लिए राजी करके कम से कम एक करोड़ लोगों की जान बचाई।

पेजेश्कियान ने प्रदर्शनों पर खूनी कार्रवाई के पीड़ितों से माफी मांगी

दुबई, एजेंसी

- देशव्यापी प्रदर्शनों पर पश्चिमी देशों के दुष्प्रचार की निंदा की

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने देशव्यापी प्रदर्शनों और उसके बाद हुई खूनी कार्रवाई से पीड़ित सभी लोगों से बुधवार को माफी मांगी। हालांकि, राष्ट्रपति ने प्रदर्शनों को लेकर फैलाए कथित पश्चिमी दुष्प्रचार की भी निंदा की।

पेजेश्कियान ने कहा कि वह प्रदर्शनों और उनके खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुए लोगों के गहरे दुख को समझते हैं लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर यह स्वीकार नहीं किया कि इस रक्तपात में ईरानी सुरक्षा बलों की भूमिका थी। उन्होंने कहा, हम जनता के सामने शर्मिंदा हैं और इन घटनाओं में जिन लोगों को नुकसान पहुंचा है, उनकी सहायता करना हमारा कर्तव्य है। हम जनता से टकराव नहीं चाहते। पेजेश्कियान ने यह भी जोर देकर कहा कि उनका देश परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहा और वह किसी भी तरह की जांच के लिए तैयार हैं।

उनकी यह टिप्पणी ईरान की 1979 की इस्लामी क्रांति की वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में आई। ईरान इस समय अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत के दौर में है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोई परमाणु समझौता हो पाएगा या नहीं। ट्रंप ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए एक और विमानवाहक पोत भेजने की धमकी दी है। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी कई महीनों से ईरान के परमाणु भंडार का निरीक्षण और सत्यापन करने में असमर्थ रही है।

ट्रंप के अलावा किसी ने नहीं कहा रूस से तेल खरीदना बंद करेगा भारत

- लावरोव ने कहा- रूस भारत के साथ संबंधों को लेकर हरसंभव प्रयास करने को तैयार

मास्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा किसी ने भी यह नहीं कहा है कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को देश की संसद में यह बात कही। रूस ने अमेरिका पर भारत और अन्य देशों को उससे तेल खरीदने से रोकने का प्रयास करने का आरोप लगाया था, जिसके दो दिन बाद लावरोव की यह टिप्पणी आई है।

रूस का कहना है कि वाशिंगटन टैरिफ, प्रतिबंध और सीधे रोक सहित कई तरह के दबावपूर्ण कदम उठा रहा है। लावरोव ने बुधवार को स्टेट ड्यूमा (निचले सदन) में एक सांसद के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, आपने उल्लेख किया कि ट्रंप ने भारत की रूस से तेल न खरीदने की सहमति की घोषणा की है। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या किसी अन्य भारतीय नेता से ऐसा कोई बयान नहीं सुना है। लावरोव ने उल्लेख किया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में शेरपाओं की पहली बैठक में कहा था कि ऊर्जा सुरक्षा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के प्रमुख मुद्दों में से एक होगी, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के शामिल होने की उम्मीद है। भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा।

लावरोव ने कहा कि दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा ने मॉस्को और नई दिल्ली के बीच संबंधों को समृद्ध किया है।

गलत बाल काटने पर मुआवजा राशि दो करोड़ से घटाकर 25 लाख की

- सुप्रीम कोर्ट ने पलटा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल के सैलून में गलत बाल काटने पर एक महिला को दी जाने वाली मुआवजा राशि को दो करोड़ रुपये से घटाकर 25 लाख रुपये कर दिया है। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, बेशक सेवा में खामी सिद्ध हुई है, फिर भी उपभोक्ता विवादों में मुआवजा सिर्फ शिकायतकर्ता की मांग या हठ पर तय नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बिंदल ने फैसले में कहा, दावा जब करोड़ों रुपये का हो तो मुआवजा देने के लिए कुछ ठोस सबूत पेश करना जरूरी है। मुआवजे का दावा करोड़ों रुपये का था, जिसके लिए यह साबित करना आवश्यक था कि सेवा में कमी के कारण प्रतिवादी को कुछ आर्थिक नुकसान हुआ। इसे केवल दस्तावेजों की फोटोकॉपी पेश करके साबित नहीं किया जा सकता।

यह था मामला

अप्रैल 2018 में प्रबंधन पेशेवर अशना रॉय दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल के सैलून गई थीं। रॉय ने आरोप लगाया कि हेयर स्टाइलिस्ट ने उनके कहने के विपरीत बाल छोटे काट दिए, जिससे उन्हें मानसिक आघात लगा और करियर के अवसरों से हाथ धोना पड़ा। एनसीडीआरसी ने शुरू में उन्हें दो करोड़ रुपये दिए जाने का फैसला सुनाया था।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 12 फरवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 12.22 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

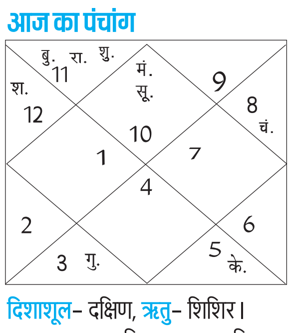

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।

ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-ज्येष्ठा 13.42 तक तत्पश्चात मूल।

मेष - आज महिलाओं को अपना व्यवहार संयमित रखना चाहिए। मन में अनेक प्रकार के विचार एक साथ आएंगे। गूढ़ विषयों के अध्ययन के लिये प्रेरित हो सकते हैं। लोगों से अधिक सलाह न लें वरना अनावश्यक भ्रमित हो जाएंगे।

वृष - आज आपके रुके हुए कार्य गतिशील होने की संभावना है। नई तकनीक के प्रति जिज्ञासु रहेंगे। परिश्रम का बेहतरीन परिणाम प्राप्त होगा। आंखों में परेशानी और सिरदर्द की समस्या हो सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझें।

मिथुन - आज आपकी सलाह से लोगों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। अचल संपत्ति की खरीदी का विचार मन में आएगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। सरकारी जॉब कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है।

कर्क - आज दोपहर के बाद का समय आपके लिए अत्यंत सुखद रहने वाला है। आप लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। अटके हुए धन का लाभ आपको मिलेगा। आपकी दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। कार्यक्षेत्र में आपको सुधार करना पड़ेगा।

सिंह - आज मन में साहसिक कार्य करने की इच्छाशक्ति जागृत होगी। अपनी कमियों को लेकर थोड़े कुंठित हो सकते हैं। अहंकारी व्यवहार के कारण स्वजन आपसे नाराज हो सकते हैं। अधिकारी वर्ग से अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कन्या - आज अधीनस्थ कर्मचारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहने वाले हैं। दूर के स्थानों की यात्रा करने के योग बन रहे हैं। नए कारोबार में आप निवेश कर सकते हैं। मीडिया और प्रकाशन समूह से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

तुला - आज विवाहेतर संबंधों से दूरी बनाकर रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। आपको कठोर निर्णय लेने पड़ेंगे। लोगों के लिए आप प्रेरणा का केन्द्र बनेंगे। घर का वातावरण बहुत ही सुखमय रहेगा। कड़वी भाषा का प्रयोग करना उचित नहीं है।

वृश्चिक - आज रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। परिवार में सभी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। किसी मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं। आप जो भी काम हाथ में लेंगे उसे पूरा करके ही दम लेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी।

धनु - आज पहले की गई गलती का खामियाजा आपको भुगतना पड़ेगा। आर्थिक मामलों को लेकर आप थोड़े परेशान रहेंगे। अपना मन सदैव शान्त रखें। घरेलू खर्च को लेकर आपका बजट गड़बड़ा सकता है। स्वार्थी लोग आपके संपर्क में रहेंगे।

मकर - आज दिन की शुरुआत किसी शुभ खबर से होगी। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। प्रेमीजन के साथ मतभेद दूर होंगे। गलत बातों में अपना समय बर्बाद न करें। व्यवसाय में आपको अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। प्रेम संबंधों को पर्याप्त समय देंगे।

कुंभ - आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का मन काम में नहीं लगेगा। कारोबार में आपको बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने के कारण मौसमी बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। अपने काम के प्रति निष्ठावान रहें। मन में संतुष्टि का भाव रहेगा।

मीन - आज अनर्गल कार्यों में अधिक ध्यान न लगाएं। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। व्यवसाय में आकस्मिक धन हानि झेलनी पड़ सकती है। धार्मिक कार्यों में आपका मन नहीं लगेगा। पिता के किसी निर्णय से आप नाराज हो सकते हैं।

सुडोकू -59

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4		7	
				3				5
2					9			
6	5			7			8	
			1		8			
	1			6			9	2
			7					8
9				4		3		
	8		3			1		

सुडोकू - 58 का हल

6	1	9	2	5	4	7	3	8
7	2	4	3	8	6	1	9	5
3	5	8	1	9	7	6	2	4
1	6	7	5	3	9	4	8	2
2	4	3	6	7	8	9	5	1
8	9	5	4	2	1	3	6	7
4	3	6	8	1	2	5	7	9
9	8	1	7	6	5	2	4	3
5	7	2	9	4	3	8	1	6

"भारतीय टीम 15 फरवरी को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए उत्साहित हैं। हम खेलने के लिए तैयार हैं। हम सभी टीमों पर नजर रखे हैं। हम गेंदबाजों को और बल्लेबाजों को देख रहे हैं।
–तिलक वर्मा

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार, 12 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

अभिषेक की तबीयत खराब होने से मेजबान टीम चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन भारत को गुरुवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच में नामीबिया से किसी तरह का खतरा नहीं है लेकिन सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पेट के संक्रमण के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित टीम प्रबंधन चिंतित होगा क्योंकि इससे उसकी योजनाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में वानखेड़े की चिपचिपी पिच पर बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। अब उन्हें फिरोज शाह कोटला की पिच पर आक्रामक खेल दिखाना चाहेगा, जिसे बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन पिच कहा जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ भारत का पलड़ा बहुत भारी है जिसकी टीम इसी मैदान पर नीदरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। इस तरह से देखा जाए तो भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले यह मैच अभ्यास मैच की तरह है। भारत अगर टॉस जीतता है तो वह पहले बल्लेबाजी करना चाहेगा ताकि उसके बल्लेबाजों को पर्याप्त अवसर मिल सके। नामीबिया का गेंदबाजी आक्रमण खास नहीं है और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रही कोई भी टीम उसको छठी का दूध याद दिला सकती है। नामीबिया के खिलाफ मैच खराब फॉर्म से जूझ रहे संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका साबित हो सकता है, क्योंकि लगातार असफलताओं के चलते उन्हें अपनी जगह ईशान किशन के हाथों गंवानी पड़ी, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं। सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा संजू अच्छा महसूस कर रहे हैं और चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर टीम में अपनी भूमिका को समझ रहे हैं।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह।

नामीबिया : गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जान बाल्ट, ज़ेन ग्रीन (विकेटकीपर), मालन क्रूगर, डायलन लीचर, लॉरेन स्टीनकैंप, जान फ्राइलिनक, जान निकोल लोफ्टी-ईटन, विलियम मायबर्ग, जे जे स्मिट, जैक ब्रासेल, मैक्स हेंगो, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, बेन शिकोंगो, रूबेन ट्रम्पेलमैन।

दो दिन बाद अस्पताल से मिली छुट्टी, नामीबिया से खेलने पर संदेह

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पेट में संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल रहने के बाद छुट्टी मिल गई है, लेकिन नामीबिया के खिलाफ बृहस्पतिवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट मैच में उनका खेलना संदिग्ध है। मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा ने कहा कि अभिषेक के कल खेलने को लेकर अभी फैसला नहीं लिया गया है। तिलक ने पत्रकारों से कहा जब हम दिल्ली पहुंचे तो वह चेकअप के लिए अस्पताल गया था। उसे आज छुट्टी मिल गई है और वह ठीक है। मैच में अभी भी एक दिन का समय है। उम्मीद है कि कल इस पर फैसला लेंगे।

- संजू सैमसन के लिए लय में लौटने का एक सुनहरा मौका

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

आज के मैच

टीम	समय
श्रीलंका-ओमान	पूर्वाह्न 11 बजे
इटली-नेपाल	दोपहर 3 बजे
भारत-नामीबिया	शाम 7 बजे

हाईलाइट

बांगड़ ने कहा- बेखौफ होकर खेलना जारी रखे भारत

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा कि भारत को टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ बल्लेबाजों की नाकामी का ज्यादा विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है और उसे अपना बेखौफ रवैया जारी रखना चाहिए जिसके कारण उसने काफी सफलता हासिल की हैं। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए अपने पहले मैच में भारत 13वें ओवर में 77 रन पर छह विकेट खो बैठा था, लेकिन फिर भी उसने अमेरिका पर 29 रन से जीत हासिल की। बांगड़ ने जिओ हॉटस्टार के एक कार्यक्रम में कहा मुझे नहीं लगता कि भारतीय बल्लेबाजों को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ जो हुआ उसका बहुत अधिक विश्लेषण करना चाहिए, क्योंकि टी20 क्रिकेट में आजकल जिस तरह से भारतीय बल्लेबाज खेल रहे हैं उसमें निश्चित तौर पर जोखिम भरा हुआ है।

अनीश ने रैपिड फायर पिस्टल में कांस्य जीता

नई दिल्ली। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अनीश भानवाला ने एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जबकि आठवें दिन कजाखस्तान का दबदबा रहा। अनीश का एशियाई चैम्पियनशिप में यह तीसरा पदक है। एड्रियन कर्माकर ने 50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर पुरूष वर्ग में और जूनियर पुरूष 25 मीटर आरएफपी में भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक जीता। भारत के अब 41 स्वर्ण, 19 रजत और 15 कांस्य पदक हो गए हैं जबकि स्पर्धा के दो दिन बाकी हैं। अनीश और आदर्श सिंह क्वालीफाइंग दौर में सातवें और आठवें स्थान पर रहे थे। कजाखस्तान के पूर्व चैम्पियन निकिता चिरयुकिन क्वालीफायर में शीर्ष रहे। फाइनल में आदर्श चौथी सीरिज के बाद बाहर हो गए जबकि अनीश, निकिता व जापान के योशिओका संयुक्त बढ़त पर थे।

दक्षिण अफ्रीका की अफगानिस्तान पर दूसरे सुपर ओवर में रोमांचक जीत

टी-20 विश्व कप : पहले 187 और 17 रनों पर टाई हो गया था मुकाबला

अहमदाबाद, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के साहसिक खेल के बावजूद अफगानिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को यहां रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे मैच में दूसरे सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी सुपर आठ में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा।

दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद छह विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 19.4 ओवर में 187 रन पर आउट हो गई। फिर पहला सुपर ओवर भी टाई रहा। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लुंगी एनगिडी ने सुपर ओवर किया जिसमें अफगानिस्तान ने 17 रन बनाए। इसमें अजमतुल्लाह उमरजई का एक छक्का और दो चौके शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने फजलहक फारुकी के ओवर में एक विकेट पर 17 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर स्कोर बराबर किया। उमरजई दूसरा सुपर ओवर करने के लिए आए जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने डेविड मिलर के दो छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने पहली दो गेंद पर कोई रन नहीं दिया और मोहम्मद नबी को आउट किया। गुरबाज ने इसके बाद लगातार तीन छक्के लगाए लेकिन आखिरी गेंद पर वह आउट हो गए।

इस जीत से दक्षिण अफ्रीका के दो मैच में चार अंक हो गए हैं जबकि अफगानिस्तान की यह लगातार दूसरी हार है। उसे अगले चरण में जाने के लिए न सिर्फ अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे बल्कि अन्य मैच के परिणाम भी अनुकूल रहने के लिए दुआ करनी होगी। अफगानिस्तान इससे पहला लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में था लेकिन लगातार विकेट गंवाने के कारण उसे नुकसान हुआ। उसकी तरफ से गुरबाज ने 42 गेंद पर 84 रन बनाए जिसमें चार चौके और सात छक्के शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए एनगिडी ने 26 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे पहले रयान रिकेल्टन ने 28 गेंद पर 61 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल हैं। क्विंटन डीकॉक ने 41 गेंद पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। कप्तान एडन मार्करम (05) के जल्दी आउट होने के बाद 114 रन की साझेदारी की।

सुपर ओवर में अफगानिस्तान पर जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर

दक्षिण अफ्रीका 187/6 (20 ओवर)

- मार्क रयान रिकलेटन 61
- क्विंटन डी कॉक 59

गेंदबाजी : अजमतुल्लाह उमरजई 3-41, राशिद खान 2-28

अफगानिस्तान 187/10 (19.4 ओवर)

- रहमानुल्लाह गुरबाज़ 84
- अज़मतुल्लाह उमरज़ई 22

गेंदबाजी : लुंगी एनगिडी 3-26, केशव महाराज 1-27

पहला सुपर ओवर : टाई

अफगानिस्तान - 6 बॉल में 17/0

दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 17/1

दूसरा सुपर ओवर: द. अफ्रीका 4 रन से जीता

दक्षिण अफ्रीका - 6 बॉल में 23/0

अफ़गानिस्तान - 6 बॉल में 19/2

इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है : अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट

अहमदाबाद। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका से दूसरे सुपर ओवर में मिली हार के बाद कहा कि इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने क्षेत्ररक्षण में उनकी टीम को कमजोर साबित किया। टी20 विश्व कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में दक्षिण अफ्रीका ने दो सुपर ओवर के बाद अफगानिस्तान को हराया। ट्रॉट ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा इससे साबित होता है कि हमारे पास कितनी शानदार टीम है। हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ कुछ दिन पहले मिली हार के बाद दक्षिण अफ्रीका से करीबी मुकाबला हारना दिल तोड़ने वाला है। हमें कठिन ग्रुप भी मिला है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ट्रॉट ने कहा कि इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है। उन्होंने कहा टीम को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिये लेकिन कई बार इस तरह की हार लंबे समय तक चुभती है। अब अहम यह है कि हम इसके सकारात्मक पहलुओं को देखें और यह भी प्रयास करें कि जहां गलतियां हुई हैं, उनमें सुधार हो। ट्रॉट ने कहा दक्षिण अफ्रीका की फील्डिंग बहुत अच्छी थी। रन आउट, सीमा पर कैच और रन बचाने के प्रयास। जबर्दस्त फील्डिंग और शायद यही फर्क था। ट्रॉट के कोच रहते अफगानिस्तान पिछले टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 वनडे विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। इस विश्व कप के बाद वह टीम से विदा ले रहे हैं लेकिन अभी इस बारे में उन्होंने कुछ कहने से इनकार किया। उन्होंने कहा टूर्नामेंट खत्म होने के बाद इस पर बात करेंगे। अभी दो अहम मैच खेलने हैं। अभी कुछ और बात करने का समय नहीं है। मैं अभी भी कोच हूं और मुझे यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में यूएई के खिलाफ हम अच्छा खेलें।

खिलाड़ियों से कहा था कि आखिर तक लड़ना होगा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा था कि उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ 'चुनौती' के लिए तैयार रहना होगा और बुधवार को यहां खेला गया यह मैच टी20 विश्व कप के इतिहास के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हुआ। इसे शब्दों में बयां करना काफी मुश्किल है। जीत और अंक मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं। मार्करम ने कहा आखिरकार सुपर ओवर में आप अपने बेहतर, सबसे आत्मविश्वास से भरे खिलाड़ी को चुनते हैं। पहले ओवर में लुंगी से ज्यादा गलती नहीं हुई, लेकिन फिर उन्होंने अच्छा स्कोर बना लिया। केशव के साथ भी यही कहानी रही। स्पिनर के लिए यह मुश्किल होता है, फिर भी हमने उन पर भरोसा किया। उन्होंने कहा मैंने लड़कों से कहा था कि लक्ष्य ठीक है, लेकिन हमें चुनौती का सामना करना होगा।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को दिया 197 रनों का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी

- शेरफेन रदरफोर्ड ने खेली आक्रामक पारी

शेरफेन रदरफोर्ड के नाबाद 76 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने खराब शुरूआत से उबरते हुए इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मैच में बुधवार को छह विकेट पर 196 रन बनाए।

रदरफोर्ड ने सात छक्कों और दो चौकों की मदद से 42 गेंद में नाबाद 76 रन बनाये। इससे पहले वेस्टइंडीज ने दस ओवर के बाद 79 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे। आखिरी दस ओवर में 117 रन बने। रदरफोर्ड ने पांचवें विकेट के लिये रोवमैन पॉवेल (14) के साथ 51 रन की साझेदारी की। इसके बाद पूर्व कप्तान जैसन होल्डर (17 गेंद में चार छक्कों, एक चौके की मदद से 33 रन) के साथ छठे विकेट के लिये 32 रन जोड़े। टेस्ट कप्तान रोस्टन चेस ने चौथे नंबर पर उतरकर 34 रन बनाए। होल्डर ने आखिरी ओवरों में सैम कुरेन को एक ही ओवर में तीन छक्के लगाये। रदरफोर्ड को 18वें ओवर में आदिल रशीद ने जीवनदान दिया था।

होल्डर ने आतिशी पारी खेलकर रदरफोर्ड पर से दबाव कम किया। पिछले मैच में नेपाल के बल्लेबाजों से नसीहत पाने वाले रशीद ने मजबूती से वापिस की और 16 रन देकर दो विकेट चटकाये। वेस्टइंडीज की शुरूआत खराब रही और दो विकेट आठ रन पर ही गिर गए। कप्तान शाइ होप ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर प्वाइंट पर टॉम बेंटोन को कैच थमाया जबकि कुरेन ने ब्रेंडन किंग को स्वीपर कवर में लपकवाया। चेस ने पांचवें ओवर में विल जैक्स को लगातार तीन चौके लगाये जबकि शिमरोन हेटमायेर ने एक छक्का जड़ा। जैमी ओवर्टन ने 33 रन देकर दो विकेट चटकाये। उन्होंने हेटमायेर (23) का विकेट भी चटकाया जिन्होंने शॉर्ट फाइनल लेग पर कुरेन को कैच दिया।

पारी के दौरान शॉट लगाते वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड। एजेंसी

एलिस-जम्पा की मारक गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को हराया

कोलंबो, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस (12 रन देकर चार विकेट) और लेग स्पिनर एडम जम्पा (23 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से बुधवार को यहां ग्रुप बी मैच में आयरलैंड पर 67 रन की जीत के साथ आईसीसी टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू किया। एलिस ने अपने शुरूआती स्पैल में तीन विकेट झटककर जीत की लय तय की। उन्होंने शीर्ष क्रम को पवेलियन भेजा तो वहीं जम्पा ने मध्य और निचले क्रम पर कहर बरपाया जिससे आयरलैंड की पारी 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.5 ओवर में नौ विकेट 115 रन पर खत्म हुई।

आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग एक गेंद खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने धीमी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए हरफनमौला मार्कस स्टोइनिस (45 रन) और मैथ्यू रेनशॉ (37 रन) के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की अहम साझेदारी की मदद से छह विकेट पर 182 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए थे। मिचेल मार्श ग्रोइन चोट के कारण टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गए हैं। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी चोट के कारण बाहर हैं जबकि मिचेल स्टार्क संन्यास ले चुके हैं तो एलिस ने मुख्य तेज गेंदबाज के तौर पर जिम्मेदारी बखूबी निभाई। एलिस ने इस तरह तीन ओवर के शुरूआती स्पैल में नौ रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने रोस एडेयर (12), कर्टिस कैम्फर (04), बेन कालिट्ज (02) को आउट किया। फिर जम्पा ने गेरेथ डेलानी (11), लोरकान टकर (24), डॉकरेल और मार्क एडेयर (12) के विकेट झटके। आयरलैंड हालांकि 100 रन का स्कोर पार करने में कामयाब रहा। आखिर में एलिस अपना अंतिम ओवर करने के लिए आए और बैरी मैकार्थी (02) को आउट करके मैच खत्म किया।

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज नाथन एलिस।

ग्रीनपार्क या इकाना में होगा रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल

देहरादून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पिच क्यूरेटर ने उत्तराखंड में देहरादून के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा करने के बाद मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यहां के मैदान की हालत को बेहद निराशाजनक बताया है। इससे यहां रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल की मेजबानी को लेकर झटका लगा है।

क्यूरेटर राकेश कुमार ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा कि स्टेडियम की पिच और आउटफील्ड का स्तर इतना खराब है कि यहां सेमीफाइनल जैसा महत्वपूर्ण मुकाबला आयोजित नहीं किया जा सकता। निरीक्षण टीम के अनुसार, ग्राउंड का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं है। सूत्रों की मानें तो बीसीसीआई अब इस सेमीफाइनल को कानपुर के ग्रीनपार्क या लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

तैयारी | पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा- मुकाबले के प्रति टीम बेहद गंभीर

भारत के खिलाफ अलग मानसिकता के साथ खेलेंगे

कोलंबो, एजेंसी

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच को एक आम मैच करार दिया। लेकिन इसके साथ ही कहा कि इस बार उनकी टीम इस मुकाबले में अलग मानसिकता के साथ उतरेगी। पाकिस्तान की टीम नीदरलैंड और अमेरिका को हराने के बाद ग्रुप ए में शीर्ष पर काबिज हो गई है। नीदरलैंड को हराने में उसे संघर्ष करना पड़ा था लेकिन अमेरिका को उसने आसानी से 32 रन से हराया जिसमें फरहान ने एक 41 गेंद में 73 रन की शानदार पारी खेली।

मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में फरहान से भारत के खिलाफ होने वाले मैच के बारे में पूछा गया जो पाकिस्तान सरकार द्वारा बहिष्कार की अपील वापस लेने के बाद अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 फरवरी को खेला जाएगा।

फरहान ने कहा लगातार दो मैच जीतने और तालिका में शीर्ष पर काबिज होने से आत्मविश्वास मिलता है। अगला मैच भी एक आम मैच जैसा ही होगा। यह पहला अवसर नहीं है जबकि हम उनके खिलाफ खेलेंगे। उन्होंने कहा हम पहले भी उनके खिलाफ खेल चुके हैं लेकिन इस बार हमारी मानसिकता अलग होगी। आपने देखा ही होगा कि शादाब (खान) रन बना रहे हैं, (मोहम्मद) नवाज़ रन बना रहे हैं। उम्मीद है कि आपको उनके खिलाफ हमारा खेल पसंद आएगा। फरहान ने कहा यह एक सामान्य मैच होगा और हम इसे एक अन्य मैच की तरह ही लेंगे। हम यह नहीं सोचेंगे कि यह भारत और पाकिस्तान का मैच है। हम इसे एक सामान्य मैच की तरह ही खेलेंगे।

भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। उसने हाल में एशिया कप में पाकिस्तान को सभी मैच में हराया था। तब भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि हाल के वर्षों में उनकी टीम के दबदबे को देखते हुए वह अब पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिद्वंद्विता को बराबरी का नहीं मानते हैं। फरहान हालांकि इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा मैं ऐसा नहीं मानता।

मेरा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया

फरहान से जब पूछा गया कि क्या उनके पास भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए कोई विशेष योजना है, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आप आत्मविश्वास से भर जाते हैं। मैं भी बहुत आत्मविश्वास से भरा हूं और जिस तरह से मैंने पिछली दो पारियां खेली हैं, उससे मेरा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा मैं ऐसा नहीं मानता। एशिया कप में हमने जिस तरह से प्रदर्शन किया उसे देखते हुए मुकाबले एकतरफा नहीं थे। हमने आखिर तक डटकर मुकाबला किया था। उम्मीद है कि इस बार भी हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पाकिस्तान के लगातार दो मैच जीतने से फरहान काफी उत्साहित हैं।